हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 06.11.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 101 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

तीन दिवसीय लुगूबुरु घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

धर्म से हमें सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की ताकत मिलती है : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : यह सिर्फ एक महोत्सव नहीं है बल्कि अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति हमारी अटूट आस्था श्रद्धा और भक्ति का परिचायक है। हमें अपनी परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित रखते हुए इसे और मजबूती प्रदान करना है ताकि आने वाली पीढ़ी इससे अवगत रहे और अपनी इन परंपराओं को और आगे ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बुधवार को बोकारो जिला के गोमिया प्रखंड स्थित ललपनिया में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय लुगूबुरु, घांटाबाड़ी, धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव- 2025 के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपनी परंपरा और संस्कृति को जितनी अच्छी तरह समझेंगे, उतना ही बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

यहां आने वाले तमाम श्रद्धालुओं का आभार प्रकट करता हूं

मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगू बुरु विशेष रूप से संताल समाज के लिए एक ऐसा पवित्र स्थल है , जहां हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले लुगूबुरु, घांटाबाड़ी धोरोम गाढ़ राजकीय महोत्सव में झारखंड के अलावा देश के अन्य प्रदेशों तथा विदेशों से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं। वे यहां लुगू बाबा का दर्शन और पारंपरिक विधि- विधान से पूजा- अर्चना कर खुशहाली की कामना करते हैं। यह परंपरा यहां वर्षों से चली आ रही है। इस वर्ष भी तीन दिनों के इस राजकीय महोत्सव में यहां आये सभी श्रद्धालुओं के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। यह महोत्सव आगे और भी भव्यता को प्राप्त करे और समृद्ध हो, लुगू बाबा के दरबार में हम यही आराधना करते हैं।

हमारे पूर्वजों ने जो व्यवस्था बनाई है, उसका पालन करते आ रहे हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगूबुरु संताल समुदाय का एक ऐसा गढ़ है, जहां हमारे पूर्वजों ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसका पालन हम हमेशा से करते आ रहे हैं। संताल समाज को बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने में हम अपने पूर्वजों के योगदान को कभी भूल नहीं सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबुआ समाज, संस्कृति, परंपरा और रीति- रिवाज की समृद्ध तथा आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार सदैव से गंभीर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुगूबुरु, घांटाबाड़ी हमारे लिए असीम आस्था का केंद्र है। हर वर्ष यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और लुगू बाबा के दर्शन करते हैं। ऐसे में देश - विदेश से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा सुविधा और सहूलियत देने के लिए यहां की व्यवस्था को बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है। यह तीर्थ स्थल विश्व के मानचित्र पर एक अलग पहचान बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

दिशोम गुरु की बतायी राह पर आगे बढ़ाना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन शुरू से ही लुगूबुरु, घांटाबाड़ी के प्रति उनकी असीम आस्था थी। वे हमेशा लुगू बाबा के दरबार में आते थे । लुगूबुरु के प्रति उनकी जो सोच थी। उनका जो मार्गदर्शन मिला था, उसे हम सभी मिलकर आगे बढ़ाएं, ताकि यह धरोहर हमारे भावी पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा का काम हमेशा करता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज हमेशा से ही प्रकृति को सुरक्षित और संरक्षित करता आ रहा है। लेकिन, आज विकास की होड़ में जल- जंगल और जमीन खत्म होते जा रहे हैं। यह प्रकृति के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

अनुराग गुप्ता का डीजीपी पद से इस्तीफा, नये डीजीपी की तलाश शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के बहुचर्चित डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। विश्वस्त सूत्रों ने इसकी पुष्टि कर दी है। हालांकि आधिकारिक रूप से उनके इस्तीफे को अभी मंजूर नहीं किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के शीर्ष स्तर पर नये डीजीपी की तलाश भी शुरू कर दी गयी है। क्योंकि अनुराग गुप्ता का इस्तीफा स्वीकार किये जाने के साथ ही राज्य सरकार को नये डीजीपी की नियुक्ति अनिवार्य हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार अनुराग गुप्ता ने कल शाम मुख्यमंत्री आवास जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया। उसके बाद सरकार के शीर्ष स्तर पर सरगर्मी काफी बढ़ गयी।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को अनुराग गुप्ता द्वारा इस्तीफा देने के बाद आज उन्हें सीएमओ बुलाया गया था। लेकिन सुबह उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हुई बतायी गयी। फिलहाल मुख्यमंत्री लुगु बुरु में आयोजित घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ में आयोजित राजकीय महोत्सव में हैं। मुख्यमंत्री के शाम रांची पहुंचने के बाद डीजीपी के मामले में अंतिम फैसला लिए जाने की संभावना है। यहां मालूम हो कि पिछले दो महीने से ही अनुराग गुप्ता को लेकर सरकार के शीर्ष स्तर पर चर्चा शुरू हो गयी थी। जब से उनका एसीबी और सीआईडी का प्रभार सरकार ने ले लिया था, उसी

समय से उनका सरकार के साथ संबंध बेहतर नहीं बताया जाने लगा था।

एमएस भाटिया और प्रशांत सिंह नये डीजीपी के रेस में

इधर आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डीजी रैंक के अधिकारी एमएस भाटिया और प्रशांत सिंह नये डीजीपी के रेस में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। इनमें एमएस भाटिया का नाम ऊपर है।

लगातार विवाद में रहे अनुराग गुप्ता

डीजीपी बनने के बाद से ही अनुराग गुप्ता लगातार विवाद में आ रहे थे। उन्हें 2022 में डीजी रैंक में प्रोन्नति मिली थी। फिर उन्हें जुलाई 2024 में झारखंड का डीजीपी नियुक्त किया गया था। निर्वाचन आयोग के आदेश के आलोक में 2024 में हुए विधानसभा चुनाव से पूर्व उन्हें डीजीपी पद से हटा कर अजय कुमार सिंह को डीजीपी बनाया गया। लेकिन हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद फिर से उन्हें डीजीपी बना दिया गया। लेकिन विवाद फिर खत्म नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने उनकी डीजीपी पद पर नियुक्ति को गलत करार दिया। महालेखाकार ने उनका वेतन पूर्जा निर्गत करना बंद कर दिया। मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा, जहां अभी भी उनकी डीजीपी पद पर नियुक्ति का मामला विचाराधीन है। हालांकि महालेखाकार ने उनका वेतन पूर्जा इस शर्त के साथ फिर जारी कर दिया कि न्यायालय के आदेश से यह प्रभावित होगा। यहां मालूम हो कि तीन फरवरी 2027 को डीजीपी के पद पर नियमित नियुक्ति होने के बाद से उनका कार्यकाल दो फरवरी 2027 तक था। अगर अदालत का कोई निगेटिव फैसला नहीं आता। झारखंड सरकार ने पहली बार 26 जुलाई 2024 को अनुराग गुप्ता को झारखंड का प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। हालांकि, झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान निर्वाचन आयोग ने उन्हें डीजीपी के पद से हटाने का निर्देश दिया था।

एक नजर

दामोदर नदी में स्नान के दौरान 5 युवक डूबे

धनबाद : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को दामोदर नदी में स्नान के दौरान बड़ा हादसा हो गया। धनबाद-बोकारो फोरलेन स्थित तेलमच्चो पुल के नीचे स्नान करने पहुंचे पांच युवक नदी की तेज धारा में बह गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से तीन युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया जबकि दो युवक अब भी लापता हैं। घटना के संबंध में बताया गया कि बाघमारा के भीमकनाली के पांच युवक कार्तिक पूर्णिमा का पवित्र स्नान करने दामोदर नदी पहुंचे थे। स्नान के दौरान वे गहरे पानी और तेज धारा की चपेट में आ गए।आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान चलाते हुए तीन युवकों को बाहर निकाला लेकिन दो युवक सनी चौहान (21) और सुमित राय (18) का पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने महुदा थाना को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ललित रंजन भगत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाशी अभियान शुरू कराया।

दरभंगा के बाल सुधार गृह से 12 बच्चे फरार

दरभंगा : दरभंगा के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार रात बड़ा कांड हो गया, जहां गार्ड पर हमला कर 12 बच्चे फरार हो गए। बच्चों ने सुरक्षाकर्मी पर ईंट और लाठी से हमला करने के बाद दीवार फांदी और भाग गए। घटना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान शुरू कर 5 बच्चो को पकड़ लिया। वहीं बाकी की तलाश की जा रही है। पुलिस की टीम ने 5 फरार बच्चों को पकड़ कर फिर से सुधार गृह भेज दिया है। एसएसपी जगुन्नाथ रेड्डी ने बताया कि कुल 12 बच्चे भागे थे और पुलिस को बाकी बच्चों की तलाश है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है, ताकि बचकर भागने वाले बच्चों का सुराग मिल सके।

मीरजापुर में ट्रेन की चपेट में आकर आठ श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

एजेंसी

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में बुधवार सुबह चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया। नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं हैं। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह करीब 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। बताया जा रहा है कि चोपन से आई पैसेंजर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक होने से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म की ओर न उतर कर दूसरी तरफ ट्रैक से नीचे उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार से आई नेताजी एक्सप्रेस उसी ट्रैक से गुजर गई।

श्रद्धालु कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ट्रेन ने कई लोगों को चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद मौके पर दिल दहला देने वाला मंजर था। रेलवे ट्रैक पर चारों ओर लोगों के शव बिखर गए। शवों के टुकड़ों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से समेट कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल यात्रियों को तुरंत जिला अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। मृतकों में अधिकांश कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए गंगा घाट जा रहे श्रद्धालु बताए जा रहे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि इस हादसे में 6 महिला मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें सविता, साधना, शिव कुमारी, अप्पू देवी, सुशीला देवी, कलावती देवी हैं। अन्य मृतकों की पहचान करने के साथ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू कराया। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

गुरुनानक देव जी के प्रति सच्ची श्रद्धा लोगों को खींचती है : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ बुधवार को रांची स्थित पीपी कंपाउंड के गुरुनानक स्कूल में गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित 556वें "प्रकाश उत्सव" में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका और समस्त झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने समस्त सिख समुदाय एवं राज्यवासियों को गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है। गुरुनानक जयंती समस्त सिख समाज के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होता है। आज के दिन समाज के लोग अपने प्रथम गुरु के दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं स्वयं हर वर्ष इस दिन थोड़ी देर के लिए यहां आता हूं। गुरुनानक जयंती के अवसर पर आयोजित "प्रकाश उत्सव" में सम्मिलित होकर मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति होती है। यह आयोजन समाज को एक सूत्र में बंधे रहने का संदेश देता है। गुरुनानक देव जी के विचारों एवं वचनों में सामाजिक एकता पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि गुरुनानक देव जी सिर्फ सिख समाज के लिए ही नहीं, बल्कि सकल समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी दूरदर्शी सोच, उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते और उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त समाज के निर्माण की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि गुरुनानक देव जी के विचार, कर्म और समर्पण से हमें यह सीख मिलती है कि हम सबों का सदैव एक-दूसरे का हाथ थाम कर एकसूत्र में बंधकर आगे बढ़ते रहना चाहिए और यही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आज के इस "प्रकाश उत्सव" कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से सिख समाज के लोग यहां पहुंच रहे हैं।

गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर राज्यपाल ने मत्था टेका, लंगर में किया प्रसाद ग्रहण

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर रांची स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, पीपी. कंपाउंड जाकर मत्था टेका। उन्होंने वहां कीर्तन कार्यक्रम में भाग लेते हुए गुरुबाणी का श्रवण किया तथा श्रद्धालुओं से भेंट की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने पूरे मानव समाज को सत्य, करुणा, सेवा, समानता और सद्भाव का महान संदेश दिया। उनके उपदेश मानवता के मार्ग पर चलने और आपसी प्रेम तथा भाईचारे को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से गुरु नानक देव जी की शिक्षा को अपने विचार और जीवन व्यवहार में आत्मसात करने का आह्वान किया।

बिहार की 121 विस सीटों पर मतदान आज, सम्राट तेजस्वी, विजय समेत कई नेताओं का भविष्य दांव पर

एजेंसी

पटना : बिहार में पहले चरण मतदान आज यानी छह नवंबर को है। 115 विधानसभा क्षेत्र के 45341 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोटिंग होगी। छह विधानसभा क्षेत्रों के 2135 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से पांच बजे तक ही वोटिंग होगी। बुधवार सुबह से ही डिस्पैच सेंटरों से मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट और अन्य सामग्री लेने में जुट गए थे। शाम तक सभी मतदान केंद्र पर सुरक्षा बल पहुंच गए थे। गुरुवार सुबह पांच बजे ही बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल किया जाएगा। इसके दो

घंटे बाद यानी सात बजे मतदान शुरू होग। पहले चरण के चुनाव में कई दिग्गजों की किस्मत भी दांव पर लगी है। इनमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और तेजस्वी यादव की किस्मत भी गुरुवार को मतदाता तय करेंगे। बताया गया कि इस चरण में 14 मंत्री भी उम्मीदवार हैं।

पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होगा। यह जिले हैं- मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, नालंदा, पटना, भोजपुर और बक्सर। इन 121 सीटों पर कुल 2496 नामांकन दाखिल हुए थे। जांच के क्रम में 1939 को वैध पाया गया। उनमें से 70 प्रत्याशियों ने नामांकन बाद में वापस ले लिया। इसके बाद, कई सेट में नामांकन की छंटनी करते हरेक प्रत्याशी के एक नामांकन को लिया गया तो प्रत्याशियों की कुल वास्तविक संख्या 1314 रह गई। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। इस चरण में 102 सामान्य और 19 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। एक करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, एक करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।। इसके अलावा, 1, 00, 904 सर्विस वोटर भी इस चरण में वोट डालेंगे। मतदान केंद्रों पर दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। 3, 22, 077 दिव्यांग मतदाता और 5, 31, 423 वरिष्ठ नागरिक मतदाता (जिनमें 80 वर्ष से अधिक आयु वाले 5, 24, 687 और 100 वर्ष से अधिक आयु वाले 6,736 मतदाता शामिल हैं) भी लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेंगे।

पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक झड़प में आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के सतबरवा प्रखंड अंतर्गत लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रेवारातू में बुधवार से शुरू हुए स्टोन माइंस के उदघाटन कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियारों से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। दो पुलिस जवानों को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। अन्य का इलाज घटनास्थल पर किया गया। घटनास्थल से 11 ग्रामीणों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें आठ महिलाएं शामिल हैं। इस बीच पुलिस सुरक्षा में माइंस की गतिविधियों से जुडे कार्यों को शुरू करा दिया गया।

जानकारी के अनुसार बुधवार से माइंस क्षेत्र में खनन कार्य शुरू होना था। उदघाटन कार्यक्रम होना था। खनन कार्य को लेकर ग्रामीण लंबे समय से विरोध कर रहे थे। सुबह पहाड़ पर पहुंचने के क्रम में अचानक घात लगाए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। सभी पारंपरिक हथियारों से लैस थे। इस क्रम में जैप-8 लेस्लीगंज के हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे, अखिलेश कुमार, लेस्लीगंज थाना के एएसआई सचिदानंद शर्मा, सतरबवा के सुधीर सिंह सहित जख्मी हो गए। रोड़ेबाजी में भी उन्हें चोट आयी। हवलदार महेन्द्र कुमार दुबे और अखिलेश कुमार को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है। माइंस क्षेत्र में पुलिस कैंप स्थापित किया गया है।

पंचतत्व सेवा संगठन का प्रथम वार्षिकोत्सव संपन्न राज्यपाल ने लोगों से की आयुर्वेद अपनाने की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पंचतत्व सेवा संगठन के प्रथम वार्षिक उत्सव का आयोजन स्थानीय पैराडाइज शॉर्ट में किया गया जिसमें राज्य के राज्यपाल महा महिमा संतोष गंगवार बताओ मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के लोगों ने महामहिम राज्यपाल को पुष्प कुछ देकर की। नहीं संस्था की ओर से महामहिम को मोमेंटो भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में संस्था के अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत का पुरातन चीज है पूर्व में हम लोग आयुर्वेद से इलाज करते थे बीच में एलोपैथी ने आयुर्वेद आयुर्वेद को पीछे छोड़ दिया एलोपैथ के इलाज के कई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं लेकिन आयुर्वेद ऐसा चीज है जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है आयुर्वेद में हर तरह की बीमारी का इलाज संभव है गंभीर से गंभीर बीमारी भी इससे ठीक हो सकती है आयुर्वेद के घाटे महत्व को देखते हुए संस्था ने लोगों को आयुर्वेद अपने के लिए प्रेरित करने का काम शुरू किया है 1 साल में संस्था ने एक दर्जन से अधिक स्तरों पर आयुर्वेदिक अस्पताल खोले जहां लोगों का निशुल्क इलाज किया जाता है अब तक राज्य में इन अस्पतालों के माध्यम से 7000 लोगों का इलाज हो चुका है वहीं संस्था अब हजारीबाग से झारखंड के सभी जिलों में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सालय खोलना चाहती है जिसमें लोगों का इलाज किया जाएगा संस्था का या प्रयास है कि पंचायत स्तर तक आयुर्वेदिक अस्पताल हो ताकि लोगों को सस्ता इलाज सस्ता और अच्छा इलाज मिल सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हम लोग एलोपैथी इलाज को तवज्जो दे रहे हैं जो बहुत ही खचीर्ली है इससे जुड़े अस्पताल मरीजों को लूटने का काम करते हैं लेकिन अगर आयुर्वेद को बढ़ावा मिलेगा तो लोगों को सस्ता और अच्छा इलाज मिल सकेगा पांच तत्व सेवा संगठन इस और एक अच्छा प्रयास कर रहा है इसके सराहनीय प्रयास को हम लोगों के सामूहिक योगदान से आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि समाज के विकास में ऐसे संस्थानों की भागीदारी बढ़नी चाहिए ताकि समृद्ध समाज बन सके। गंगवार ने कहा कि पंचतंत्र संगठन समाज के कमजोर और अभिमांचित वर्गों को संसाधन उपलब्ध कराकर शिक्षा का प्रचार प्रसार आयुर्वेद के इलाज में जुड़ा हुआ है जो आज के समय में बड़ी बात है समाज सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता है। परोपकार से कोई बड़ा धर्म नहीं होता है संस्था का मुद्दे मुख्य उद्देश्य है कि समाज का संपूर्ण विकास हो सके जो दूसरों के लिए जीते हैं वही महत्वपूर्ण होता है निश्चित औषधि और चिकित्सा की उपलब्धता पांच तत्व के कार्यों को आम जनता से जोड़ती है उन्होंने कहा कि यह संस्था गरीब और मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने का काम करती है जिससे शिक्षा के के क्षेत्र में भी विकास का मार्ग प्रसिद्ध होता है भारत की अमूल्य परंपरा का प्रतीक आयुर्वेद है या स्वस्थ जीवन का दर्शन है माननीय प्रधानमंत्री ने आयुर्वेद को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपाय कदम उठाए हैं आने वाले समय में या संगठन समाज के विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा जिस देश और प्रदेश के लोगों को सही इलाज मिल पाएगा।

नमो फुटबॉल प्रतियोगिता पर पेनल्टी शूट, चेलंगदाग ने कब्जा जमाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का रोमांचक फाइनल मुकाबला एफसी बादम और एफसी चेलंगदाग के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 गोल से मुकाबला बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में एफसी चेलंगदाग ने 3-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने 25,000 नगद व ट्रॉफी प्रदान की, जबकि उपविजेता टीम एफसी बादम को पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने 15,000 नगद व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा गोल्डन बूट पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार भी प्रदान किए गए। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को 15 जर्सी सेट प्रदान की गई। इस प्रतियोगिता में बड़कागांव प्रखंड की 40 से अधिक टीमों ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में मुखिया संघ अध्यक्ष सह टूर्नामेंट अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता, उपाध्यक्ष भीखन महतो, सचिव शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, संयुक्त सचिव मनीष पांडे, कोषाध्यक्ष भवानी प्रसाद दांगी, खेल प्रभारी धनंजय प्रसाद धीरज, विजय यादव, संजय विश्वकर्मा सहित अनेक लोगों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश प्रसाद, विशिष्ट अतिथि लोकनाथ महतो, ग्राम अध्यक्ष खिरोधर प्रसाद, कटकमदाग विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा विशेषांक वर्मा, वास्तव प्रसाद, भवानी प्रसाद, सुमन गिरी, श्रीकांत निराला, मेवा ठाकुर समेत सैकड़ों दर्शक और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीजीआर कंपनी के पदाधिकारियों को बंधक बनाने व मारपीट मामले में केस दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मंगलवार देर रात लगभग 12:00 बजे तक, बंधक बनाए गए बीजीआर कंपनी के तीनों पदाधिकारीओं एवं ड्राइवर को ग्रामीणों ने 7 घंटे बाद छोड़ दिया । जिसे लेकर बीजीआर कंपनी के पदाधिकारीओ ने गोंदलपुरा गांव के ग्रामीणों पर बादम से अपहरण कर गोंदलपुरा ले जाने एवं मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। जिसमें बड़कागांव थाने में बीजीआर कंपनी के पदाधिकारीओं एवं बादम गांव के ग्रामीणों के द्वारा अलग-अलग दो केस दर्ज कराया गया है। कंपनी के पदाधिकारीओं ने गोंदलपूरा के ग्रामीणों पर अपहरण एवं मारपीट करने की मामला दर्ज कराया है, वही गोंदलपुरा के ग्रामीणों ने बादम के लोगों पर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में दो अलग-अलग केस दर्ज किया गया है, जिसमें बीजीआर कंपनी के पदाधिकारीओं को अपहरण कर ले जाने एवं मारपीट करने तथा बादम के दो लोगों के साथ मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। केस में लगभग 15 नामजद एवं अज्ञात 200 से 300 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। वही गोंदलपूरा गांव के लोगों ने कहा हम लोगों के साथ भी कंपनी के समर्थको द्वारा मारपीट किया गया है। इस संबंध में दो आवेदन थाने में दिया गया । परंतु केस दर्ज नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है ,हम लोग हाई कोर्ट ,सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। वही बताते चलें कि 1 साल पूर्व भी अंबाजीत गांव के समीप बीजीआर कोटा कैंप में ग्रामीणों के द्वारा तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना हुई थी। जिसमें कई लोगों पर एफआईआर भी दर्ज हुआ था। अपनी जमीन को बचाने को लेकर गोंदलपूरा गांव के ग्रामीणों के द्वारा विगत 937 दिनों से कोल कंपनियों के खिलाफ आंदोलन किया जा रहा हैं। आंदोलन को मजबूती से लोग चला रहे हैं। जिसके कारण कंपनी के लोग गोंदलपूरा गांव जाने या घुसने से घबराते हैं। जबकि सरकार के द्वारा कोल कंपनीयों के लिए कोल माइंस आवंटित किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि हम अपनी चार फसली ,कीमती जमीन किसी भी हालत में कोल कंपनियों को नहीं देंगे। कृषि कार्य से हीं कई पीढियों से हम लोग अपने परिवार का जीविकापार्जन करते आ रहे हैं, अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई कर रहे है। सरकार को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि हम लोगों की जमीन को बचाआ जा सके।

डायन कुप्रथा के खिलाफ 12 नवंबर को चलाया जाएगा जागरूकता अभियान : श्रुति कुमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड में डायन-बिसाही के शक में कई महिलाओं की जिंदगी नर्क बन गई। कई महिलाओं को बेइंतहा जुल्म सहने पड़े। महिलाओं की हत्या तक कर दी गई। अशिक्षा के कारण अंधविश्वास की जड़ें इतनी गहरी हो गई हैं कि डायन कुप्रथा के कारण महिलाओं का जीना मुहाल हो गया है। इसी आलोक में आगामी 12 नवंबर यानि बुधवार को बरही में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिसमें प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों विद्यालय से हजारों छात्र शामिल होंगे। इस जागरूकता अभियान के तहत संभवतः बरही के चारों मुख्य मार्गों में रैली निकाली जाएगी। इस बात की जानकारी प्रशिक्षु पुलिस अधीक्षक श्रुति कुमारी ने बरही थाना में प्रेस वार्ता कर दी है। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उदेश्य अंधविश्वास के कारण होने वाली सामाजिक कुप्रथाओं, जैसे कि किसी को डायन बताकर बदनाम करना और साथ अत्याचार को रोकना है। उन्होंने कहा कि डायन प्रथा समाज की कुप्रथा है। ऐसी कुरीतियों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता हैं। इसमें सजा का भी प्रावधान हैं। ऐसी कुरीतियां न केवल महिलाओं बल्कि समाज को भी नकारात्मक विचार धारा से ग्रसित करती हैं। इन कुरीतियों से महिलाओं को प्रताड़ित करना अपराध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी शिक्षा की ओर अग्रसर हो, अपने बच्चों को शिक्षित करें, ताकि इस तरह की कोई भी घटना हमारे क्षेत्र में हमारे समाज में ना हो, प्रेस वार्ता के बाद उन्होंने रूट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बरही के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं ग्रामीणों से जागरूकता अभियान में शामिल होकर सफल बनाने की अपील की है। बता दें कि उक्त दिन पुलिस अधीक्षक के द्वारा वृक्षारोपण भी किया जाएगा।

प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब विशेष दीवान में रागी जत्थों ने किया निहाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सिख समुदाय के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के अवसर पर बुधवार को शहर के गुरुद्वारों में श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। गुरुद्वारा परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया था – रोशनी, फूलों की मालाओं और आकर्षक सजावट से पूरा परिसर जगमगा उठा।प्रकाश पर्व के अवसर पर विशेष दीवान का आयोजन किया गया, जिसमें बाहर से आए प्रसिद्ध रागी जत्थों ने गुरुवाणी कीर्तन से संगत को निहाल किया। कीर्तन का आरंभ सुबह 10 बजे हुआ और पूरे वातावरण में वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयकारे गूंजते रहे। कीर्तन समाप्ति के बाद श्रद्धालुओं ने गुरु का लंगर ग्रहण किया।गुरुद्वारा में माथा टेकने के लिए हजारीबाग जिले के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन और सदर विधायक प्रदीप प्रसाद समेत कई गणमान्य लोग एवं सिख संगत के सदस्य पहुंचे। सभी ने गुरु नानक देव जी के उपदेशों पर चलने और समाज में प्रेम, भाईचारा एवं सेवा भावना को बनाए रखने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, भक्ति और सेवा की मिसाल देखने को मिली। प्रकाश पर्व का यह आयोजन हर दिल में खुशियों की रोशनी बनकर समा गया।

हजारीबाग में पारंपरिक कार्तिक पूर्णिमा नरसिंह स्थान मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के ऐतिहासिक और पारम्परिक धार्मिक आस्था के प्रतीक नरसिंह स्थान में आयोजित पारम्परिक कार्तिक पूर्णिमा मेला बुधवार को पूरे हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हुआ। मेले में जिले सहित आसपास के विभिन्न इलाकों से लाखों धर्मप्रेमी और श्रद्धालु पहुंचे और भगवान नरसिंह के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर और सरोवर तट पर उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान के बाद पूजा-अर्चना की और दीपदान कर मंगलकामनाएँ कीं। पूरा क्षेत्र जय नरसिंह भगवान जय बाबा दामोदर के जयघोष से गूंज उठा। जिससे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद, धार्मिक न्यास के अध्यक्ष जयशंकर पाठक, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, अपर समाहर्ता संतोष कुमार, अंचलाधिकारी जयनारायण पासवान तथा थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राय समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और इसे हजारीबाग की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान बताया। अनेक जनप्रतिनिधियों ने अपना सेवा शिविर लगाकर मेरे में अपना योगदान दिया। मेले के दौरान प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी गई थी। भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा स्वच्छता के लिए पर्याप्त कर्मियों की तैनाती की गई। मेले में किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। मेले में आए श्रद्धालुओं ने कहा कि इस बार की व्यवस्था बेहद संतोषजनक रही। धार्मिक आस्था के साथ प्रशासनिक अनुशासन का सुंदर संगम इस वर्ष देखने को मिला, नरसिंह स्थान पुजा समिति एवं प्रशासन की ओर से सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों को धन्यवाद दिया गया जिन्होंने शांति एवं अनुशासन बनाए रखा और इस पारम्परिक मेले को सफल बनाया।

एक नजर

संतोष व स्वाति बनी बरही बीपीओ

बरही : बरही प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित मनरेगा के बीपीओ प्रवेज आलम व धर्मेंद्र कुमार सिन्हा का तबादला हो गया है। वहीं बरही प्रखंड कार्यालय में नए बीपीओ संतोष कुमार व स्वाति शर्मा को बनाया गया।इस सम्बंध में उपायुक्त कार्यालय से उप विकास आयुक्त ने पत्र जारी कर दिया गया। उन्होंने पत्र के माध्यम से बताया कि पत्र निर्गत के तीन दिनों के अंदर ज्वाइनिंग करने का निर्देश दिया।

रेलवे की टीम ने डाक विभाग की टीम को मैत्री मैच में हराया

रामगढ़ : बरकाकाना रेलवे स्टेशन मैदान में भारतीय डाक विभाग परिवार और रेलवे विभाग परिवार के बीच बुधवार को मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इसमें रेलवे परिवार विजयी रहा। मैच में रामगढ़ सहायक पोस्टमास्टर रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर रविशंकर राय ने विजता और उपविजेता को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने के साथ अपने परिवार का दायित्व का निर्वहन भी करते हैं। लेकिन अपने तन को भी स्वस्थ रखने के लिए जीवन में खेल जरूरी है। खेल से हमें प्रेरणा, सहयोग, मार्गदर्शन, स्वास्थ लाभ मिलता है। इस अवसर पर पर डाक विभाग और रेल विभाग से शम्भू दत्त सिंह,चंदन कुमार महतो, विकाश कुमार, अमर कुमार यादव, मृत्युंजय कुमार, संतोष कुमार, राजकपूर कुमार, शंभु कुमार, चंदन कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

पीवीयूएनएल की यूनिट नंबर 1 ने की वाणिज्यिक संचालन की घोषणा

रामगढ़ : पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने बुधवार को अपनी यूनिट नंबर 1 के लिए वाणिज्यिक संचालन तिथि की सफल घोषणा की है। यह उपलब्धि झारखंड राज्य की बिजली व्यवस्था को मजबूत करने और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह यूनिट आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है। इसमें अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल पैरामीटर से उच्च दक्षता, एयर कूल कंडेंसर से कम पानी की खपत और 100 प्रतिशत ड्राई ऐश तकनीक से राख का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया गया है। यूनिट ने सभी जरूरी परीक्षण और स्थिरीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। जिससे इसकी विश्वसनीयता और कार्यक्षमता सिद्ध हुई है। इस अवसर पर पीवीयूएनएल के सीईओ ए.के. सहगल, सीजीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी, जीएम संचालन मनीष क्षेत्रपाल, जीएम तकनीकी सेवाएं संगीता दाश, जीएम अनुरक्षण ओ.पी. सोलंकी, जीएम प्रोजेक्ट विष्णु दत्ता दाश और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान सह विश्व शांति महायज्ञ संपन्न

रामगढ़ : श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में मेन रोड स्थित जिनालय में परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी की विदुषी शिष्या संपदा दीदी और अनीता दीदी के सानिध्य में आठ दिवसीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान सह विश्व शांति महायज्ञ संपन्न हो गया। विधान के अंतिम दिन बुधवार को संपदा दीदी के सानिध्य में चयनित पात्र और महिलाओं ने सामूहिक अर्?य समर्पण कर एवं हवन कर विधान की पूणाहुति की। विधान के समापन पर संपदा दीदी ने कहा कि जिनालय में अष्टानिका पर आयोजित यह विधान अक्षय पूण्य प्रदाता है। दीदी ने कहा कि हम प्रत्येक वर्ष तीन अष्टानिकाएं मनाते हैं, लेकिन कार्तिक मास की अष्टानिका को श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान के साथ पूर्ण करना एक दुर्लभ संयोग होता है।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने अनुदानित मूल्य पर गेहूं सरसों बीज का वितरण का किया शुभारंभ

बरही : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने रसोइया धमना स्थित प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति केंद्र में 50 प्रतिश अनुदानित मूल्य पर किसानों के बीच गेहूं सरसों बीज का वितरण कार्य का शुभारंभ किया।इस दौरान विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बरही प्रखंड के सभी पंजीकृत किसानों को सरकारी अनुदानित मूल्य पर गेंहू एवं सरसों के बीज उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार कृषि विभाग की ओर से उपलब्ध कराये गये गेहूं व सरसों के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर वितरण शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल किसानों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र की कृषि विकास में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विभाग की यह पहल किसानों के लिए मददगार साबित होगी और उनकी आय में वृद्धि करने में सहायक होगी। मौके पर बीसीसीओ संजय यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, ज़िप सदस्य प्रीति गुप्ता,स्थानीय मुखिया गोविन्द साव, गुरुदेव गुप्ता, दिलीप यादव, सीताराम यादव सहित कई अन्य उपस्थित थे।

बरही में शिव मंदिर निर्माण का भूमि पूजन, जिप उपाध्यक्ष ने किया शुभारंभ

बरही : बरही प्रखंड के हरि नगर गया रोड में नव-निर्मित शिव मंदिर के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन संपन्न कराया और मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने मंदिर निर्माण की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक एकता को नई मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि धार्मिक स्थल समाज में आस्था, शांति और एकता का प्रतीक होते हैं। शिव मंदिर निर्माण से हरि नगर क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक समरसता का वातावरण बनेगा। कार्यक्रम के दौरान भक्तों ने सामूहिक रूप से भगवान शिव के जयकारे लगाए और मंदिर निर्माण की सफलता की कामना की। मौके पर सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बड़कागांव में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम का शुभारंभ

बड़कागांव : बड़कागांव में इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम का शुभारम्भ बुधवार को दैनिक बाजार स्थित बसारिया मोहल्ला में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के संचालक अरविंद मालाकार की माता मालती देवी व पिता बिनु माली के द्वारा फीता काटकर और दीप जलाकर उद्घाटन किया गया। मौके पर उद्घाटन समारोह में पहुंचे अतिथियों ने कहा कि लगभग 1967 के करीब एक समय हुआ करता था की बिनु माली का बड़कागांव में एकमात्र प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक दुकान हुआ करता था जहां आहूजा, एंकर, जे जे सहित कई कंपनीयों के साउंड बॉक्स, चोंगा, पियानो, रेडियो, टीवी, लोग दूर-दूर से आकर खरीदते थे आज यह देखकर खुशी हुई है कि उनके पुत्र अरविंद मालाकार के द्वारा उस काम को फिर से शुरू किया गया है। मौके पर संचालक अरविन्द मालाकार ने कहा कि अब इस क्षेत्र के ग्राहकों को ईलेक्ट्रिक व ईलेक्ट्रोनिक समान जैसे फ्रिज, कूलर, एसी समेत अन्य उपकरणों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें आसान किस्तों पर सारा सामान यहीं उपलब्ध करा दिया जाएगा। साथ ही सामान लेने के लिए बजाज फाइनेंस द्वारा कार्ड देते हुए जीरो प्रतिशत ब्याज पर समान मुहैया कराया जायेगा जिसके बाद टीवी, फ्रिज, एसी कूलर समेत मनचाहे उपकरण घर ले जा सकते हैं। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से प्रवेश मालाकार, बृजेश कुमार वर्मा, अवधेश मिश्रा, रामसेवक सोनी, बैजनाथ रजक, सावंर अग्रवाल, अभिषेक राय, विकास रंजन, पंकज कुमार मेहता, अनुपम मालाकार, विशाल सिंह, अरुण मालाकार, उमेश कुमार सिंहा, शंभू मालाकार, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन की हुई बैठक

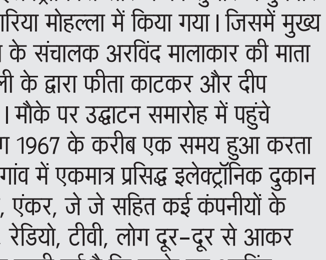

बरही : बरही भीम आर्मी भारत एकता मिशन का बैठक बुधवार को बरही अम्बेडकर भवन किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता भीम आर्मी अध्यक्ष लक्ष्मण राव एवं संचालन अधिवक्ता महेंद्र कुमार ने किया। बैठक में उपस्थित सभी लोगो ने बारी बारी से अपना अपना विचार को रखा। मौके पर बरही प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि गरीब मजलूमों के पर अत्याचार कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा बहुत जल्द सभी पंचायत को निरीक्षण कर निष्क्रिय पंचायत को फिर से पुनर्गठन कर सक्रिय किया जाएगा। बीसों पंचायत को पूरी तरह से सक्रिय किया जाएगा। संचालन कर रहे अधिवक्ता महेंद्र कुमार ने कहा कि भीम आर्मी का विचार बरही के आखिरी घर तक पहुंचा कर जागरूक किया जाएगा। मौके पर भीम आर्मी उपाध्यक्ष टिंकू अंसारी, कोषाध्यक्ष सतेंद्र भुइयां, महासचिव मुकेश कुमार संरक्षक दिनेश दास, जितेंद्र कुमार, अजय आनंद, पूर्व उपाध्यक्ष मनोज दास, बरही पूर्वी पंचायत अध्यक्ष अनुज कुमार, करियातपुर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र रविदास, करसो अध्यक्ष विनोद कुमार, कोनरा अध्यक्ष महेंद्र दास, साजन कुमार, अशोक पासवान, धीरज कुमार, मिथलेश कुमार, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, भोला रविदास, दिनेश रविदास, संतोष कुमार, सुनील आनंद, पंकज रविदास, अशोक रविदास ,दिनेश रविदास, अनिल रविदास ,सिकन्दर कुमार, राजेश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने स्वर्ण रेखा में लगाई आस्था की डुबकी, किया दान-पुण्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्वर्ण रेखा नदी सहित अन्य सरोवरों के तटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही महिला, पुरुष और बच्चे स्वर्ण रेखा नदी पहुंचकर स्नान किया और फिर भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया।

कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर इक्कीसों महादेव धाम, स्वर्णरेखा नदी तट पर सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का स्नान एवं मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हुई। कई श्रद्धालु परिवार के साथ भगवान सत्यनारायण की कथा पंडितों से सुनते देखे गए, तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्वर्ण रेखा नदी में स्नान कर दान-पुण्य करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से स्वर्णरेखा नदी के तट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन मेला लगता आ रहा है।

इस मेले में कोकर, नामकुम, चुटिया, डोरंडा, जगरन्नाथपुर, नगड़ी, बेड़ो, रामपुर, बुंडू, तमाड़, खूंटी, सिल्ली और ओरमांझी सहित कई इलाकों से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि हिंदू धर्म में व्रत, त्योहार और स्नान का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा और सरोवर में स्नान कर पुण्य प्राप्ति के लिए लोग गंगा घाटों पर पहुंचते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान के साथ दीप दान का विशेष महत्व होता है। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर नदी और मंदिर के आसपास मेला लगा था।

मेला में चाट, फुचका के ठेले, गन्ना, बच्चों के खिलौने, पूजन सामग्री की कई दुकानें लगी थीं। पूजन सामग्री की दुकानों में महिलाओं और चाट-फुचका की दुकानों में युवक-युवतियां और बच्चों की भीड़ लगी थी। इस दौरान पुलिस टीम भी तैनात दिखी। राजधानी रांची के मेन रोड स्थित संकट मोचन मंदिर, काली मंदिर, पहाड़ी मंदिर सहित सभी मंदिरों में भी लोग सुबह से ही पूजा-अर्चना करते देखे गए।

एक नजर

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल, जनता को दिया धोखा : आजसू

रांची : आजसू पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि हेमंत सरकार ने जनता के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने किसी भी बड़े वादे को पूरा नहीं किया, इसलिए झामुमो को वोट मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है। संजय मेहता ने कहा कि हेमंत सरकार नौकरी, नियोजन, शिक्षा, विस्थापन, पुनर्वास और कानून व्यवस्था जैसे सभी मोर्चों पर पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी बढ़ी है, पेपर लीक की घटनाएं रुकी नहीं और संविदा कर्मियों के नियमितीकरण का वादा भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में झामुमो के पास जनता के सामने रखने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। घाटशिला की जनता ने भरोसा जताया था, लेकिन सरकार ने केवल वादों और घोषणाओं का जाल बुना। आजसू प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड की जनता अब इस सरकार की नाकामियों का जवाब देगी। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी जनता के मुद्दों पर संघर्ष कर रही है और आगे भी रोजगार, विकास और सामाजिक न्याय के लिए जनमुद्दों की लड़ाई लड़ेगी।

आरएसए क्रिकेट एकेडमी और विवेकानंद विद्या मंदिर ने दर्ज की जीत

रांची : रांची जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित सरला देवी बिरला अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता (2025-26) का शुभारंभ बुधवार को धुर्वा स्थित गोलचक्कर मैदान में हुआ। उद्घाटन रांची जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन दिवस पर खेले गए मुकाबलों में आरएसए क्रिकेट एकेडमी ने बिरसा क्रिकेट एकेडमी को हराया, जबकि विवेकानंद विद्या मंदिर ने लोयला कॉन्वेंट को मात दी। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष सौमित्र पटनायक, कार्यकारी सदस्य चंचल भट्टाचार्य, मुज्जफर अली, मुन्ना, सहायक सचिव सुनील पाल, नंदजी पांडे, मुक्तेश सिंह और हिमांशु समेत कई गणमान्य उपस्थित थे।

एचईसी में कार्यादेश की कमी नहीं बशर्ते लगातार हो उत्पादन : लीलाधर

रांची : हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (इंटक) की ओर से बुधवार को धुर्वा स्थित यूनियन कार्यालय में इंटक की कार्यकारिणी बैठक हुई। इस अवसर पर यूनियन के महामंत्री सह इंटक के राष्ट्रीय संघटन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि एचईसी में कार्यादेश कि कोई कमी नहीं है। बशर्ते प्लांट में लगातार उत्पादन प्रक्रिया हो। उत्पादन विक्रय के बाद मिले रुपये से ही एचईसी कर्मियों का वेतन भुगतान नियमित हो सकेगा। लीलाधर ने कहा कि बैंक से व्यक्तिगत ऋण लेनेवाले कामगार के वेतन के साथ ईएमआई का बैंक को भुगतान साथ-साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठेका कामगार के ठेका का टेंडर प्रक्रिया को जल्द शुरू करना चाहिए क्योंकि मात्र ठेका अवधि दो माह शेष है। उन्होंने कहा कि नये ठेका हुए चार माह से अधिक समय होने के बावजूद हेवी मशीन बिल्डिंग प्लांट (एचएमबीपी) के एसएफडब्लू, मुख्यालय के कुछ ठेका कामगार और फाउंड्री फोर्ज प्लांट (एफएफपी) के कुछ शॉप में कामगार को अबतक वेतन भुगतान नहीं मिलता दुखद है। अपने कर्मियों को वेतन नहीं मिले इसके लिए प्रबंधन जिम्मेवार है। प्रबंधन को चाहिए कि वह वोलेंट्री प्रोविजनल फंड (वीपीएफ) का भुगतान वेतन के साथ ही कामगार को सौंपे।

22 उम्मीदवारों पर चुनाव आयोग की सख्ती, खर्च का हिसाब नहीं देने पर नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पिछले विधानसभा चुनाव में खर्च का ब्यौरा नहीं देने वाले 22 उम्मीदवारों पर अब चुनाव आयोग ने कड़ी कार्रवाई शुरू की है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने बताया कि इन उम्मीदवारों ने तय समय में अपना चुनावी खर्च आयोग को नहीं दिया, जिसके बाद सभी को नोटिस भेजा गया है।

आयोग ने कहा है कि यह नियमों का गंभीर उल्लंघन है। अगर उम्मीदवारों का जवाब ठीक नहीं मिला, तो उन पर छह साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है और उन्हें अयोग्य भी घोषित किया जा सकता है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग का निर्देश साफ है - हर प्रत्याशी को तय समय के अंदर अपना खर्च विवरण देना जरूरी है। यह कार्रवाई जिन विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों पर की जा रही है, उनमें राजमहल, महागामा, बड़कागांव, रामगढ़, मांडू, बगोदर, गंडेय, पाकुड़, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर शामिल हैं।

इनमें अधीर कुमार मंडल, अमित कुमार महतो, कृष्ण मोहन चौबे, फुलेश्वर महतो, लालदेव मुंडा, सुनील कुमार बेड़िया, धर्मेंद्र प्रसाद, पंकज कुमार, मुख्तार, श्रीकांत प्रसाद, समीम अख्तर, पंकज जायसवाल, रितेश गुप्ता, अनिल मांझी, कामेश्वर पासवान, मुकेश चौधरी, राम प्यारे पाल, घनश्याम पाठक और राजेश बैठा जैसे नाम शामिल हैं।

झारखंड में आज और 12 नवंबर को होगी राज्य स्तरीय फुटबॉल-क्रिकेट ओपन चयन प्रक्रिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वाधान में राज्य स्तरीय फुटबॉल (अंडर-14 बालक) और क्रिकेट (अंडर-19 बालक एवं बालिका) के लिए खुली चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

फुटबॉल का राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया 6 नवम्बर को खेलगांव, रांची स्थित प्रैक्टिस ग्राउंड में प्रातः 7 बजे से आयोजित होगा। इसी प्रकार क्रिकेट के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया 12 नवम्बर को साउथ रेलवे मैदान, चुटिया में आयोजित की जाएगी, जिसकी रिपोर्टिंग उसी दिन प्रातः 7 बजे से शुरू होगी। इस खुली चयन प्रक्रिया में राज्य के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को रिपोर्टिंग के समय जन्म प्रमाण पत्र, अंतिम परीक्षा का अंक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र और खेलो झारखंड पात्रता प्रपत्र साथ लाना जरूरी होगा। इस खुली चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता (इस्सगफी) में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। परिषद ने सभी पात्र खिलाड़ियों से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर इस चयन प्रक्रिया में भाग लें।

इरफान की बाबूलाल को चुनौती, अगर हिम्मत है तो प्रधानमंत्री व रेल मंत्री से इस्तीफा मांगें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुई भयावह रेल दुर्घटना में 10 यात्रियों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे को लेकर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने भाजपा पर तीखा पलटवार किया है।

डॉ अंसारी ने कहा कि यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि रेलवे व्यवस्था में गंभीर लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि वे हर मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और ड्रामा करते हैं, लेकिन असल मुद्दों पर चुप रहते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर बाबूलाल मरांडी और भाजपा वास्तव में जनता का भला चाहते हैं, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा मांगकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो रेलवे जोन कार्यालय के सामने धरना दें और जनता की आवाज उठाएं, तब वे भी उनकी पीठ थपथपाएंगे।

डॉ अंसारी ने कहा कि सिर्फ कैमरे के सामने बयानबाजी से जनता का भला नहीं होता है। जनहित कर्म करने से होता है। कहा कि वरना बार-बार नाटक और बयानबाजी करके जनता को भ्रमित करना बंद कीजिए।

भाजपा ने प्रदर्शन कर मंत्री इरफान से मांगा था इस्तीफा

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले झारखंड में भाजपा ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के मामले में राज्यभर के सिविल सर्जन कार्यालयों के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया था। उस दौरान भाजपा नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के इस्तीफे की मांग भी की थी। अब छत्तीसगढ़ रेल हादसे के बाद डॉ अंसारी ने भाजपा पर पलटवार कर बाबूलाल से पीएम और रेल मंत्री से इस्तीफा मांगने को कहा है।

बाबूलाल का तंज, सीआईडी का दुरुपयोग कर रही सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा को लेकर राज्य सरकार को निशाने पर लिया है। कहा है कि राज्य की बहुचर्चित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। परंतु चौंकाने वाली बात यह है कि जब यह मामला न्यायालय के अधीन है, तब भी झारखंड सरकार और उसकी एजेंसियां छात्रों की आवाज उठाने वाले अगुआ कुणाल प्रताप को डराने-धमकाने में जुटी है।

आगे लिखा कि पेपर लीक जैसे गंभीर मामले को लगातार उठाने वाले कुणाल प्रताप सिंह और प्रकाश पोद्दार को सीआईडी द्वारा नोटिस भेजा जाना यह दशार्ता है कि हेमंत सरकार अपनी नाकामी और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए सीआईडी का दुरुपयोग कर रही है। असली दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। राज्य की बहुचर्चित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में झारखंड हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रखा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 28 लड़के जो नेपाल पेपर पढ़ने गए थे और उनमें से जो 10 लोग पास हुए हैं, सीआईडी ने उन 10 में से सिर्फ 1 को आरोपी बनाया है। बाकी 9 लोगों को आरोपी नहीं बनाया गया है। इस मामले में कोर्ट में ये बाते भी कही गई कि जिस मनीष और दीपिका के बयान पर सरकार के अधिकारी संतोष मस्ताना को जेल भेजा गया, वे दोनों लोग परीक्षा में सफल हैं और कोर्ट में इंटरवेनर भी बने हुए हैं। बाबूलाल ने कहा कि जिन स्थानों पर पेपर लीक की बातें सामने आई हैं और जिनका उल्लेख एफआईआर में भी किया गया है, जैसे नियामतपुर, रांची, हजारीबाग, पटना और मंत्री रेजिडेंसी, क्या इन सभी जगहों पर परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबरों से परीक्षा से 2-3 दिन पहले तक का कॉल डंप निकालकर सत्यापन किया गया?

किसान सभा की हुई बैठक, 23 दिसंबर को राज्यस्तरीय धरने की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय किसान सभा की झारखंड प्रदेश कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को प्रेस क्लब में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन क्षीर सागर के द्वारा की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (पूर्व सांसद), प्रदेश महासचिव पुष्कर महतो सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में किसानों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें एमएसपी की गारंटी, कृषि ऋण माफी, खाद-बीज की बढ़ती कीमतें और सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज की मांग प्रमुख रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन क्षीर सागर ने कहा कि झारखंड में भूमि अधिग्रहण और विस्थापन की समस्या लगातार बढ़ रही है। झारखंड में अब तक लगभग 45 लाख लोग जबरन भूमि अधिग्रहण के कारण विस्थापित हुए है।सबसे ज्यादा विस्थापन कोल इंडिया, डीवीसी, एचईसी और अन्य सरकारी परियोजनाओं के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि आज भी भूमि अधिग्रहण कानून, 2013 के बावजूद किसानों की उपजाऊ जमीन औने-पौने दामों पर अधिग्रहित की जा रही है, जिससे आदिवासी और दलित समुदाय सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। राजन क्षीर सागर ने उदाहरण देते हुए कहा कि एनटीपीसी, कोल इंडिया और अन्य कंपनियों द्वारा किसानों को कम मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि बिहार जैसे राज्यों में अधिक मुआवजा दिया जा रहा है। उन्होंने गोड्डा, बड़कागांव, केरेडारी और अन्य क्षेत्रों में कंपनियों और प्रशासन की मिलीभगत से किसानों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि रघुवर दास के मुख्यमंत्री काल में बिना जांच के 21 लाख हेक्टेयर गैरमजरूआ जमीन भूमि बैंक में डाल दी गई थी, जिसमें से अधिकांश जमीन गरीब और आदिवासी किसानों की है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस निर्णय को रद्द किया जाए और जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित हुई है, उन्हें रैयती मान्यता, उचित मुआवजा और पुनर्वास दिया जाए।

उन्होंने बताया कि झारखंड में बेरोजगारी और विस्थापन की समस्या बढ़ रही है। स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे सामाजिक शोषण बढ़ा है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में किसान सभा आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने घोषणा की है कि राज्य के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

मार्च तक जिला सम्मेलन और जून तक राज्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।10 नवंबर से 10 दिसंबर तक जल-जंगल-जमीन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जिलेवार प्रदर्शन किया जाएगा। 23 दिसंबर 2025 को राज्यस्तरीय विशाल धरना आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई अब अंतिम चरण पर है, और किसान सभा इस लड़ाई को गांव-गांव तक ले जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में न्यूनतम तापमान पहुंचा 13 डिग्री, अभी और गिरेगा पारा

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में ठंड और कनकनी में वृद्धि हो रही है। राज्य के खूंटी जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 13 .4 डिग्री पहुंच गया है। आने वाले दिनों में पारे में और गिरावट होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में राजधानी रांची सहित कई जिलों में सुबह में कुहासा छाया रहेगा और इसके बाद मौसम साफ हो जाएगा। विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं आएगा जबकि इसके दो-तीन दिनों बाद तापमान में दो-तीन डिग्री की वृद्धि होगी। बाद में तापमान में फिर से दो-तीन डिग्री की कमी हो सकती है। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। रांची में अधिकतम तापमान 26 .8 डिग्री, जमशेदपुर में 31 .1, डालटेनगंज में 31 .6, बोकारो में 27 .1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित, 26 तक लिए जाएंगे आवेदन

रांची : झारखंड सरकार ने सूचना आयुक्तों के खाली पदों को भरने के लिए एक बार फिर पहल शुरू की है। लगभग पांच साल से खाली पड़े मुख्य सूचना आयुक्त एवं सूचना आयुक्तों के छह पदों के लिए कार्मिक विभाग ने 26 नवंबर तक आवेदन मांगा है।आवेदक विधि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता जनसंपर्क माध्यम या प्रशासन तथा शासन का व्यापक ज्ञान और अनुभव रखने वाले समाज में प्रख्यात व्यक्ति होंगे। नियुक्ति 3 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक के लिए होगी। सरकार ने पिछले साल जून में मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह सूचना आयुक्त के पदों को भरने के लिए आवेदन मांगे थे। झारखंड हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। 8 मई 2020 से राज्य सूचना आयोग में सुनवाई पूरी तरह से ठप है। सुनवाई नहीं होने की वजह से आयोग में आठ हजार से अधिक अपील लंबित है।

रिम्स निदेशक ने जताई नाराजगी, लापरवाह सफाई कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार ने कैंपस में स्वच्छता व्यवस्था पर असंतोष जताया है। निदेशक ने कहा कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद सफाई एजेंसी के कर्मचारी परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थिति यह है कि उनके आवासीय परिसर में भी कई स्थानों पर पेड़ों की पत्तियां और कचरा इकट्ठा पड़ा है। स्वयं पहल करते हुए डॉ राज कुमार ने सुपरवाइजर की मदद से परिसर में फैली पत्तियों को उठवाया और स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल सफाई कर्मचारियों की नहीं, बल्कि रिम्स परिवार के हर सदस्य की सामूहिक जिम्मेदारी है कि परिसर को साफ-सुथरा और स्वस्थ बनाए रखें।निदेशक ने बताया कि कुछ कर्मचारी सुपरवाइजर के निदेर्शों की अवहेलना कर रहे हैं और काम के प्रति उदासीन रवैया अपना रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर ड्यूटी पर उपस्थित होना, ईमानदारी से कार्य करना और परिसर को स्वच्छ रखना हर कर्मचारी का कर्तव्य है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जब तक सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ रिम्स का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

समाजसेवी डॉ कार्तिक उरांव की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

रांची : आदिवासी बाल विकास विद्यालय रातु में महान आदिवासी नेता, वैज्ञानिक और समाजसेवी डॉ कार्तिक उरांव की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्तिक उरांव पहले आदिवासी थे जिन्होंने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में 9 डिग्रियां हासिल कीं और दुनिया के ऑटोमेटिक पावर प्लांट में बतौर इंजीनियर कार्य किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ हुई। कक्षा एक से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने हिंदी, कुड़ुख और नागपुरी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। झारखंड की भाषा, वेशभूषा और लोकनृत्य की झलक ने समारोह को रंगीन बना दिया। मुख्य अतिथि मिशन ब्लू फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ पंकज सोनी, गुमला के पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव और विशेष अतिथि झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वीसी डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवशंकर उरांव, महासचिव डॉ लक्ष्मण उरांव, पश्चिम बंगाल शाखा के जनरल सेक्रेटरी खोखन सरदार, प्रिंसिपल रोहित कुमार मिश्रा, रंजीत मिश्रा, सरजु सिंह और सपना कुमारी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे। कार्यक्रम में विद्यालय और कॉलेज स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित किया गया। वहीं मैट्रिक परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख जैसे कलाकारों के योगदान को भी नमन किया और कहा कि झारखंड की संस्कृति को जीवंत बनाए रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

तिलैया में यामाहा शो-रूम से चोरी की घटना का पुलिस ने किया उद्भेदन, एक चोर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में बीते कुछ महीनों में हुए चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है और इस घटना को अंजाम देने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी कर लिया है। मामले का उद्भेदन करते हुए एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि अगस्त माह में तिलैया थाना क्षेत्र के सीडी कॉलोनी निवासी अभिषेक कुमार ने थाने में एक लिखित शिकायत करते हुए बताया था कि शहर के बाईपास रोड स्थित उनके ए आर इंटरप्राइजेज नामक यामाहा शो रूम के अल्बेस्टर का ऊपरी हिस्सा काटकर किसी अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रुपए के समान सहित, नगद रुपए और मोबाइल फोन की चोरी कर ली गई थी। जिसके पस्चात एसपी अनुदीप सिंह ने एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष दल का गठन करते हुए जांच का जिम्मा सौंपा था। जिसके पस्चात एसडीपीओ व तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार तथा एसआई महादेव पांडेय सहित तिलैया थाने के पैंथर के जवान के साथ उक्त मामले का उद्भेदन हेतु छापेमारी अभियान चलाया। इसी क्रम में प्रदीप कुमार उम्र 23 वर्ष पिता स्व. महादेव साव को कोडरमा थाना क्षेत्र के करमा से गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि उक्त शो रूम में उसके द्वारा ही चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। वहीं उसने बताया कि वहां से चोरी किए गए मोबाइल, सामान व नगद पैसों से उसने दुसरी कम्पनी का एक एंड्राइड फोन खरीदा था। जिसे पुलिस द्वारा बरामद किया गया है। इसके अलावे उसके द्वारा चोरी की घटना में प्रयुक्त होने वाले लोहे का कटर सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं। वहीं पूछताछ में उसने बताया कि चोरी करने के पश्चात वह अपनी पहचान छुपाने के लिए चोरी के समय पहने हुए वस्त्र को तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत इंदरवा बस्ती में गणेश सोनार के अर्धनिर्मित मकान में छुपा दिया करता था। उसने यह भी कबूल किया कि इसके पहले टीवीएस शो रूम में हुई चोरी की घटना, कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बैग दुकान व राशन के दुकान में चोरी की घटना सहित बरबड्डा बाजार व तोपचांची में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इधर पुलिस द्वारा प्रदीप कुमार को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एक नजर

आरपीवाई बीएड कॉलेज में टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बुधवार को महाविद्यालय के एकेडमिक करिकुलम प्लानिंग एवं डेवलपमेन्ट सेल व आइक्युएसी के संयुक्त तत्वावधान में एकदिवसीय टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय विभावि का दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम था। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार व सहायक प्राध्यापकों द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने दो वर्षीय बीएड के नए पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर प्रशिक्षुओं को पढ़ाने, सही-सही जानकारी देने के साथ प्राध्यापकों को भी अपने आप को समय दर समय अपडेट रहने की बात कही। अंत में प्रश्नोत्तरी सत्र चला जिसमें शिक्षकों ने अपने-अपने अनुसार प्रश्न किया जिसका उन्हें उत्तर मिला।

कोर्ट आदेश के बाद धुब्बाडीह में पुलिस ने दिलाई दखलकारी

मरकच्चो : मरकच्चो प्रखंड के उत्तरी पंचायत स्थित ग्राम धुब्बाडीह में कोर्ट निर्देश के बाद बुधवार को पुलिस ने गोविंद शरण मोदी को पुराने घर पर दखलकारी दिलाई। बताया गया कि उक्त जमीन को लेकर दोनों भाइयों के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में जिला कोडरमा से आये मजिस्ट्रेट नाजीर अभिमन्यु कुमार,अधिवक्ता भुनेश्वर राणा, मुकेश कुमार,धीरज सिंह के अलावे जिला एवं मरकच्चो के पुरुष एवं महिला पुलिस बल की मौजूदगी में गोविंद शरण मोदी को संबंधित बंद घर का कब्जा दिलाया गया।

चास में पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी हादसे का शिकार, हाइवा ने पीछे से मारी टक्कर

बोकारो : चास थाना क्षेत्र में मंगलवार रात गुरुद्वारा रोड के पास पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी एक हादसे का शिकार हो गई। पीछे से आ रहे कोयला लदे हाइवा ट्रक ने पेट्रोलिंग वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी सड़क किनारे पलट गई। हादसे में सवार तीनों पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए, हालांकि उन्हें चोटें आई हैं। सभी घायलों का इलाज कराया जा रहा है।जानकारी के अनुसार घटना ओवरटेक करने के दौरान हुई जब हाइवा तेज रफ्तार में था और उसने पीछे से पेट्रोलिंग वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पुलिस की गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला गया। चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने बताया कि हाइवा को जब्त कर लिया गया है और चालक को गिरफ्तार कर थाना लाया गया है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि हाइवा चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिससे यह दुर्घटना हुई।

आरपीएफ की सतर्कता से तीन नाबालिग लड़कियां सुरक्षित बरामद

बोकारो : बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन से राहत भरी खबर सामने आई है। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से तीन नाबालिग लड़कियों को सुरक्षित बरामद किया गया।जानकारी के मुताबिक, प्लेटफॉर्म नंबर 1 के मुख्य द्वार के पास तीन नाबालिग लड़कियां लक्ष्यहीन रूप से घूमती हुई नजर आईं। ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल दिलीप कुमार ने यह सूचना तुरंत आरपीएफ पोस्ट को दी। इसके बाद एसआई बलराम मीणा के नेतृत्व में बोकारो आरपीएफ टीम और ह्यमेरी सहेली यूनिट ने मौके पर पहुंचकर तीनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की।

केटीपीएस पावर प्लांट में हादसा, ट्रेन की बोगी से टकराकर कर्मी घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित केटीपीएस बांझेडीह पावर प्लांट में बुधवार की सुबह एक हादसा हो गया। जहां काम करने के दौरान एक कर्मी बुरी तरह से घायल हो गया। घायल कर्मी की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के सिंगारडीह गांव निवासी 35 वर्षीय प्रकाश यादव पिता बालेश्वर यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रकाश केटीपीएस में नित्य आने वाली कोयला लदी मालगाड़ी के बोगियों के रैक पॉइंट पर कार्यरत था। प्लांट के भीतर जहां मालगाड़ी के बोगी से कोयला की निकासी होती थी, वहां प्रकाश मालगाड़ी की बोगियों को एक के बाद एक खोलने का काम करता था। बुधवार को भी वह इसी काम में लगा हुआ था। इसे दौरान मालगाड़ी की एक बोगी अपने जगह से ढुल गई और सीधे प्रकाश से जा टकराई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के उपरांत वहां मौजूद अन्य कर्मियों की नजर घायल प्रकाश पर पड़ी, जिसके पश्चात उनके द्वारा प्रकाश को एम्बुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया। जहां प्रारंभिक उपचार के पश्चात, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे राँची रिम्स रेफर कर दिया है।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान हादसा, पांच युवक नदी में बहे, तीन को बचाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बोकारो धनबाद फोरलेन स्थित तेलमोच्चो पुल के ठीक नीचे दामोदर नदी में बड़ा हादसा हुआ है। यहां कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने पहुंचे पांच युवक नदी में बह गए। जिसमे से तीन को बचा लिया गया है, जबकि दो अब भी लापता बताए जा रहें हैं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बाघमारा भीमकनाली के पांच युवक दामोदर नदी में पवित्र स्नान करने पहुंचे थे। इस दौरान ये सभी नदी की तेज धार की चपेट में आ गए और सभी नदी के साथ बहने लगे। इसी दौरान पास में खड़े कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दीखते हुए उनमें से 3 युवकों को किसी तरह नदी की तेज धार से बाहर निकालने में सफल रहे, जबकि दो युवक नदी की तेज धार में कही गायब हो गए। लापता युवकों की पहचान सनी चौहान (21) एयर सुमित राय (18) के रूप में हुई है। वहीं घटना के बाद गोताखोरों की टीम को बुलाया गया और नदी में लापता युवकों की खोजबीन शुरू की गई है। सूचना मिल रही है कि तलाशी के दौरान नदी से एक शव निकाला गया है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नही हो सकी है। तो ऐसे में यह भी सवाल खड़ा हो रहा है कि यह किसका शव है? गोताखोरों की टीम अभी भी लापता दोनों युवकों की तलाश में जुटे हुए हैं। वहीं, मौके पर पहुंचे महुदा थाना प्रभारी ललित रंजन भगत ने बताया कि लापता युवकों की तलाश जारी है, मुनीडीह से अतिरिक्त गोताखोरों की टीम की सहायता मांगी गई है। एनडीआरएफ टीम को भी सूचना दी गई है। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने बताया कि उक्त घटना को लेकर उनकी उपायुक्त से वार्ता हो चुकी है, लापता दोनों बच्चों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम रांची आए धनबाद के लिए रवाना हो गई है।

बोकारो में पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ सामा-चकेवा पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मिथिलांचल में मनाये जाने वाला भाई-बहन के स्नेह का अतिपावन पर्व सामा-चकेवा बुधवार देर शाम बोकारो में संपन्न हुआ। बोकारो की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में नगर के सेक्टर-4ई स्थित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में सामा-चकेवा पर्व का भव्य आयोजन किया गया। मैथिल-परम्परानुसार समदाओन आदि भावपूर्ण पारंपरिक गीतों के साथ सामा-चकेवा को भावनीभी विदाई दी गयी। चास-बोकारो के विभिन्न भागों से पहुंची महिलाओं ने मिट्टी निर्मित सामा-चकेवा की विधियां पूरी कीं। परंपरानुसार सामा-चकेवा, सतभइया, बृंदावन, चुगला, ढोलिया बजनिया, बन तितिर, पंडित और अन्य मूर्तियों के खिलौने वाले डाला को लेकर महिलायें जुटीं और सन (पटुआ) से बने चुगला को जलाया। उसका मुंह झुलसाया। इसके बाद उन्हें सामूहिक रूप से विसर्जित किया। इसके पूर्व, प्रारंभ में आगंतुकों का स्वागत परिषद् के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण कुमार पाठक ने किया। परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला की महान लोक संस्कृति से जुड़े भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक यह पर्व मात्र मिथिला में ही मनाये जाने की परंपरा रही है। इसकी चर्चा विष्णु-पुराण में भी मिलती है। मिथिला के पारंपरिक पर्व-त्योहारों व कला-संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़े रखने के उद्देश्य से परिषद् द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा, किरण मिश्रा, डॉ मंजु झा, वीणा झा, जयंती पाठक, बीनू चौधरी, आशा झा, इंदिरा झा, प्रीति प्रिया, कमला झा, अलका झा, शिखा चौधरी, उपासना, ममता झा, पिंकी, आशा पाठक, लीला झा, मुन्नी झा, पूनम झा, अपर्णा, बिनीता राय, कंचन सिन्हा आदि ने सामा-चकेवा पर्व के गीत वृंदावन में आगि लागल कियो ने बुझाबै हे..., चुगला लगन बिताक एलै ससुरारी में..., देने जइयौ भईया के आशीष हे मनमोहिनी सामा... सेहो सामा सासुर जाई...आदि गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों से सबको आनंदित किया।

बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल ने सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर माह का उत्पादन रिकॉर्ड बनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

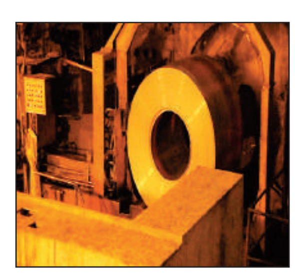

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में विभिन्न विभाग लगातार उत्पादन में नए रिकॉर्ड व नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। इसी कड़ी में, हॉट स्ट्रिप मिल (ल्रट) की टीम ने विगत अक्टूबर माह में उत्पादन का एक ऐतिहासिक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। हॉट स्ट्रिप मिल ने अक्टूबर 2025 में 3,66,436 टन एचआर कॉइल का उत्पादन किया। इससे पहले, अक्टूबर माह का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड वर्ष 2007 में 3,65,236 टन एचआर कॉइल का था। इस प्रकार, हॉट स्ट्रिप मिल की टीम ने सुरक्षा एवं गुणवत्ता के मानकों पर भी धयान देते हुए, अपने 18 वर्ष पुराने प्रीवियस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए, अब तक का अक्टूबर माह का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड बनाकर नई ऊंचाई को छुआ है। इस महत्वपूर्ण सफलता में हॉट स्ट्रिप मिल की पूरी टीम का सामूहिक योगदान रहा। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब टीम ने उत्पादन के साथ-साथ सुरक्षा एवं गुणवत्ता के मानकों पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया। इस नए रिकॉर्ड के स्थापित होने के पश्चात, बोकारो स्टील प्लांट की हॉट स्ट्रिप मिल अब आने वाले समय में नित्य नई ऊँचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। इसके लिए विभाग नियोजित तरीके से कार्य योजना पर कार्य कर रहा है। विभाग की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन ने हॉट स्ट्रिप मिल की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

सम्मेद शिखर की पैदल वंदना कराने वाले 'महा वंदना ग्रुप' के 40 सदस्यों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जैन समाज के द्वारा एक भव्य कार्यक्रम में सम्मेद शिखर की पैदल बंदना कराने वाले महा वंदना ग्रुप के 40 सदस्यों को सम्मानित किया गया समाज के पदाधिकारी के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया एवं सभी को साफा पहनाकर अंग वस्त्र देकर तिलक लगाया गया समाज के मंत्री नरेंद्र झाझंरी ने युवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अद्भुत एवं ऐतिहासिक कार्य था 251 बुजुर्ग महिला पुरुष को झारखंड के सबसे ऊंचे पहाड़ जैन धर्म का सर्वोच्च तीर्थ सम्मेद शिखर पर्वत के 27 किलोमीटर पर्वत की पैदल वंदना कराना एक कठिन कार्य है परंतु समाज के युवाओं ने इसका विड़ा उठाया और एक कठिन कार्य को संपन्न किया युवा ही धर्म संस्कृति को आगे बढ़ा सकते हैं भविष्य की जिम्मेदारी उन्हीं पर है इस मौके पर वार्ड पार्षद पिंकी जैन ने कहा कि बुजुर्ग हमारे माता-पिता के समान हैं वृद्धावस्था में उन्हें तीर्थ की यात्रा कराना सबसे बड़ा पुण्य और धर्म का कार्य है संगठन में बहुत बड़ी शक्ति होती है और यदि युवा धर्म के रथ को खींचे तो हमें यह समझ जाना चाहिए कि हमारा परिवार समाज राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित है। महावंदना ग्रुप के फाउंडर युवा साथी लोकेश जैन पाटोदी, सुमित सेठी, रौनक कासलीवाल ने कहा कि जैन धर्म में कहा गया है की सम्मेद शिखर की एक बार भाव सहित वंदना करने पर मनुष्य को नरक गति नहीं मिलती है पर्वत की वंदना आमजन युवा बच्चे लोग तो कर लेते हैं परंतु सीनियर सिटीजन वृद्ध महिला पुरुष को 27 किलोमीटर पर्वत का दर्शन वंदन बहुत कठिन होता है हम सभी 40 युवाओं का ग्रुप पिछले 10 वर्षों में चौथी बार वृद्ध महिला पुरुषों को सम्मेद शिखर पर्वत की वंदना के लिए लेकर गया है जो की एक बहुत ही पुण्य का कार्य है सभी लोगों के आने जाने की व्यवस्था धर्मशाला में ठहरने खाने-पीने का प्रबंध पर्वत पर पालकी डोली से चढ़ने का प्रबंध बहुत ही अच्छी तरह से महा वंदना ग्रुप के युवा साथी ने किया है समाज के उप मंत्री राज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला भंडारी सुनील जैन सेठी पूर्व अध्यक्ष जय कुमार गंगवाल ललित सेठी सुशील छाबड़ा सुरेश झाझंरी किशोर जैन पांडया प्रदीप छाबड़ा सुरेश जैन पांडया सुरेश सेठी कमल सेठी सुनील छाबड़ा महिला समाज की अध्यक्ष नीलम सेठी मंत्री आशा गंगवाल पंडित अभिषेक शास्त्री ने युवाओं के इस अद्भुत धार्मिक कार्य की सराहना की इस महा वंदना यात्रा में हजारीबाग, रांची, पेटरवार, नवादा, गिरिडीह, पटना, कोलकाता, अड़ंगाबाद, बरहमपुर, दिल्ली, अजमेर, जबलपुर, हैदराबाद, पुना, बंगलौर, मुंबई के श्रद्धालु भक्तजन ने भी हिस्सा लिया कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से राजीव छाबड़ा, आनंद पांड्या, अमित गंगवाल, अमित सेठी, संजय ठोलया, मनीष गंगवाल, प्रशम सेठी, कुणाल ठोलया संजय छाबड़ा, विकास सेठी, राहुल छाबड़ा, अक्षय गंगवाल, योति पहाड़िया, नेहा गंगवाल का सहयोग प्राप्त हुआ।

संक्षिप्त खबरें

भोगनाडीह से आरंभ हुई जस्ट ट्रांजिशन यात्रा, 12 नवंबर को पहुंचेगी उलिहातु

बोकारो : सारथी - झारखंड जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क और राज्य की अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की ओर से आज बुधवार को भोगनाडीह में जस्ट ट्रांजिशन यात्रा की भव्य शुरूआत हुई। यह यात्रा सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झानो जैसे महान जननायकों को नमन करते हुए, झारखंड में हरित और समावेशी विकास की दिशा में सामुदायिक संवाद और समाधान की पहल है। यात्रा की शुरूआत भोगनाडीह के सिद्धू-कान्हु पार्क में सिद्धू-कान्हु, चांद, भैरव, फूलो और झानो की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर सिदो-कान्हु की सातवीं पीढ़ी के वंशज मनोज मुर्मू को झारखंडी गमछा, कैप, बैज और टी-शर्ट पहनाकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व, सभी यात्री अबुआ भागीदारी - अबुआ भविष्य, सिदो-कान्हु अमर रहें, चांद-भैरव अमर रहें जैसे नारे लगाते हुए पदयात्रा करते हुए पार्क पहुंचे। वहां नुक्कड़ नाटक मंडली ने सिद्धू-कान्हु के घर के सामने नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जस्ट ट्रांजिशन यात्राह्व के उद्देश्य से अवगत कराया और आदिवासी समाज की संस्कृति व परंपराओं को दर्शानें वाले गीत प्रस्तुत किए। संवाद संस्था के प्रतिनिधि घनश्याम जी ने कहा, यह यात्रा ऊर्जा के हरित विकल्पों की तलाश और समावेशी प्रतिनिधित्व की समझ को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही है। यह समुदायों के साथ मिलकर जलवायु न्याय और सतत भविष्य की दिशा में संवाद की एक पहल है। यह यात्रा बोकारो सहित साहेबगंज, दुमका, जामताड़ा, धनबाद , गिरिडीह, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, लातेहार, लोहरदगा , खूंटी, रांची ज़िलों का भ्रमण करेगी। इस दौरान बिटिया मुर्मू ने कहा, यह यात्रा सिर्फ समस्याओं को उजागर नहीं करती, बल्कि उनके समाधान और वैकल्पिक रास्तों की तलाश भी करती है। जस्ट ट्रांजिशन यात्रा झारखंड की समृद्ध आदिवासी परंपरा, संघर्ष और सांस्कृतिक धरोहर को नमन करते हुए, हमारे पुरखों के सामुदायिक हक और सतत विकास के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यात्रा में शामिल हुए यात्रियों ने पेड़ों का महत्व दर्शाने के लिए अरुप्पे आदिवासी सांस्कृतिक केंद्र में 50 पौधे भी लगाया गया। बता दें कि यह यात्रा 5 नवंबर को भोगनाडीह से शुरू होकर 13 जिलों से गुजरते हुए 12 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु में संपन्न होगी।

भाजपा जिला कोडरमा में कार्यशाला बैठक संपन्न

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा में प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार आज एक कार्यशाला बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की तथा संचालन जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद ने किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। निर्णय अनुसार, भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रत्येक मंडल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर सांसद सह भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री आदरणीय अन्नपूर्णा देवी जी के नेतृतीव में 13 नवम्बर को सुभाष चौक से गांधी चौक, कोडरमा तक एकता रैली निकाली जाएगी।जिसमें कोडरमा विधायक नीरा यादव जी भी सम्मिलित होंगी। इसके साथ ही वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सभी मंडलों के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज एवं समारोह स्थलों पर सामूहिक वंदे मातरम् गान का आयोजन किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 1 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक पूरे जिले में ह्वआत्मनिर्भर भारत रथ यात्राह्व निकाली जाएगी। इस दौरान कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर आत्मनिर्भर भारत का संदेश देंगे, स्टिकर लगाकर एवं पर्चे वितरित कर जनजागरण करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाएँ। आगामी सभी कार्यक्रम संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। बैठक में पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,देवनारायण मोदी, जूही दास गुप्ता, जिला मंत्री दिनेश सिंह, शशि भूषण प्रसाद, अनीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष मोदी, मण्डल अध्यक्ष सुधीर सेठ, द्वारिका राणा, राजेंद्र सिंह, अजय पांडेय, महेश वर्मा, महिला मोर्चा जिला मंत्री सविता लोहानी, मण्डल महामंत्री मुकेश मण्डल, विक्रम सिंह, उत्तम कुमार, नन्द किशोर सोनी, मुन्ना वर्णवाल ,निरंजन कसेरा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डोमचांच में गुरु नानक जयंती का दिव्य एवं भव्य उत्सव संपन्न

डोमचांच : डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित मंजूला शर्मा मेमोरियल अकादमी, डोमचांच में बुधवार को गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक गरिमा के साथ मनाई गई। पूरा विद्यालय परिसर सतनाम वाहेगुरु की पावन ध्वनि और गुरबाणी के मधुर स्वर से आच्छादित हो उठा। विद्यार्थियों, शिक्षकों और गणमान्य उपस्थितियों ने इस पावन दिवस को पूर्ण समर्पण और आदर के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत गुरबाणी, शब्द-कीर्तन और सामूहिक अर्दास के साथ हुई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई पवित्र भजन-गायन ने पूरे वातावरण को शांत, पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। गुरु नानक देव जी के उपदेश—नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सर्वत दा भला—की गूंज ने सभी के मन में मानवता, समानता और सेवा की भावना जागृत कर दी। विद्यालय के निदेशक रजनीश कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा: गुरु नानक देव जी ने हमें सत्य, सेवा, करुणा और समानता का मार्ग दिखाया है। इन मूल्यों को जीवन में अपनाकर ही हम एक आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं ह्वउन्होंने सभी बच्चों को गुरु नानक जी की शिक्षाओं से प्रेरित होकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। विद्यालय प्रशासक आर. पी. पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा: गुरु नानक देव जी की वाणी मानवता का मर्म है—वह सभी को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देती है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इन पवित्र सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएँ। कार्यक्रम में विद्यालय की कई छात्राओं ने गुरबाणी, भजन, नाट्यरूपांतरण और कविता के माध्यम से मंच पर अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया।

गया-धनबाद रेल मार्ग पर चार साल से पैसेंजर ट्रेन बंद

गरीब यात्रियों पर दोगुना किराया बोझ, स्थानीय लोगों में आक्रोश, रेलवे से बहाली की मांग तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : पूर्व मध्य रेलवे के गया-धनबाद ग्रैंड कोड रेल मार्ग पर पिछले लगभग चार वर्षों से एक भी पैसेंजर ट्रेन का संचालन नहीं हो रहा है। इसकी वजह से झारखंड, बिहार और बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में यात्रा करने वाले गरीब मजदूरों व ग्रामीण यात्रियों को दोगुना आर्थिक बोझ सहना पड़ रहा है। अंग्रेजी काल से चली आ रही आसनसोल-वाराणसी पैसेंजर ट्रेन, जो इस क्षेत्र की 'लाइफलाइन' थी, अब एक्सप्रेस ट्रेन का दर्जा पाकर चल रही है, लेकिन किराया पैसेंजर ट्रेन से दोगुना वसूला जा रहा है। इससे व्यापारी, किसान, छात्र और दैनिक यात्री बेहद

परेशान हैं। इस रूट पर कभी दैनिक रूप से चलने वाली पैसेंजर ट्रेनें ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए वरदान साबित होती थीं। कम किराए में सुदूर गांवों से मजदूर काम की तलाश में आसनसोल या धनबाद पहुंच जाते थे, जबकि छात्र परीक्षा केंद्रों तक आसानी से जा पाते थे। लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान सरकारी आदेश पर सभी ट्रेनें बंद कर दी गईं। महामारी के बाद विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें बहाल हुईं, लेकिन पैसेंजर ट्रेनों की बहाली नहीं हुई। स्थिति सामान्य होने पर आसनसोल-वाराणसी पैसेंजर को एक्सप्रेस का नाम देकर चला दिया गया। ठहराव तो सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर ही होता है, लेकिन किराया एक्सप्रेस का लिया जा रहा है। एक स्थानीय निवासी ने बताया, हम जैसे गरीब मजदूरों के लिए पैसेंजर ट्रेन ही एकमात्र सहारा थी। अब दोगुना किराया देकर भी समय पर पहुंचना मुश्किल हो गया है। अन्य रेल मार्गों पर पैसेंजर ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यहां सौतेला व्यवहार क्यों? इसी रूट पर धनबाद-गया-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस भी चलती है, लेकिन इसका ठहराव रेलवे हॉल्ट स्टेशनों पर नहीं होता, जिससे ग्रामीण यात्री और अधिक परेशान हैं। समस्या यहीं खत्म नहीं होती। इस मार्ग पर मालगाड़ियों की आवाजाही अधिक होने से यात्री ट्रेनें अक्सर विलंबित हो जाती हैं। मालगाड़ी को प्राथमिकता देने के चक्कर में पैसेंजर या एक्सप्रेस ट्रेनों को स्टेशनों पर घंटों खड़ा कर दिया जाता है। इससे यात्रियों का समय बर्बाद होता है और आर्थिक नुकसान भी। हाल ही में धनबाद रेल मंडल में मालगाड़ी बेपटरी होने की घटनाओं से ट्रेनों का संचालन और प्रभावित हुआ है। स्थानीय जागरूक नागरिकों ने कई बार कोडरमा सांसद और डीआरएम धनबाद को पत्र लिखकर वाराणसी-आसनसोल एक्सप्रेस को मूल पैसेंजर ट्रेन के रूप में बहाल करने तथा एक अतिरिक्त लोकल पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग की है।

80 वर्ष का वृद्ध को नहीं मिल रहा पैंशन तीन व्यक्ति के नाम पर भेजा जाता पैंशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल प्रखण्ड के पुनर्वास स्थल चीलगु के विस्थापित 80 वर्षीय निर्मल गोप ने अपने वृद्धा पैंशन का पैसा तीन व्यक्ति के खाते में भेजे जाने से काफी परेशान हैं। निर्मल गोप ने उपायुक्त नितिश कुमार सिंह को आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाई है। उन्होंने अपने आवेदन में कहा है कि 12 वर्षों से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया चांडिल शाखा से वृद्धा वस्था पैंशन मिलता था। वहीं विगत तीन चार वर्षों से बैंक आफ इंडिया नीमडीह शाखा में चांडिल प्रखण्ड के आपरेट द्वारा तीन व्यक्ति के खाते में पैंशन भेजा जाता है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं और सारा पैसा खत्म हो गया है, जिससे अपना इलाज भी कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि उम्र अधिक होने से बार बार बैंक का चक्कर लगाने में भी असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि बैंक जाने पर कहा जाता है कि तीन आदमी नहीं आने पर भूगतान नहीं किया जा सकता है। उन्होंने उपायुक्त से दुसरे तीन व्यक्ति के खाते में भेजा गया पैंशन का रकम दिलाने का गुहार लगाई है।

घाटशिला उपचुनाव : रघुवर दास ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में किया रोड शो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : घाटशिला उपचुनाव में बुधवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के समर्थन में भव्य रोड शो किया। रोड शो जादूगोड़ा स्थित सिदो-कान्हु चौक से नवरंग मार्केट बजार तक एवं माटीगोड़ा बजरंगबली मंदिर से अटल गेट पहुंचकर सम्पन्न हुई। वहीं, उन्होंने राज स्टेट मैदान, घाटशिला से रामकृष्ण मठ तक भी रोड शो निकाला। इस दौरान खुली जीप में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन मौजूद रहे। वहीं, रोड शो में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, विधायक अमित यादव भी

मुख्यरूप से मौजूद रहे। रोड शो में आमजनों का भरपूर समर्थन और उत्साह देखने को मिला। रोड शो में बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता के अलावे आम नागरिक शामिल हुए। इस दौरान सड़क के दोनों ओर खड़े लोग भाजपा के समर्थन में नारे लगा रहे थे। करीब दो घंटे तक चले रोड शो में लोगों की जबरदस्त भीड़ और उत्साह देखने को मिला। इस दौरान पुर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के संग बाजार क्षेत्र के दुकानदारों से मुलाकात की और भाजपा के पक्ष में समर्थन और आशीर्वाद की अपील की। इससे पहले, सिदो-कान्हू चौक पर भाजपा नेताओं ने हुल क्रांति के नायक सिदो-कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रोड शो का शुभारंभ किया। रोड शो के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर करारा प्रहार किया।

कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली पर रजरप्पा में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिके सिद्ध पीठ में आज कार्तिक पूर्णिमा की विशेष तिथि पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। पूजा करने वालों में रामगढ़ जिले के पड़ोसी जिला सहित पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालुओं ने भी आज विशेष तिथि पर दामोदर भैरवी की संगम में स्नान कर पूजा अर्चना किया। गौरतलब है कि आज कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही देव दीपावली भी मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को कार्तिक पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इस बार की कार्तिक पूर्णिमा खास है क्योंकि इस दिन शिववास योग और सर्वसिद्धि योग का संयोग वर्षो बाद बना है। इस विषय पर बात करते हुए रजरप्पा मंदिर न्यास समिति के

प्रधान पुजारी पप्पू पांडा ने बताया कि आज की विशेष तिथि पर भक्तों की भीड़ हजारों की संख्या में पहुंची है लेकिन जिला प्रशासन और मंदिर न्यास समिति के तरफ से काफी अच्छी व्यवस्था की गई है।मौके पर एक श्रद्धालु ने बताया कि आज विशेष स्थिति पर दामोदर और भैरवी के संगम में स्नान करके हम लोग पूजा अर्चना के लिए पहुंचे हैं।एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि आज विशेष तिथि पर हम लोगों ने पूजा अर्चना के लिए लंबी लाइन लगाकर अपने कतार का इंतजार किया है मां सब की रक्षा करें। बोकारो जिले से आई एक दूसरी महिला श्रद्धालु ने बताया कि मैं आज मां के दरबार में पहली बार आई हूं यहां की व्यवस्था काफी अच्छी है और आज विशेष तिथि पर हमने सबों के कल्याण की कामना की है।

20वां चैंपियंस ट्राफी: दीपक ब्रदर्श रांची व अंश क्लब कांके जीता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : 20वां चैंपियंस ट्राफी फुटबाल टुनार्मेंट में बुधवार को दीपक ब्रदर्श रांची व अंश क्लब कांके की टीम विजयी रही। अनगड़ा स्टेडियम लुपुंग में खेले गए पहले मुकाबले में अंश क्लब कांके ने बांधगाड़ी एफसी को पेनाल्टी शूटआउट में 5-4 गोल से हराया। अंश क्लब कांके की ओर से 10 नंबर की जर्सी में खेल रहे रोहित तिग्गा ने शानदार खेल दिखाया। रफ खेल के कारण अंश क्बल के घाना के खिलाड़ी रेमोश, चेतन व रोहित को येलो कार्ड दिखाया गया। रोहित तिग्गा को प्लेयर आफ मैच का पुरस्कार मुख्य अतिथि वेदांत कौस्तव किंकू प्रदेश अध्यक्ष थ्रो बॉल एसोसिएशन झारखंड ने प्रदान किया। दूसरे मैच में दीपक ब्रदर्श रांची ने अमित ब्रदर्श बंडामुंडा को 3-0 से हराया। दीपक ब्रदर्श की ओर से पेनाल्टी पर रंजीत मार्डी व लक्ष्मण लोहार तथा विजय हेम्ब्रम ने गोल दागा। दीपक ब्रदर्श की ओर से खेल रहे आइवरी कोस्ट के खिलाड़ी इजराइल को प्लेयर आफ मैच का पुरस्कार रामकुमार दीपक सचिव अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ रांची ने प्रदान किया। 6 नवंबर को पहला मैच केपीए पेरतोल व हाथुकोदा सत्यारी टोली व दूसरा मैच जशपुरिया बीएड कालेज बीसा व भगत इलेक्ट्रोनिक्स पारेपाट के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर इस अवसर पर अध्यक्ष राजेन्द्र शाही मुंडा, सचिव अनिल कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष रामसाय मुंडा, सुरेश महतो, जयशंकर पाहन, भुवनेश्वर बेदिया, शिवशंकर केसरी, रामपोदो महतो, सौरव कुमार, संजय नायक, शिवदास गोस्वीमी, आतिश महतो, प्रकाश यादव, रंजीत महतो, आशाराम महतो, जीतवाहन महतो, अनुज महतो, प्रवीण महतो आदि उपस्थित थे।

बालू की लुटेरी है सरकार, कमल खिलाओ झारखंड बचाओं : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

घाटशिला : नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने घाटशिला उपचुनाव के दौरान दो पंचायत हेंदलजूड़ी और बनकाटी में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित, कहा बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि छह साल से झारखंड की सत्ता पर काबिज हेमंत सरकार ने प्रदेश को विकास नहीं, लूट दी है। बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री उनके मंत्री, विधायक और अफसर सभी ने मिलकर झारखंड को दोनों हाथों से लूटने का काम किया है। जनता को रोजगार, शिक्षा और विकास से वंचित रखा गया, जबकि सत्ता के गलियारों में सिर्फ भ्रष्टाचार और

कमीशनखोरी का बोलबाला रहा। उन्होंने कहा कि आज हालत यह है कि गांव की नदी-नालों की बालू तक इन लुटेरों ने नहीं छोड़ी। जो अधिकार पहले गांव, ग्रामसभा और पंचायतों के पास थे, उन्हें इस सरकार ने छीनकर अपने पास समेट लिया है। अब बड़े-बड़े ठेकेदारों के हाथों में बालू का कारोबार चला गया है जिससे बालू की कीमत आसमान छू रही है, और आम जनता घर बनाने तक के लिए परेशान है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है झारखंड को लुटेरों से बचाने का, बालू लुटेरों से प्रदेश को आजाद कराने का! घाटशिला की जनता एकजुट होकर कमल फुल छाप को वोट दे और इस लूट की सरकार को उखाड़ फेंके।

सरकार ने झारखंड के युवाओं के सपनों को तोड़ा, भविष्य को अंधेरे में धकेला है: नवीन जायसवाल

हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि हेमंत सरकार युवाओं की सबसे बड़ी धोखेबाज साबित हुई है। चुनाव के वक्त उन्होंने हर साल पाँच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। आज छह साल बीत गए, लेकिन नतीजा क्या है? ना नौकरी, ना बेरोजगारी भत्ता सिर्फ. झूठे वादे और छलावा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार अपने वादे पर खरी उतरती, तो अब तक 30 लाख युवाओं को नौकरी मिलनी चाहिए थी। लेकिन इस सरकार ने तो मुट्ठीभर लोगों को भी नौकरी नहीं दी। झारखंड का युवा आज ठगा हुआ महसूस कर रहा है। नवीन जायसवाल ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता देने का वादा कर युवाओं से मजाक किया गया। आवेदन लेने के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ। हेमंत सरकार ने झारखंड के युवाओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। उन्होंने कहा कि अब झारखंड का युवा जाग चुका है जो सरकार उनके भविष्य से खेलती है, उसे जवाब देगा। घाटशिला की धरती से यह संदेश पूरे राज्य में जाएगा कि अब झूठ नहीं चलेगा, अब झारखंड में सच्चाई और विकास का कमल खिलेगा। इस अवसर पर विधायक नवीन जायसवाल, बड़कुंवार गगराई, बंगाल के विधायक महेश्वर महतो सहित कई उपस्थित थे।

एक नजर

सरिया गुरुद्वारा में शोभायात्रा और लंगर के साथ धूमधाम से मनाया गया

सरिया : गुरु नानक देव जी महाराज का जन्मोत्सव सरिया गुरुद्वारा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सिख समुदाय के लोगों ने भव्य शोभायात्रा निकालकर उत्सव की शुरूआत की, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा में गुरु जी के जीवन और शिक्षाओं को दशार्ती झांकियां तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जो पूरे इलाके में उत्साह का संचार कर गया।मौके पर गुरुद्वारा परिसर में विशाल लंगर का प्रसंग भी आयोजित किया गया, जिसमें सरिया के सिख समुदाय सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। सभी ने मिलकर प्रसाद ग्रहण किया और एकता व भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्ञानी अमरजीत सिंह ने कहा, ?प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज को याद किया गया। वे ज्ञानी, महात्मा तथा अकाल पुरख अथवा ईश्वर के अवतार थे। गुरु जी ने लोगों को संदेश दिया कि ईश्वर सबके अंदर निवास करता है और प्रकृति में भी विद्यमान है। हमें उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से सरदार मनोहर सिंह बग्गा, सोनू गंभीर, सोनू सोनी, विक्की सोनी आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। उत्सव ने समुदाय में धार्मिक सद्भावना को मजबूत किया।

छठ मेले में बड़ा हादसा, झूला टूटने से तीन घायल

धनबाद : झरिया के बोरागढ़ ओपी क्षेत्र स्थित बीएनआर कॉलोनी में छठ पूजा के अवसर पर लगे मेले में मंगलवार की देर रात बड़ा हादसा हो गया। मेला परिसर में लगा तारा माची का झूला अचानक टूट गया, जिससे दो महिलाएं और एक पुरुष नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से झरिया के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया है। वहीं, घटना के बाद मेला स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित लोगों ने झूला संचालक की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही बोरागढ़ ओपी पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने झूला संचालक को हिरासत में ले लिया है और जांच में जुट गई है।

राजेंद्र महतो की पांचवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

बोकारो : स्वर्गीय राजेंद्र महतो की पांचवीं पुण्यतिथि पर बुधवार को उनके पैतृक गांव स्थित राजेंद्र महतो स्मृति भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता स्व. राजेंद्र महतो के ज्येष्ठ पुत्र सह सांसद प्रतिनिधि विक्रम कुमार महतो ने की। इस अवसर पर पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटूल, भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय, युवा मोर्चा अध्यक्ष विनोद महतो, जदयू जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो, आजसू जिला अध्यक्ष सचिन महतो, झारखंड प्रजापति (कुम्हार) महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण प्रजापति एवं बोकारो जिला अध्यक्ष शेखर प्रजापति सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में पूर्व अध्यक्ष सुभाष महतो, हीरालाल महतो, जीवन जगन्नाथ, झारखंड आंदोलनकारी करमचंद गोप, राजदेव माहथा, सत्यनारायण मोदक, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत कुमार, भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष आरती राणा समेत विभिन्न दलों और संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

श्री गुरु नानक देव जी महाराज का 556वां प्रकाश उत्सव धूमधाम से मनाया गया

कुजू : श्री गुरु नानक देव जी महाराज का 556 वां प्रकाश उत्सव कुजू गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। प्रकाश उत्सव मनाने को लेकर पालकी साहिब की सेवा और विशेष दीवान सजाया गया। इस दौरान गुरुद्वारा के सेवक ग्रंथि बाबा दिनेश सिंह के द्वारा कीर्तन पाठ अरदास किया गया। मौके पर उन्होंने कहा की श्री गुरु नानक देव जी ने एकता सत्य और समानता का संदेश पूरे विश्व को दिया उन्होंने आडंबरों, पाखंड और जाति पाति का विरोध किया। लंगर की शुरूआत की और सच्चा सौदा जैसी घटनाओं से जरूरतमंदों की सेवा और प्रेम का मार्ग दिखाया। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल अपनी आध्यात्मिक स्तुतियों के माध्यम से भक्ति मार्ग और ईश्वर स्मरण पर बल दिया। वहीं अरदास के पश्चात साध संगत और श्रद्धालुओं के बीच गुरु के अटूट लंगर का वितरण किया गया। मौके पर गुरुद्वारा प्रधान अरविंदर सिंह बग्गा, सेक्रेटरी गुरमीत सिंह छाबड़ा, मित प्रधान अरविंदर सिंह होरा, मीत सेक्रेटरी दीपक सलूजा, मीत कैशियर गुरमीत सिंह बग्गा, सुरेंद्र सिंह भाटिया, बलजीत सिंह, चरणजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, सुमित सिंह ,बलबीर सिंह, जसमीत सिंह, अमन सिंह, अंगद सिंह, राजवीर सिंह, गुरप्रीत सिंह, संदीप सिंह, छोटू सिंह सुमित सिंह, हरजीत कौर, गुरमीत कौर, रानी कौर, डोली कौर, हरप्रीत कौर, कमलजीत कौर, चरणजीत कौर, जसमीत कौर, शिल्की कौर सहित काफी संख्या में सध संगत मौजूद थे।

कुटाम ग्राम में राधा रमण जी की भव्य झांकी एवं नगर संकीर्तन का आयोजन

सिल्ली : मुरी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्तिवेदान्त विद्याभवन गुरुकुल, कुटाम के तत्वावधान में राधा रमण जी की भव्य झांकी एवं नगर संकीर्तन का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। पूरे ग्राम में भक्तिमय वातावरण छा गया। झांकी में भगवान श्री राधा रमण जी की अलौकिक छवि ने सभी भक्तों का मन मोह लिया संकीर्तन दल ने पूरे ग्राम में हरिनाम संकीर्तन करते हुए प्रभु का स्वागत किया। भगवान के स्वागत हेतु ग्रामवासियों ने पूरे गांव को रंग-बिरंगी रंगोली, दीपों एवं फूलों से सजाया, जिससे सम्पूर्ण ग्राम में आध्यात्मिक उल्लास का माहौल बन गया। इस अवसर पर भक्तिवेदान्त विद्याभवन गुरुकुल के संस्थापक श्रीमान दास गदाधर प्रभु, सुबल प्रभु, स्टोक कृष्ण प्रभु, मंगलगोप प्रभु, ग्राम प्रधान गोवर्धन सिंह मुंडा, भूतनाथ मंडल तथा समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर राजदह धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र डुबकी

सरिया : सरिया के राजदह धाम में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने बराकर नदी में पवित्र स्नान किया और विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की। यह धार्मिक अनुष्ठान सुबह से ही शुरू हो गया था, जिसमें श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई तथा दीपदान किया। स्नान के बाद लोग विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में मत्था टेका।सरिया प्रखंड के अलावा बगोदर, बिरनी, विष्णुगढ़, डुमरी, धनवार, चलकुशा, मरकच्चो तथा आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पैदल व साधनों से धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठानों में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए तपस्वी मौनी बाबा राजदहधाम समिति के कार्यकर्ता सक्रिय रहे।पूजा समिति द्वारा आयोजित 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का समापन भंडारे के साथ हुआ। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पवित्र कार्तिक मास के समापन के इस पूर्णिमा उत्सव में समिति को श्रद्धालुओं का भरपूर सहयोग मिला। अखंड कीर्तन और भंडारे की व्यवस्था में अध्यक्ष सुरेश भारती, सचिव राजकुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष रामेश्वर शर्मा, पूर्व मुखिया धर्मवीर कुमार, राजेंद्र कुशवाहा, संजय कुशवाहा, योगेंद्र पासवान, गोपी वर्मा, अनिल शर्मा, कुमारेश यादव, संजीत वर्मा, महावीर यादव, काशी महतो सहित कई कार्यकर्ता लगे रहे।इस अवसर पर धाम में सुरक्षा व यातायात व्यवस्था भी कड़ी रखी गई, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटे। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, और इस दिन गंगा स्नान व दान-पुण्य का विशेष महत्व माना जाता है।

अवैध बालू लोड ट्रैक्टर के अनियंत्रित होने से चक्के के नीचे गिरा मजदूर, मौत

पलामू : पलामू जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के चुरादोहर बाजार के समीप आम के पेड़ के नीचे मंगलवार रात अवैध बालू लोड ट्रैक्टर के अनियंत्रित होने से ऊपर बैठा एक मजदूर चक्के के नीचे गिरा गया, जिसमें दबकर उसकी मौत हो गई। घटना के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए मजदूर के शव को पास के नाले में फेंक दिया गया। लोड बालू को दूसरी जगह अनलोड करा दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर रात में ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया और ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले गई। मामले को लेकर छानबीन शुरू कर दी है। मृतक मजदूर की पहचान इसी थाना क्षेत्र के कसवाखाड़ के अजय यादव (41) के रूप में हुई है। घटना के बाद से ट्रैक्टर का ड्राइवर अविनाश यादव और मालिक राजदेव यादव फरार हैं। मजदूर के परिजनों ने सरकार और गाड़ी मालिक से मुआवजा की मांग की है। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात करीब नौ बजे मजदूर अजय यादव और चालक अविनाश यादव जिंजोई नदी से ट्रैक्टर से अवैध बालू का उठाव कर लौट रहे थे। चुरादोहर बाजार के समीप आम के पेड़ के नीचे रखी गई। लकड़ी पर चढ़कर ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया जिससे उस पर बैठा मजदूर अजय नीचे गिरते हुए पिछले चक्के के नीचे आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद साक्ष्य छुपाने के लिए मजदूर का शव पास के नाले में फेंक दिया गया। हालांकि घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी मजदूर के परिजन और ग्रामीणों को मिल गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची और डेड बॉडी और ट्रैक्टर को कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया गया है। ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। पूरे मामले में जांच की जा रही है। घटनास्थल नावा जयपुर थाना से 3 किलोमीटर दूर है जबकि मृतक के घर से दो किलोमीटर की दूरी पर है। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय जिंजोई नदी से लंबे समय से बालू का अवैध उठाव किया जा रहा है। मृतक दीपावली के समय हिमाचल के बिलासपुर से मजदूरी करके लौटा था। उसके तीन बच्चे हैं। दो लड़का और एक लड़की है। मौके पर मृतक के चचेरे भाई, साला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद थे। ग्रामीणों ने अवैध बालू उठाव पर रोक लगाने की मांग की है।

बिहार चुनाव: पहले चरण का मतदान नतीजे की रूपरेखा तय कर देगा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटें ही तय कर देंगी कि प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सत्ता में वापसी होगी या विपक्षी गठबंधन सत्ता की सवारी करेगा।अधिकांश धुरंधर नेताओं की किस्मत का फैसला इस चरण में ही होने वाला है। बिहार विधानसभा के मौजूदा चुनाव में भी जतीय टकराव की अंतर्ध्वनि साफ तौर पर सुनी जा सकती है। पहले चरण की 121 सीटों में 26 सीटें ऐसी जहां सवर्ण उम्मीदवारों और पिछड़ी जाति के उम्मीदवारों में सीधा मुकाबला है। 33 सीटों पर जदयू और राजद उम्मीदवारों में सीधी टक्कर है। वहीं, 23 सीटों पर भाजपा और राजद में आमने-सामने की भिड़ंत है। इनमें बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंगल पांडे, नितिन नवीन, कृष्ण कुमार मंटू, रामकृपाल यादव की चुनावी किस्मत दांव पर है। भाजपा के 13 सवर्ण उम्मीदवारों का मुकाबला राजद के कद्दावर नेताओं से होगा, जिनमें ज्यादातर सवर्ण उम्मीदवार हैं। मंगल पांडे का सामना पूर्व स्पीकर अवध बिहारी चौधरी से है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को राजद उम्मीदवार अरुण कुमार टक्कर दे रहे हैं। सबसे चर्चित मुकाबला महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव का माना जा रहा है। उन्हें भी उन्हीं की जाति के उम्मीदवार यानी भाजपा के सतीश कुमार टक्कर दे रहे हैं। कुल मिलाकर पहला चरण बिहार में नई सरकार बनाने का रास्ता बहुत हद तक साफ कर देगा। इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि 21वीं सदी में भी हम जातियों में ऐसे जकड़े हैं, जिनके लिए विकास-रोजगार की बात भी बेमानी है। मौजूदा चुनाव में सभी दलों ने हमेशा की तरह जाति-समुदाय को ध्यान में रख कर ही टिकटों का वितरण किया है। सामाजिक समरसता, विकासन्मुख चेहरा आदि बातें सिर्फ कागजी साबित हुईं। ऊपर से कोई दल ऐसा नहीं जिसने इस बार भी बाहुबलियों को टिकट न दिया हो। सभी दल दबंगों का साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि चुनाव में हिंसक घटनाएं भी हो रही हैं। मोकामा में हुई हत्या ने चुनाव के रक्तरंजित होने के अंदेशे को बल दे दिया है। बाहुबली अनंत सिंह इस मामले में जेल में हैं और चुनाव उम्मीदवार भी हैं। बहरहाल, पहले चरण में भिड़ंत सवर्ण और पिछड़े उम्मीदवारों के बीच होगी। करीब 18 विधानसभा सीटों पर चुनावी लड़ाई सीधे-सीधे सवर्ण बनाम सवर्ण है। 18 सीटों पर एनडीए-महागठबंधन दोनों ने सवर्ण उम्मीदवार मैदान में उतरे हुए हैं। 8 सीटों पर भूमिहार, 4 सीटों पर ब्राह्मण आमने-सामने हैं। दरभंगा की अलीनगर से भाजपा उम्मीदवार लोक गायिका मैथिली ठाकुर को राजद के विनोद मिश्रा टक्कर दे रहे हैं। वहीं, बेनीपुर सीट पर जदयू-कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार ब्राह्मण हैं। जातियों की बहती हवा में सियासी दलों ने जातियों का समीकरण अच्छे से बिठाया है। उम्मीदवारों की जातीय पृष्ठभूमि पर गौर करें तो यादव को यादव से, ब्राह्मण को ब्राह्मण से, राजपूत को राजपूत से, भूमिहार को भूमिहार से, दलित को दलित से लड़ाया जा रहा है। इसलिए बिहार का मौजूदा चुनाव मतदाताओं की समझ पर निर्भर है। मतदाता चाहें तो चुनाव का परिदृश्य बदल सकते हैं। राजनीतिक दलों को जातीय गणित और बाहुबल के समीकरण की बजाय शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, विकास जैसे आम जनता के जरूरी मुद्दों पर वापस लौटने के लिए मजबूर कर सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 7605

★★★✬✩ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7604 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

बिहार की सियासत की पहली परीक्षा, 121 सीटों पर जनता तय करेगी नीतीश और तेजस्वी की किस्मत

अजय कुमार

बिहार में राजनीतिक तापमान अपने चरम पर है। 6 नवंबर को राज्य की सियासत की दिशा तय करने वाला पहला चरण होने जा रहा है, जिसमें 18 जिलों की 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। यह सिर्फ चुनावी प्रक्रिया का पहला पड़ाव नहीं, बल्कि सत्ता की कुर्सी की नींव रखे जाने वाला निर्णायक मोड़ है। 3 करोड़ 75 लाख से अधिक मतदाता 1314 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे। आंकड़ों से लेकर उम्मीदवारों की सूची तक, हर तथ्य इस बात की गवाही दे रहा है कि इस बार की लड़ाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी, रोचक और निर्णायक है। बिहार के पहले चरण में मिथिलांचल, कोसी, मुंगेर डिवीजन और भोजपुर बेल्ट के वे इलाके शामिल हैं जहां राजनीति हमेशा से जातीय समीकरणों और स्थानीय प्रभावशाली चेहरों पर टिकी रही है। इस बार भी स्थिति कुछ अलग नहीं। इन इलाकों में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, तेजस्वी यादव की आरजेडी, भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीधे-सीधे मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। कुल 1314 उम्मीदवारों में से 122 महिलाएं भी मैदान में हैं, जो बिहार की राजनीति में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है।

पहले चरण में मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा है, लेकिन दिलचस्प यह है कि इस बार दोनों गठबंधनों के भीतर भी अंदरूनी जंग जारी है। महागठबंधन की ओर से आरजेडी 72 सीटों पर, कांग्रेस 24 पर और सीपीआई माले 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं सीपीआई और वीआईपी छह-छह सीटों पर, सीपीएम तीन पर और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी दो सीटों पर मैदान में है। एनडीए में जेडीयू 57, भाजपा 48, एलजेपी (रामविलास) 13, आरएलएम 2 और हम (जीतनराम मांझी की पार्टी) एक सीट पर किस्मत आजमा रही है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि जन सुराज पार्टी ने 119 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। यह आंकड़े भले चुनावी गणित की एक झलक भर हों, लेकिन असल कहानी उम्मीदवारों की प्रोफाइल और इलाकाई समीकरणों में छिपी है। पहले चरण में करीब 32 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार, हर तीसरा उम्मीदवार किसी न किसी मुकदमे में आरोपी है। इनमें से 20 प्रतिशत उम्मीदवार गंभीर धाराओं में केस झेल रहे हैं। यही बिहार की सियासत की सच्चाई है, जहां अपराध, प्रभाव और राजनीतिक पूंजी एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं।

पिछले चुनाव के नतीजों पर नजर डालें तो 2020 में इन 121 सीटों पर एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर रही थी। महागठबंधन ने 61 सीटें जीती थीं जबकि एनडीए ने 59 सीटें। उस वक्त चिराग पासवान की एलजेपी अकेले मैदान में थी और सिर्फ एक सीट जीत सकी थी। आरजेडी ने उस चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 सीटें जीती थीं, भाजपा को 32, जेडीयू को 23, कांग्रेस को 8, माले को 7, वीआईपी को 4 और सीपीआई व सीपीएम को दो-दो सीटें मिली थीं। यही कारण है कि इस बार आरजेडी पर अपनी बढ़त बनाए रखने का दबाव है, जबकि जेडीयू और भाजपा के सामने खोया जनाधार वापस लाने की चुनौती।नीतीश कुमार के लिए यह पहला चरण किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं। जेडीयू जिन 57 सीटों पर लड़ रही है, उनमें से 36 पर आरजेडी से, 13 पर कांग्रेस से और सात पर सीपीआई माले से सीधा मुकाबला है। इसके अलावा दो सीटों पर वीआईपी से टक्कर है। यही कारण है कि नीतीश की राजनीति की साख इसी फेज पर टिकी मानी जा रही है। 2020 में जेडीयू के जिन 43 विधायकों ने जीत दर्ज की थी, उनमें से 23 पहले चरण की सीटों से आए थे। अगर इस बार वही सीटें डगमगाईं, तो नीतीश की मुख्यमंत्री कुर्सी भी खतरे में पड़ सकती है। दो दशक से सत्ता की धुरी बने नीतीश के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है।

दूसरी तरफ, तेजस्वी यादव के लिए यह फेज सत्ता की राह का पहला पड़ाव है। पिछली बार उन्होंने भोजपुर और सारण बेल्ट में आरजेडी का परचम फहराया था और इस बार उनका लक्ष्य उन इलाकों में बढ़त बरकरार रखते हुए नई सीटों पर कब्जा करना है। तेजस्वी खुद राघोपुर से चुनाव मैदान में हैं, जो उनकी पारिवारिक परंपरा की सीट रही है। यहां जीत दर्ज करना तो उनके लिए सहज है, लेकिन चुनौती यह है कि सहयोगी दलों कांग्रेस और लेफ्ट के उम्मीदवारों को भी मजबूत प्रदर्शन दिलाया जाए। पिछली बार सहयोगी दलों के कमजोर प्रदर्शन के कारण ही तेजस्वी बहुमत से पीछे रह गए थे। इस बार उनका फोकस पूरे गठबंधन को एकजुट रखकर जीत की राह बनाना है।पहले चरण में नीतीश सरकार के 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। इनमें जेडीयू के 5 और भाजपा के 11 मंत्री शामिल हैं। भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे सीवान से, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तारापुर से, और दूसरे डिप्टी सीएम विजय सिन्हा लखीसराय से चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा पटना के बांकीपुर से नितिन नवीन, दरभंगा के जाले से जीवेश मिश्रा, साहेबगंज से पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह, अमनौर से आईटी मंत्री कृष्ण मंटू और बिहारशरीफ से पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार जैसे बड़े चेहरे भी मैदान में हैं। जेडीयू के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी सरायरंजन से, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार नालंदा से, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी बहादुरपुर से और सूचना मंत्री महेश्वर हजारी कल्याणपुर से मैदान में हैं। इनके लिए यह सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि राजनीतिक भविष्य का निर्णायक मोड़ है।

बिहार की राजनीति का चरित्र हमेशा से गठबंधनों और समीकरणों पर टिका रहा है। लेकिन इस बार माहौल कुछ अलग है। भाजपा अब जेडीयू पर पूरी तरह निर्भर नहीं दिखना चाहती। नीतीश के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की सुगबुगाहट भी है, और भाजपा इसी लहर को अपने पक्ष में भुनाने में लगी है। वहीं जन सुराज पार्टी जैसे नए संगठन भी जनता के बीच पैठ बनाने की कोशिश में हैं। प्रशांत किशोर की यह पार्टी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर सियासी हलचल बढ़ा रही है। हालांकि, इनका असर कितना होगा, यह नतीजे बताएंगे, लेकिन इतना तय है कि वोटों का बिखराव इस बार निर्णायक असर डालेगा। बिहार की जनता हर बार की तरह इस बार भी जातीय समीकरणों और स्थानीय मुद्दों से प्रभावित दिख रही है। बेरोजगारी, शिक्षा, महंगाई और कानून-व्यवस्था चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं, लेकिन विकास और नेतृत्व की तुलना में भावनात्मक समीकरण ज्यादा असर डालते दिख रहे हैं।

दुनिया को दत्तोपंत ठेंगड़ी के भारतीय आर्थिक दृष्टिकोण की जरूरत

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर, 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के आर्वी गाँव में हुआ था। उन्होंने नागपुर के लॉ कॉलेज से एलएलबी और मॉरिस कॉलेज से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। साल 1940 में जब एम.एस. गोलवलकर गुरुजी को संघ का दूसरा सरसंघचालक नियुक्त किया गया, तो उन्होंने संगठन का दायरा बढ़ाने के लिए युवाओं को आरएसएस प्रचारक के रूप में पूर्णकालिक सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस निमंत्रण पर ठेंगड़ी जी साल 1942 में आरएसएस प्रचारक बन गए और 14 अक्टूबर, 2004 को 84 वर्ष की आयु में अपने निधन तक वहीं रहे। उन्हें अधिकारिक पदों की कोई लालसा नहीं थी। इसी कारण, उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा पद्म भूषण पुरस्कार देने का प्रस्ताव ठुकरा दिया। ठेंगड़ी जी को अक्सर "मौन रणनीतिकार" कहा जाता था। वे अति-प्रतिक्रियाशील वक्ता की बजाय एक दूरदर्शी वास्तुकार थे। उनका मानना था कि दीर्घकालिक परिवर्तन के लिए मजबूत संस्थाएँ, अनुशासन और स्पष्ट सोच आवश्यक हैं। नेतृत्व को नियंत्रित करने के बजाय उन्होंने उसे बढ़ावा देने के लिए पृष्ठभूमि में काम किया। जो लोग उन्हें जानते थे, वे उनकी विनम्रता, राष्ट्रवादी विचारों में उनके अटूट विश्वास और दर्शन, अर्थशास्त्र और इतिहास की उनकी समझ को याद करते हैं। उनका कार्य सांस्कृतिक संबंधों और आर्थिक व्यावहारिकता का एक अनूठा मिश्रण प्रदर्शित करता है। वे दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रचारित एकात्म मानवदर्शन के वैश्विक दर्शन और भारत के सभ्यतागत लोकाचार से प्रभावित थे।

वैश्विक आर्थिक मुद्दे बनाम हिंदू आर्थिक व्यवस्था

वैश्वीकरण, जिसने वैश्विक स्तर पर असमानता और मानवाधिकारों के उल्लंघन को बढ़ाया है, पश्चिमी दुनिया द्वारा रचा गया था। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, और गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। दुनिया की अधिकांश संपत्ति 1% लोगों के पास है। दावोस आर्थिक मंच में प्रस्तुत डश्र्झट रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के आठ सबसे अमीर लोगों की संपत्ति दुनिया की आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से, यानी 4 अरब लोगों के बराबर है। इसके अलावा, भूख हर साल 80 लाख लोगों की जान ले लेती है, जबकि इलाज योग्य और इलाज न किए जा सकने वाले, दोनों तरह के रोग भी उतनी ही संख्या में लोगों की जान ले लेते हैं।

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने उन्नत देशों द्वारा छोटे देशों का फायदा उठाने की संभावना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, "कुछ उन्नत देश (विकसित देश या उनके वैचारिक नेता) पारिस्थितिक संतुलन के प्रयासों में सहयोग नहीं करना चाहते, बल्कि विकासशील देशों के आँगन में अपना प्रदूषण फैलाते हैं।" हालाँकि, यह दृष्टिकोण विश्वव्यापी पर्यावरणीय आपदा को बहुत लंबे समय तक नहीं रोक पाएगा और पश्चिमी राष्ट्र भी इससे बच नहीं पाएँगे। विपत्ति अंततः सर्वत्र समृद्धि को नष्ट कर देगी क्योंकि विश्व केवल एक ही है। आर्थिक स्थिति आधार का काम करती है लेकिन विभिन्न अधिरचनात्मक मूल तत्व- वर्ग संघर्षों के राजनीतिक और कानूनी रूप और उनके परिणाम, संविधान और कानूनी रूप- साथ ही प्रतिभागियों के मन में इन वास्तविक संघर्षों की प्रतिक्रियाएँ- राजनीतिक- कानूनी, दार्शनिक सिद्धांत और उनकी धार्मिक मान्यताएँ- सभी ऐतिहासिक संघर्षों के विकास पर प्रभाव डालते हैं और कई मामलों में, उनके स्वरूप को निर्धारित करते हैं।

अपनी पुस्तक ग्लोबल इकोनॉमिक सिस्टमः द हिंदू व्यू में, ठेंगड़ीजी ने तर्क दिया कि "यूरोकेंद्रित इतिहास के वर्तमान संस्करण को, जो अनुपात की भावना से रहित है, त्यागना और ऐतिहासिक जाँच के एक नए चरण, एक नए ढाँचे, नए संदर्भों और मूल्यों के एक नए पैमाने की शुरूआत करना अपरिहार्य है, जो वैश्वीकरण को सुगम बनाएगा।" इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्म की हिंदू अवधारणा एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सर्वोत्तम ढाँचा हो सकती है जो भौतिक संपदा की निरंतर, प्रतिस्पर्धी खोज के बजाय सामाजिक सुख के आदर्श को प्राथमिकता देती है।

शास्त्रों और स्मृतियों जैसे हिंदू धार्मिक ग्रंथों में उल्लिखित नियम ठेंगड़ी की हिंदू आर्थिक व्यवस्था की नींव का काम करते हैं। पश्चिमी आर्थिक विचारधारा द्वारा प्रचारित "मजदूरी-रोजगार" के विपरीत, उन्होंने प्रगति और विकास के हिंदू मॉडल को "स्व-रोजगार" के रूप में अपनी प्रमुख विशेषताओं में से एक बताया। कार्यबल में शामिल होने वाले इतने बड़े लोगों को सरकार द्वारा नियोजित नहीं किया जा सकता। पश्चिमी आर्थिक रणनीति की विशेषता "सर्वहारा वर्ग की निरंतर बढ़ती सेना" के विपरीत, इसका उद्देश्य "निरंतर बढ़ते स्व-रोजगार क्षेत्र" की स्थापना करना है।

हिंदू आर्थिक दर्शन "बिना किसी हेरफेर वाले बाजार के मुक्त प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है जहाँ प्रकृति का दोहन किया जाता है, बलात्कार नहीं" और "समता और समानता की ओर गति होती है।" यह "व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच पूर्ण सामंजस्य" को प्रोत्साहित करता है। हालाँकि, पश्चिमी दृष्टिकोण "व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच निरंतर संघर्ष" और "समाज में लगातार बढ़ती असमानताओं" का परिणाम है।

हमारी परंपराओं के अनुसार, समाज तब सबसे अच्छा काम करता है जब सभी पक्ष एक-दूसरे के प्रति सम्मान और साझा जवाबदेही की भावना के साथ अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। "सह-कार्य" का विचार इसी को दर्शाता है। कर्मचारी आर्थिक प्रक्रिया में उत्पादन के उपकरण नहीं, बल्कि सह-निमार्ता होते हैं। "श्रमिक को सम्मान" और "लोक कल्याण" की प्राचीन भारतीय अवधारणाएँ इस धारणा के अनुरूप हैं कि कर्मचारियों को प्रबंधन और लाभ-बंटवारे में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

आत्मनिर्भरता क्यों जरूरी

स्वदेशी अर्थशास्त्र के संस्थापक ठेंगड़ी जी के अनुसार, स्वदेशी का संबंध केवल उत्पादों और सेवाओं से कहीं अधिक है। इसका संबंध राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता प्राप्त करने, राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखने और समान अंतरराष्ट्रीय सहयोग में संलग्न होने के दृढ़ संकल्प से है। "स्वदेशी देशभक्ति की भावनाओं की व्यावहारिक, बाह्य अभिव्यक्ति है। अलगाववादी सोच राष्ट्रीयता की भावना के समान नहीं है। देशभक्त वैश्वीकरण का विरोध नहीं करते। जब तक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को समान माना जाता है, तब तक राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता का उनका तर्क इसके साथ असंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी का युद्धस्तर पर समाधान किया जाना चाहिए।

उनकी एक रचना, "थर्ड वे", ने "स्वदेशी" अर्थशास्त्र की नींव रखी। पूंजीवाद और साम्यवाद का स्थान लेने का एकमात्र विकल्प धर्म के सिद्धांतों पर आधारित अर्थव्यवस्था और समाज के प्रति हिंदू दृष्टिकोण है। उनके आदर्श समाज और अर्थव्यवस्था में, स्वरोजगार, मुक्त प्रतिस्पर्धा, समानता और व्यक्ति, समुदाय और प्राकृतिक दुनिया के बीच पूर्ण सामंजस्य, सभी फल-फूलेंगे।

प्रत्येक संस्कृति का अपना एक मॉडल होता है। विदेशी निहित स्वार्थों द्वारा थोपा गया या किसी अन्य सांस्कृतिक संदर्भ से आयातित विकास मॉडल हानिकारक हो सकता है। "टुवड्र्स अ हिस्ट्री ऑफ नीड्स" के प्रसिद्ध लेखक इवान इलिसिट हैं। विकास मिथक के साथ उनके मैक्सिकन अनुभव का वर्णन "मेडिकल नेमेसिस", "टूल्स फॉर कॉन्विविएलिटी एंड डी-स्कूलिंग सोसाइटी" में किया गया है। वे ग्रामीण क्षेत्रों और मलिन बस्तियों में रहने वाले गरीबों के जीवन पर विकास के प्रभावों, पारंपरिक कौशल और जीविका के साधनों के क्षरण, सामुदायिक आत्मनिर्भरता, सम्मान और एकजुटता के ह्रास, प्रकृति के विनाश, पारंपरिक परिवेशों से विस्थापन, बेरोजगारी, प्रकृति का विनाश, पारंपरिक आत्मनिर्भर समुदायों से नकदी अर्थव्यवस्था में विस्थापन, सांस्कृतिक जड़हीनता और राजनीतिक भ्रष्टाचार का विश्लेषण करते हैं।

यद्यपि रिलीजन और धर्म एक नहीं हैं, फिर भी दुनिया को धर्म की शक्ति को पहचानना चाहिए, न कि रिलीजन की, जिसे साम्यवादी विश्लेषण में अफीम माना जाता है। ठेंगड़ी जी ने "धर्म" के बौद्धिक आधारों का गहन अध्ययन करके पूंजीवाद और साम्यवाद की अवधारणाओं सें हटकर हिंदू आर्थिक चिंतन को आगे बढ़ाया। इस प्रकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के आह्वान के वास्तविक दार्शनिक महत्व को समझना और इस वैश्विक संकट और इसके नकारात्मक प्रभावों का मुकाबला करना ठेंगड़ी जी के दृष्टिकोण को समझ कर ही संभव हो सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साइबर ठगी के शिकार लोगों में आईटी में अग्रणी शहरों के लोग ज्यादा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि प्रश्न किया जाए कि देश में सूचना प्रोद्यौगिकी में सबसे आगे कौन-सा शहर है तो बिना किसी झिझक एक ही शब्द का उत्तर आयेगा- बेंगलुरु।बेंगलुरू सूचना प्रोद्यौगिकी का बड़ा हब है। उसकी वैश्विक पहचान आईटी हब के रुप में होती है। माना जाना चाहिए कि सूचना प्रोद्यौगिकी या यों कहें कि आईटी में बेंगलुरु वासियों की समझ देश के अन्य प्रदेशों के नागरिकों की तुलना में अधिक ही होगी। बेंगलुरु आईटी हब है तो निश्चित रुप से यहां के निवासियों का साक्षरता स्तर और समझ औरों से अधिक होगी। अब तस्वीर का दूसरा पहलू जो सामने आता है वह यह कि देश में साइबर अपराधों से पीड़ितों की भी सबसे अधिक संख्या बेंगलुरु में ही है। साल दर साल साइबर अपराध से ग्रसित लोगों की संख्या बेंगलुरु में बढ़ती जा रही है। हालांकि दिल्ली, हैदराबाद आदि में भी साइबर अपराध से जुड़े मामलों की बड़ी संख्या है। देश के केवल तीन शहरों बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और हैदराबाद में ही साइबर ठगी के अपराधों का प्रतिशत 65 फीसदी है। यह आंकड़ा केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित इंडियन साइबर क्राइम कार्डिनेशन सेंटर आई4सी की हालिया रिपोर्ट में उभर कर आया है। रिपोर्ट के अनुसार अकेले बेंगलुरु में साइबर ठगी के 26.8 फीसदी मामले हो रहे हैं तो दिल्ली एनसीआर में 18.4 और हैदराबाद में 19.97 प्रतिशत मामले सामने आ रहे हैं।

सरकारी आंकड़ों की बात करें तो साल 2024 में 22845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। इस साल के शुरूआती पांच माह की ही बात की जाए तो भारतीयों ने सात हजार करोड़ रु. से अधिक की राशि साइबर ठगी में गंवा चुके हैं। असल में साल दर साल साइबर ठगी के मामले और ठगी गई राशि में बड़ी बढ़ोतरी हो रही है। यह तब है कि सरकार ने साल 2018 में साइबर ठगी रोकने के लिए आई4सी का गठन किया है। समय-समय पर मोबाइल पर कॉल करते ही साइबर ठगी से बचने का संदेश कॉलर टोन के रुप में होता है तो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर साइबर ठगों द्वारा अपनाये जाने वाले तरीकों से बचने के लिए आगाह किया जाता रहा है। एक और यह कि साइबर ठगी के खतरों से आज का लगभग प्रत्येक व्यक्ति वाकिफ है लेकिन गलती कर ही रहा है। फिशिंग, स्पूकिंग, स्पैम और साइबर स्टाकिंग के साथ ही डिजिटल अरेस्ट का आज मोबाइल एण्ड्रायड रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानकार है।

साइबर ठगी के अधिकांश शिकार पैसे वाले और उसमें भी अधिकांश उच्च पदों से रिटायर्ड अधिकारी होते हैं। उनकी समझ पर किसी तरह का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। यह सब होने के बावजूद चीन, म्यांमार, लाओस, थाईलैंड व ऐसे ही अन्य स्थानों से ठगों द्वारा भारतीयों को पैसे के लालच से जोड़ कर यह अपराध करवा रहे हैं। देखने में यह भी आया है कि साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट चंद मिनटों तक नहीं बल्कि एक-दो दिन या इससे भी अधिक दिनों तक रखकर आसानी से डरा-धमका कर खातों से मोटी धनराशि उगाह ले रहे हैं। इसके शिकार में फंसे लोग इस कदर भ्रमित हो जाते हैं कि लाखों-करोड़ों में राशि देते समय आगे-पीछे की सोचना भूल जाते हैं।

सरकार द्वारा साइबर ठगी के खिलाफ टोल फ्री नंबर जारी करने के साथ अवेयरनेस कार्यक्रम भी लगातार चलाया जा रहा है। आई4सी को सशक्त बनाया जा रहा है। 782 करोड़ रुपए के साइबर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हो रहा है। पर दशकों से हाईवे के किनारों पर दिखाई देने वाला स्लोगन सावधानी हटी-दुर्घटना घटी और सतर्कता ही बचाव है- एक समय भले यातायात सुरक्षा के प्रमुख अवेयरनेस संदेश होते थे पर लगता आज साइबर ठगी से बचने के लिए भी यह संदेश अधिक कारगर दिखाई दे रहे हैं। बार-बार यही कहा जाता है कि अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल की अनदेखी करें। इसी तरह मोबाइल या मेल पर आने वाले अनजाने लिंक पर क्लिक करने से भी बचें। कोई कॉल या वीडियो कॉल पर किसी भी तरह का अफसर बनकर कॉल करे तो उसे तरजीह ना दें। ज्यादातर मामलों में आपको या आपके परिवार के निकटस्थ को अवैध गतिविधियों में लिप्त होने का झूठा भय दिखा कर ठगी की जा रही है। यह अब कोई नई बात नहीं रही। ऐसे में सावधानी बरत कर साइबर ठगी से बच सकते हैं।

डिजिटल अरेस्ट के हालात नहीं बनने दिए जा सकते हैं। जब घर में भी कोई सदस्य या परिचित रुपया-पैसा उधार मांगता है तो हम दस बार सोचते हैं, आनाकानी करते हैं तो फिर ना जाने ऐसा कौन-सा सम्मोहन या भय के हालात हो जाते हैं कि अपनी मेहनत की पूंजी को ठगों के हवाले कर देते हैं। ऐसे में सौ बात की एक बात यह है कि सतर्कता ही एकमात्र बचाव है। हमें सतर्क रहकर ही साइबर ठगों के जाल को नष्ट करना होगा। अन्यथा देश के सर्वाधिक जानकार, विशेषज्ञ और पढ़े-लिखे लोग ही अधिक शिकार हो रहे हैं तो फिर किसे दोष दिया जा सकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

6 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

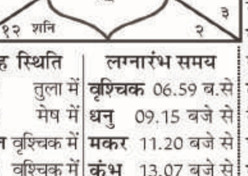

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.59 ब.से
चंद्र	मेष में	धनु	09.15 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.20 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.07 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.39 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.10 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.02 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.18 बजे से
1.30 से 3.00		कन्या	02.30 बजे से
बजे तक		तुला	04.40 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 310 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 14.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 06.34 बजे तदनन्तर कृत्तिका 03.28 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्यतीपात 07.05 बजे तदनन्तर वरीयान 02.41 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 14.55 बजे तदनन्तर तैतिल 00.59 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 59'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872520
जूलियन दिन 2460985.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 14

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

Jagrutidaur.com, Bangalore

कार्तिक पूर्णिमा पर राजमहल गंगा घाट पर उमड़ा जनसैलाब

झारखंड, बिहार और बंगाल से पहुंचे साफाहोड़ आदिवासी, किया गंगा स्नान और दीपदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के एकमात्र साहिबगंज जिला अंतर्गत राजमहल उत्तरवाहिनी गंगा में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने वैदिक मुहूर्त के अनुसार दो दिवसीय गंगा स्नान किया। झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल से आए साफाहोड़ आदिवासी विशेष रूप से गंगा घाट पर पहुंचे। सभी ने अपने-अपने धर्म गुरुओं के साथ गंगा स्नान किया और गंगा पूजन के बाद भीगे वस्त्र में गंगा तट पर अखाड़ा लगाकर मरांग बुरु एवं भगवान श्रीरामचंद्र की पूजा अर्चना की। कार्तिक पूर्णिमा के पर गंगा तट पर लगभग 20 से अधिक छोटे-बड़े अखाड़ा लगाए गए हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर राजमहल उत्तर वाहिनी गंगा घाट पर कुंभ के तर्ज पर आदिवासियों का जत्था पहुंचा। राजमहल सहित संथाल परगना के विभिन्न इलाके से गैर- आदिवासी श्रद्धालुओं ने भी गंगा स्नान किया और गंगा पूजन के बाद दीपदान किया। उत्तर वाहिनी गंगा में पूर्णिमा पर स्नान करने के बाद गंगा पूजन कर आदिवासी एवं गैर आदिवासी श्रद्धालुओं ने दीपदान किया। वैदिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के बाद दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों में उल्लेख है कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के बाद दीपदान से पुण्य की प्राप्ति होती है और पाप से मुक्ति मिलती है। साफाहोड़ आदिवासियों ने कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के बाद इष्ट देवताओं की आराधना की। साथ-साथ नई धान की फसल को सूप में लेकर गंगाजल के साथ अखाड़ा में धर्म गुरुओं की मौजूदगी में पूजा अर्चना की। एक धर्म गुरु ने बताया कि साफाहोड़ आदिवासी सनातन धर्म के साथ-साथ प्रकृति की भी पूजा करते हैं। धान फसल होने पर इष्ट देवताओं को फसल का अंश अर्पित करते हुए पूजा अर्चना की गई है।

गुरुनानक जयंती पर गूंजे गुरु महिमा के गीत, उमड़े सैकड़ों भक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गुरुनानक देव की 556वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को शहर के न्यू रोड स्थित गुरुद्वारा के गुरुनानक दरबार में गुरु महिमा के गीत गूंजते हुए दिखें। जहाँ गुरुद्वारा परिसर में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सुबह से शुरू हुआ जो दोपहर तक जारी रहा। वही गुरुद्वारे के आसपास जिधर देखो, श्रद्धालु ही श्रद्धालु नजर आ रहे थे। वही गुरुनानक देव की जयंती पर गुरुद्वारे में ग्रंथि आनंद सिंह समेत शहर के विभिन्न रागी जत्थों ने गुरु की महिमा का गुणगान किया। उधर दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को गुरुद्वारे के नीचे रास्ते पर आयोजित लंगर स्थल तक ले जाया गया जहां लंगर की पूरी व्यवस्था की गई थी। इस दौरान सेवादार लंगर बांट रहे थे तो श्रद्धालुओं ने कतार में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। वही सेवादारों ने गुरुद्वारे परिसर में लंगर बनाने की व्यवस्था की थी। इस अवसर पर कई अन्य सेवादारों ने भी विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री और लंगर वितरित किया। जहां बुधवार को गुरुद्वारे में दिनभर गुरु महिमा के गीत गूंजेंगे तो वहीं रात में आतिशबाजी कर गुरु नानक देव की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाएगी।

आग लगने से दो घर जलकर हुए रख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्तरी बेगमगंज पंचायत के खुटहरी टोला गांव में बुधवार दोपहर को भीषण आगजनी की घटना में 2 परिवारों के आशियाने पूरी तरह जलकर खाक हो गए। जबकि चार अन्य मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार उत्तरी बेगमगंज पंचायत के खुटहरी टोला निवासी गणेश मंडल और श्रवण मंडल के मकान पूरी तरह से जल गए, जबकि पड़ोसी दीपेन मंडल, उमेश मंडल, सुपौल मंडल और चिंटू मंडल के घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे गणेश मंडल की पत्नी चूल्हे पर खाना बना रही थीं, तभी वह पानी लाने के लिए बगल के चापानल पर चली गईं। इसी दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी पास रखे जलावन के ढेर में जा गिरी, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बगल में बने श्रवण मंडल के घर तक फैल गई। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ ही देर में आसपास के चार अन्य घर भी इसकी चपेट में आ गए। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज व बीडीओ जयंत कुमार तिवारी को दी गई। बताया गया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी राजमहल से विलंब में पहुंची, तब तक स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से आग पर काबू पाया। इस घटना में गणेश मंडल और श्रवण मंडल के घरों में रखे जेवरात, नगदी, अनाज, कपड़े, जमीन के कागजात सहित घरेलू सामान जलकर पूरी तरह राख हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से त्वरित मुआवजा एवं राहत सहायता प्रदान करने की मांग की है।

पश्चिमी सिंहभूम में एक व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत खप्परसाई गांव में मंगलवार की देर रात एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव गांव में ही एक तालाब के पास पड़ा मिला। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक के परिजनों के अनुसार, मंगलवार की रात ताराचंद बालमुचू अपने घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वह वापस नहीं लौटा,तो परिजन रातभर उसकी तलाश में परेशान रहे, लेकिन वह नहीं मिला। बुधवार की सुबह गांव के तालाब के पास उसका शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने तालाब के पास ताराचंद बालमुचू का शव देखा, तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मुफस्सिल थाना प्रभारी विकास कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की बड़ी बहन पिंकी बालमुचू ने बताया कि ताराचंद विवाहित थे। उनकी दो पत्नियां हैं, पहली पत्नी करीब आठ वर्ष पहले उनसे अलग रहने लगी थी, जबकि दूसरी पत्नी के साथ वह वर्तमान में रह रहे थे। पहली पत्नी से उन्हें दो पुत्र हैं, जो उनके साथ ही रहते थे। परिवार में सब कुछ सामान्य चल रहा था और किसी प्रकार का विवाद या झगड़ा नहीं था। पिंकी बालमुचू ने यह भी बताय कि उनके भाई का न तो किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी थी और न ही घर-परिवार में कोई विशेष कलह थी। ऐसे में उनकी आत्महत्या रहस्य बनी हुई है। घटना के पीछे के कारणों का अब तक कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला है। थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

स्कूल वैन और बाइक के जबरदस्त भिंड़त से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र के पंडरिया गांव के समीप बुधवार दोपहर स्कूली वैन और बाइक के जबरदस्त भिंड़त से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हिमालयन अकादमी विद्यालय के स्कूल वैन छुट्टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने पटलोहरा की और जा रहा था। वहीं विपरीत दिशा आ रही बाइक के बीच भिंड़त हो गई, जिसमें बाइक सवार युवक गणेश ठाकुर (23) पिता विमल ठाकुर मंडरो निवासी घायल हो गया, घायल युवक को सीएचसी बोरियो लाया गया, जहां डॉ रोहित कुमार गोंड के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था को देखते हुए सदर अस्पताल साहिबगंज रेफर कर दिया गया, वहीं पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई।

मालदा मंडल ने साहिबगंज व अन्य क्षेत्रों में रेलवे सुरक्षा पर जन-जागरूकता अभियान किया तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : यात्रियों एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में चल रहे रेलवे सुरक्षा जन-जागरूकता अभियानों को और अधिक सशक्त बनाया गया है। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों के आसपास असुरक्षित एवं अवैध गतिविधियों को रोकना तथा जनता को रेलवे ट्रैक के निकट जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के महत्व से अवगत कराना है। अभियान के अंतर्गत रेलवे अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा यात्रियों एवं स्थानीय निवासियों से सीधे संवाद स्थापित किया जा रहा है। इसके लिए ऑडियो-विजुअल घोषणाओं, इंटरएक्टिव सत्रों एवं स्टेशन-स्तरीय जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को समझाया जा रहा है कि – रेलवे ट्रैक पार न करें, अपनी सुरक्षा के लिए सदैव फुट ओवर ब्रिज अथवा सबवे का ही प्रयोग करें। जनता को यह भी बताया जा रहा है कि अनधिकृत स्थानों से रेलवे लाइन पार करना न केवल जानलेवा है, बल्कि रेलवे अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध भी है। रेलवे ट्रैक के समीप रहने वाले बच्चों एवं ग्रामीणों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्हें समझाया जा रहा है कि वे रेलवे लाइन के पास खेलकूद, घूमना या पशु चराना जैसी गतिविधियाँ न करें। साथ ही लोगों को यह भी चेताया जा रहा है कि रेलवे ट्रैक पर या उसके निकट सेल्फी लेने अथवा वीडियो बनाने से परहेज करें, क्योंकि ऐसी प्रवृत्तियाँ पहले भी अनेक जानलेवा हादसों का कारण बन चुकी हैं। अभियान के दौरान लेवल क्रॉसिंग गेट पर सुरक्षित आचरण पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। जनता से अपील की जा रही है कि गेट बंद होने पर ट्रैक पार न करें तथा मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए गेट पार करने से बचें, क्योंकि ऐसी लापरवाहियाँ प्राणघातक साबित हो सकती हैं। ये जागरूकता अभियान मालदा टाउन, जंगीपुर रोड, न्यू फरक्का, बारहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, जमालपुर तथा मंडल के कई दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे हैं। अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुँचाने के लिए पोस्टर, बैनर एवं ऑडियो संदेशों के माध्यम से सुरक्षा संबंधी जानकारी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जा रहा है। सेवा ही संकल्प की भावना के अनुरूप, मालदा मंडल यात्रियों एवं स्थानीय समुदायों के बीच सुरक्षा एवं अनुशासन की संस्कृति विकसित करने हेतु सतत प्रयासरत है। अपने निरंतर एवं जनोन्मुख प्रयासों के माध्यम से मंडल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक यात्रा सुरक्षित, अनुशासित एवं दुर्घटनामुक्त हो।

एक नजर

घर के बाहर से हुई बाइक की चोरी

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत गुनिहारी पंचायत के बेगमपुर गांव से घर के बाहर खड़ी बाइक अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। घटना मंगलवार की देर शाम हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित शहर के नील कोठी निवासी शिव शंकर साहा ने बताया कि मंगलवार की देर शाम लगभग 7 :30 बजे किसी काम से वह बेगमपुरा गया था, वहीं एक घर के बाहर हरे रंग के बाइक रखकर अंदर कुछ काम कर रहा था। काम खत्म करने के बाद लगभग 15 मिनट के बाद वापस जब घर आने के लिए जैसे घर से निकल कर देखा कि जहां बाइक खड़ा किया हुआ था, उस जगह से बाइक नहीं था। पीड़ित व्यक्ति ने थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई एवं बाइक बरामद करने को लेकर गुहार लगाया है। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि आवेदन मिला है मामले की छानबीन की जा रही है।

मासिक अपराध गोष्ठी का हुआ आयोजन

साहिबगंज: राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय कक्ष में बुधवार को मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, वांछित अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सहित कई दिशा-निर्देश दिये गये। गोष्ठी के उपरांत एसडीपीओ ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी थाना प्रभारियों को क्राइम कंट्रोल से संबंधित कई निर्देश दिये गये। बैठक में थाना वार अपराधिक कांडों की समीक्षा की गई। साथ ही कांडों के निष्पादन पर जोर दिया गया। थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनी रहे इसके लिए पुलिस को खास नजर रखने को कहा गया है। साथ ही विधि व्यवस्था का बेहतर ढंग से संधारण, नागरिक सुरक्षा को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये। अवैध लॉटरी के कारोबार पर नकेल कसने को कहा गया। वारंटी की गिरफ्तारी, थाना क्षेत्र में रात्रि गशती, ससमय वाहन चेकिंग आदि का भी आवश्यक निर्देश दिया गया। मौके पर राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर मिंज, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडे, गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार, रीडर रणवीर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

बरहेट में बस हादसाः 10 वर्षीय बालक और टेम्पो चालक घायल

साहिबगंज : बरहरवा जा रही शिव महिमा बस जेएच17एडी 6052 ने बरहेट हाट पाड़ा रोड में पहले तियोटोला गाँव निवासी 10 वर्षीय ओहिद अंसारी पिता अब्दुल अंसारी उसके बाद वहीं कुछ दूरी पर खुटौना गाँव निवासी 40 वर्षीय उदय गोरांई के खड़ी टेम्पो में टक्कर मारी। इस घटना में ओहिद अंसारी को सिर में चोट पहुंची है। इधर खड़ी टेम्पो में टक्कर मारने से टेम्पो चालक उदय गोरांई घायल हो गया। दोनों का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में किया गया तथा बेहतर उपचार के लिए दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बस को बरामद कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ में तयएमआरपी से ज्यादा कीमत पर शराब बेचना पड़ेगा भारी

पाकुड़ : ज़िले में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड सरकार द्वारा झारखंड उत्पाद (मदिरा की बिक्री हेतु खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन) नियमावली 2025 को अधिसूचित किया गया है, जो 01 सितम्बर 2025 से प्रभावी हो गई है। नई नियमावली के तहत भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, देशी मदिरा तथा भारत में आयातित विदेशी मदिरा के ब्रांडों के खुदरा बिक्री मूल्य में संशोधन किया गया है। यह संशोधित मूल्य राज्य भर में लागू हैं। उत्पाद अधीक्षक द्वारा बताया गया कि विभिन्न ब्रांडों के अद्यतन खुदरा मूल्य की जानकारी विभाग की वेबसाइट —https://excise.jharkhand.gov.in/Excise https://excise.jharkhand.gov.in/jsbcl पर उपलब्ध है। साथ ही सभी खुदरा उत्पाद दुकानों के परिसर में भी इन दरों की सूचना जनसाधारण के अवलोकन हेतु प्रदर्शित की गई है। उत्पाद अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि कुछ ब्रांड जैसे Bad Monkey Beer, Hunter Beer, Kingfisher Max, Ultra Max Beer, 8 PM Whisky, Old Monk Rum आदि के पुराने प्रिंट की बोतलें दुकानों पर उपलब्ध हैं, परंतु इनकी बिक्री 01 सितम्बर 2025 से निर्धारित नए खुदरा मूल्य पर ही की जा रही है। साथ ही उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से प्राप्त शिकायतों में दी गई जानकारी भ्रामक एवं गलत है। स्पष्ट किया गया है कि 01 सितम्बर 2025 से पूरे राज्य में सभी उत्पाद दुकानों पर मदिरा की बिक्री केवल संशोधित एमआरपी के अनुसार ही की जा रही है। यदि किसी उपभोक्ता को दरों से संबंधित कोई भी शिकायत या अनियमितता की जानकारी प्राप्त होती है, तो वे सीधे उत्पाद अधीक्षक, पाकुड़ से संपर्क कर सकते हैं- 9934235753 शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जाएगी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखंड द्वारा इस संबंध में पूर्व में 30 अगस्त 2025 को भी प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है, ताकि आमजन एवं उपभोक्ताओं को पारदर्शी और प्रमाणिक सूचना उपलब्ध हो सके।

तीन दिवसीय विराट युवा चेतना शिविर हेतु भूमि पूजन संपन्न

साहिबगंज: अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में आगामी 21 नवंबर से 23 नवंबर, 2025 तक रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट, साहिबगंज में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विराट युवा चेतना शिविर की तैयारियों की शुरूआत शुभ कार्य से हुई। आज कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मुख्य कार्यक्रम स्थल रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट मैदान में विधिवत भूमि पूजन का आयोजन किया गया। मौके पर मौजूद शिविर संयोजक हरिहर प्रसाद मंडल ने बताया कि इस शिविर में झारखंड प्रांत के विभिन्न जिलों से करीब डेढ़ हजार युवा प्रतिभागी भाग लेने की तैयारी चल रही है। यह कार्यक्रम युवाओं में नैतिक जागरण, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति चेतना जागृत करने हेतु विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस विराट युवा महोत्सव के मुख्य वक्ता परम आदरणीय डॉ. चिन्मय पंड्या, प्रति कुलपति, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज हरिद्वार रहेंगे जिनके द्वारा प्रेरक उद्बोधन से हजारों युवाओं को जीवनोन्मुखी संदेश प्राप्त होगा। आज भूमि पूजन की शुरूआत पूजा कुमारी एवं निभा देवी द्वारा युग संगीत से किया गया। पुरोहित श्याम नंदन सिंह ने वैदिक रीति से भूमि पूजन कराया गया। मुख्य यजमान के रूप में कल्याण श्रीवास्तव तथा सत्यदेव प्रसाद सिंह सपत्नीक उपस्थित थे। पांच वरिष्ठ परिजनों के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण किया गया। मौके पर विश्वजीत केसरी, संजीत चौधरी, हरिहर मण्डल, कमलकांत मंडल, राजकिशोर राय, सितभी यादव आदि, व अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति द्वारा सभी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

साहिबगंज: सूर्य उपासना के महीने कार्तिक मास के अंतिम स्नान पर्व कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को गंगा नगरी में मुक्तेश्वर धाम बिजली घाट के साथ ही अन्य गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा स्नान करने के लिए उमड़ पड़ी। जहां आस्था की एक डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा हुआ है। वही दूर दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा नदी की धारा में डुबकी लगाने के बाद सूर्य को अर्ध्य देते हुए नजर आए। वही भगवान कार्तिकेय की पूजा अर्चना कर साल भर अपने परिवार के निरोग रहने की कामना करते श्रद्धालु दिखें। जहां सूरज की पहली किरण निकलने से पहले ही हजारों श्रद्धालु गंगा नदी के किनारे इकट्ठे हो गए थे। उधर जिले के कई गंगा घाटों पर तो पैर रखने की भी जगह नहीं बची थी। उधर ग्रह नक्षत्रों के दुर्लभ संयोग की वजह से इस बार कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का विशेष महत्व है। वहीं दूसरी ओर कार्तिक पूर्णिमा के स्नान पर्व का विशेष महत्व भी है। जहां ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास के आखिरी स्नान पर्व कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा जैसी पवित्र नदियों में स्नान मात्र से ही सभी मनोकामनायें पूर्ण होती हैं और पापों से भी मुक्ति मिलती है। इस मौके पर गंगा जैसी नदियों में श्रद्धालु दीपदान भी करते हैं और कार्तिक पूर्णिमा पर ही देव दीवाली का भी पर्व मनाया जाता है। जहां कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालु स्नान और पूजा अर्चना के साथ ही दान पुण्य भी करते देखें गए। मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के ही दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का जन्म हुआ था, जबकि सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु ने आज ही के दिन मत्स्यावतार रूप धारण किया था। इस कारण कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान और पूजा अर्चना करने वाले को अक्षय पुण्य और स्वस्थ जीवन की प्राप्ति होती है। इस वजह से गंगा घाट पर स्नान करने वालो की भारी भीड़ उमड़ी हुई देखी गई।

क्रिस कैपिटल ने जुटाए 2.2 अरब डॉलर, यह अब तक का सबसे बड़ा भारत-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फंड

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी देसी प्राइवेट इक्विटी फर्म क्रिस कैपिटल ने अपने दसवें फंड 'क्रिसकैपिटल एक्स' को 2.2 अरब डॉलर के साथ पूरा किया है। यह अब तक का सबसे बड़ा भारत-केंद्रित प्राइवेट इक्विटी फंड है। यह रकम पिछले 1.35 अरब डॉलर के फंड से काफी ज्यादा है। इससे दुनिया भर में धन जुटाने के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद भारत की दीर्घावधि विकास की राह में बढ़ती वैश्विक और घरेलू दिलचस्पी का पता चलता है। यह फंड अपनी पहली क्लोजिंग के छह महीने के अंदर ही संपन्न हो गया। उसने वैश्विक और पहली बार भारतीय निवेशकों के विविध आधार को आकर्षित किया। करीब 85 फीसदी प्रतिबद्धताएं पेंशन फंडों, बीमा कंपनियों और सॉवरिन फंडों सहित अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से मिलीं। भारतीय संस्थागत निवेशकों और बड़े फैमिली ऑफिसों का योगदान करीब 15 फीसदी रहा। क्रिसकैपिटल में पार्टनर ने कहा कि यह पहली बार है जब फंड ने घरेलू निवेशकों से पूंजी जुटाई है। भारत में संपत्ति बढ़ रही है और संगठित फैमिली ऑफिसों की संख्या में बढ़ोती हुई है। कई बड़े परिवार अपने परिचालन व्यवसायों से बाहर निकलकर वैकल्पिक प्लेटफॉर्मों पर निवेश की सोच रहे हैं। ऐसा लगता है इस पूंजी का लाभ उठाने का यह सही समय है।' उन्होंने बताया कि कंपनी ने करीब 50 घरेलू निवेशकों से 30 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि यह पूल तेजी से बढ़ रहा है। हमें लंबी अवधि के निजी इक्विटी निवेश के लिए मजबूत दिलचस्पी दिख रही है। कंपनी अगले तीन से चार सालों में फंड एक्स का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। इस तरह वह उद्यम प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, फार्मास्युटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा, उपभोक्ता और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्थापित, उच्च-वृद्धि वाले व्यवसायों को समर्थन देने की रणनीति जारी रखेगी। क्रिसकैपिटल ने अब तक 110 से ज्यादा निवेश किए हैं और उनमें से 80 से ज्यादा से वह बाहर निकल चुकी है। इनमें मैनकाइंड फार्मा, एनएसई, इन्फोगेन, केआईएमएस हॉस्पिटल्स और सेंटर-फॉर-साइट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इस फंड ने अपनी स्थापना के बाद से भारत में 5.5 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है और सभी में निकलने पर 3 गुना रिटर्न मिला। आहूजा ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमने पांच सालों में 3 गुना रिटर्न का लक्ष्य रखा है और फंड के पूरे जीवनकाल में हमारा प्रदर्शन लगातार 25 फीसदी से ज्यादा रहा है।

भारत के गांव बने सबसे बड़े बाजार

छोटे शहरों और कसबों मे बढी मांग, महानगर खर्च में पिछड़े

मुंबई भारत के ग्रामीण क्षेत्र और कसबों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 2012 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों के खर्चे में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिल रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र मे खर्च का अंतर धीरे-धीरे कम होता चला जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक खर्च बढ़कर 4122 हो गया है। 2012 में यह 1429 रूपये था। ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों में मांग बढ़ती चली जा रही है। 2012 से 2024 के 12 वर्ष में 9.2 फ़ीसदी की औसत दर से मांग बढ़ रही है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे खर्च का अंतर लगातार कम होता जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग भी अपने खर्च को बढ़ा रहे हैं। भारत में सालाना 57.5 लाख करोड रुपए बचता है। अर्थ विशेषज्ञों के अनुसार 2035 तक यह राशि बढ़कर 142 लाख करोड़ पर पहुंच जाएगी। छोटे शहरों में दो पहिया वाहन, डिजिटल डिवाइस इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल फोन पर सबसे ज्यादा खर्च हो रहा है। ग्रामीण परिवारों के खर्चे में भोजन का हिस्सा घटता चला जा रहा है। पहले यह 60 फीसदी था। अब यह घटकर 47 फ़ीसदी रह गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट, कपड़े और अन्य उत्पाद में ज्यादा खर्च किया जा रहा है। भारत में बड़ी तेजी के साथ बाजारबाद की इस दौड़ में छोटे शहर और गांव में अब महानगरों को पीछे छोड़ रहे हैं। महानगरों की तरह खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है।

भारत में आईएचसीएल के होटल्स का प्रदर्शन कमजोर, रूम रेवेन्यू में आई गिरावट

नुवामा ने दी आईएचसीएल का शेयर बेचने की सलाह

नई दिल्ली

ताज होटल्स चलाने वाली इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी की कमाई और मुनाफा थोड़ा बढ़ा है, लेकिन यह बाजार की उम्मीद से कम रहा। इस वजह से नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा है कि आईएचसीएल का शेयर बेच देना चाहिए। नुवामा ने बताया कि अगले 12 माह में इस शेयर का भाव करीब 636 रुपए तक जा सकता है, जबकि अभी यह करीब 743 रुपए पर है यानी आगे चलकर शेयर में गिरावट आ सकती है।

आईएचसीएल की कुल आय 12फीसदी बढ़कर 2,041 करोड़ हो गई। कंपनी का ऑपरेटिंग मुनाफा 14फीसदी और शुद्ध लाभ 15फीसदी बढ़ा है। हालांकि, होटल कारोबार में बढ़त सिर्फ 7फीसदी रही। कंपनी ने बताया कि भारी बारिश, फ्लाइट की दिक्कतें, विदेशों में तनावपूर्ण हालात और कुछ बड़े होटलों में मरम्मत का काम चलने के कारण कारोबार पर असर पड़ा। इनमें ताज पैलेस दिल्ली, प्रेसिडेंट मुंबई और फोर्ट अगुआडा गोवा जैसे होटल शामिल हैं।

कंपनी की प्रति कमरे से होने वाली आमदनी में भी हल्की गिरावट आई क्योंकि कमरों के किराए घटे गए हैं। यह पिछले तीन सालों में सबसे धीमी वृद्धि है। भारत में आईएचसीएल के ज्यादातर होटल्स का प्रदर्शन कमजोर रहा है। कंपनी के रूम रेवेन्यू में 1फीसदी की गिरावट आई, जबकि फूड एंड बेवरेज से आमदनी में करीब 2फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कंपनी का ताजसेजस, जो उसका कैटरिंग बिजनेस है, बेहतर प्रदर्शन करता रहा।

बैंक क्रेडिट ग्रोथ डिपॉजिट ग्रोथ को पीछे छोड़कर आगे निकली, जारी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली त्यौहारी सीजन में डिमांड, जीएसटी रेट कट और मजबूत रिटेल और एमएसएमई गतिविधियों के जैसे कारकों के चलते 2025 मध्य अक्टूबर तक बैंक क्रेडिट ग्रोथ डिपॉजिट ग्रोथ को पीछे छोड़कर आगे निकल गई। यह जानकारी मंगलवार को आई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, 17 अक्टूबर तक कुल क्रेडिट ऑफ टेक सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 192.1 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसके अलावा, त्यौहारी सीजन के दौरान मजबूत व्हीकल फाइनेंसिंग के साथ समग्र क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा मिलने की उम्मीद की जा रही है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि यह वृद्धि बढ़ते बॉन्ड यील्ड की वजह से कॉरपोरेट के दिलचस्पी के कारण दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, एग्रीगेट डिपॉजिट सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बढ़कर 238.8 लाख करोड़ पहुंच गई। यह 1 प्रतिशत की क्रमिक गिरावट को दिखाती है। रेटिंग्स एजेंसी के अनुसार, क्रेडिट-टू-डिपॉजिट रेश्यो वर्तमान 15 दिनों में 80 प्रतिशत मार्क को पार करते हुए 80.4 प्रतिशत हो गया।

पेटीएम का ऑपरेटिंग रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली लीडिंग पेमेंट्स और वित्तीय सेवा प्रोवाइडर पेटीएम ने 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही (द्वितीय तिमाही वित्त वर्ष 2026) के वित्तीय नतीजों की घोषणा की, जिसमें सभी प्रॉफिटेबिलिटी मेट्रिक्स में लगातार सुधार दिखाई दिया। कंपनी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 24 फीसदी बढ़कर 2,061 करोड़ हो गया। इसकी वजह सब्सक्रिप्शन मर्चेंट्स में बढ़ोतरी, ज्यादा पेमेंट्स जीएमवी और वित्तीय सर्विस के डिस्ट्रीब्यूशन में ग्रोथ है। ईबीआईटीडीए 7 फीसदी मार्जिन के साथ बढ़कर 142 करोड़ हो गया, यह एआई-लेड ऑपरेटिंग लेवरेज, कॉस्ट पर लगातार डिसिप्लिन और त्यौहारी सीजन की शुरुआती की तेजी को दिखाता है। पेटीएम ने 21 करोड़ का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) बताया है, जिसमें शेयरहोल्डर लोन के पूरे इम्पेयरमेंट के लिए 190 करोड़ रुपए का वन-टाइम चार्ज शामिल है। इसके अलावा, पीएटी बढ़कर 211 करोड़ रुपए हो गया, जो चुनौतीपूर्ण मैक्रो वातावरण में कंपनी की अंतर्निहित ताकत और कुशल निष्पादन को दर्शाता है। पेटीएम के कैश बैलेंस के मुताबिक यह 13,068 करोड़ था, जिससे मर्चेंट एक्सपेंशन, वित्तीय सर्विस डिस्ट्रीब्यूशन और एआई-ड्रिवन इनोवेशन में निवेश करने के लिए काफी कैपिटल फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है। दूसरे ऑपरेटिंग इनकम को मिलाकर रेवेन्यू सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1,223 करोड़ रुपए हो गया, क्योंकि कंपनी ने भारत के एमएसएमई और एंटरप्राइजेज में अपनी लीडरशिप को और मजबूत किया है। ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 5.67 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि मर्चेंट सब्सक्रिप्शन 1.37 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 25 लाख अधिक है। इससे पेटीएम की ओम्नी-चैनल मर्चेंट पेमेंट्स में अग्रणी स्थिति मजबूत हुई है।

अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के बाद अब आईबीएम ने की छंटनी की घोषणा

टेक कंपनी अपने संसाधनों को नए बिजनेस क्षेत्रों में लगाने की बना रही योजना

नई दिल्ली

दुनिया भर की टेक इंडस्ट्री इस समय भारी उथल-पुथल से गुजर रही है। छंटनी की खबरें अब रोजमर्रा का हिस्सा बन गई हैं। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के बाद अब आईबीएम ने भी छंटनी की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हजारों कर्मचारियों की छंटनी में की आशंका है। कंपनी का कहना है कि यह कदम उसके बिजनेस मॉडल को सॉफ्टवेयर और सर्विस सेक्टर पर केंद्रित करने के लिए उठाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईबीएम इसी तिमाही से छंटनी करेगी। कंपनी अपने संसाधनों को नए बिजनेस क्षेत्रों में लगाने की योजना बना रही है ताकि बदलते तकनीकी माहौल में प्रतिस्पर्धा बनाए रखी जा सके। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि आईबीएम अपने वर्कफोर्स की नियमित समीक्षा करती है और जरूरत पड़ने पर पुनर्गठन करती है। प्रवक्ता ने कहा कि हम चौथी तिमाही में एक ऐसा कदम उठा रहे हैं जो हमारे वैश्विक कर्मचारियों के एक छोटे हिस्से को प्रभावित करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक आईबीएम के क्लाउड सॉफ्टवेयर सेगमेंट में पिछले माह ग्रोथ की गति धीमी रही है। यह वही सेगमेंट है जो कंपनी की भविष्य की रणनीति का केंद्र है। शेयर बाजार में भी इसका असर दिखा और आईबीएम के शेयर जो इस साल 35फीसदी तक बढ़ चुके थे, मंगलवार को करीब 2फीसदी गिर गए। इस छंटनी से अमेरिका के कुछ कर्मचारियों पर असर पड़ेगा, हालांकि कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में कुल रोजगार संख्या करीब समान बनी रहेगी।

2024 के आखिर तक आईबीएम में करीब 2.7 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। अब इनमें से हजारों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। आईबीएम का यह कदम उस वैश्विक ट्रेंड का हिस्सा है जिसमें बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन की दिशा में बढ़ते हुए अपने कार्यबल में कटौती कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में अब तक 218 टेक कंपनियां 1,12,000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल चुकी हैं। हाल ही में अमेजन ने भी अपने कॉर्पोरेट वर्कफोर्स से 14,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि टेक सेक्टर में छंटनी की यह लहर अभी थमने वाली नहीं है।

एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण में आई गिरावट

वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में

नई दिल्ली

वैश्विक सेमीकंडक्टर शेयरों में भारी बिकवाली की वजह से अमेरिका के वॉल स्ट्रीट और एशिया भर में करीब 500 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण की गिरावट आई। विशेषज्ञों का कहना है कि ये हालात हाई वैल्युएशन से जुड़ी चिंताओं की वजह से हैं। वैश्विक स्तर के ज्यादातर देश में निवेशक बिकवाली मोड में नजर आए। इसमें दक्षिण कोरिया का शेयर मार्केट भी शामिल है। वैसे तो दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क इंडेक्स कोस्पी, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सभी प्रमुख सूचकांकों में अब तक का सबसे बड़ा गेनर रहा है लेकिन बुधवार को यह 6फीसदी से ज्यादा टूट गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की दो दिग्गज चिप कंपनियों सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स ने इस गिरावट में अहम भूमिका निभाई। बता दें 2025 की शुरुआत से अब तक सैमसंग के शेयरों में करीब 80फीसदी और एसके हाइनिक्स में 200फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इसी तरह जापान में एडवांटेस्ट कॉर्प में 10फीसदी से ज्यादा की

गिरावट दर्ज की गई। इस वजह से निक्केई 225 सूचकांक के प्रदर्शन पर असर पड़ा। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी में भी 3फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इन शेयरों में बिकवाली के दबाव और मंगलवार को फिलाडेल्फिया सेमीकंडक्टर इंडेक्स में हुई गिरावट ने संयुक्त बाजार पूंजीकरण का आधा ट्रिलियन डॉलर का सफाया कर दिया।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम शून्य...........लेकिन बीमा ग्राहकों को नहीं मिल रहा लाभ

मुंबई जीएसटी काउंसिल ने सितंबर में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत के जीएसटी को शून्य किया था, लेकिन ग्राहकों को उसका कोई लाभ नहीं मिला। अधिकांश बीमा कंपनियों ने कुल प्रीमियम बीते वर्ष के मुकाबले ज्यादा कर दिया। यह बढ़ोतरी 10 से लेकर करीब 37 प्रतिशत तक हुई है। वाहन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में बीते वर्ष के मुकाबले करीब 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी के पीछे कंपनी ने चिकित्सा महंगाई, बाजार की प्रवृत्तियां, दावों और सेवाओं की लागत में वृद्धि को बताया। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम में बढ़ोतरी इरडा के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। अधिकांश कंपनियां पॉलिसी में नए राइडर (सुविधाएं एवं कवरेज) जोड़कर प्रीमियम बढ़ा रही हैं। राइडर जोड़ने से पहले पॉलिसीधारक से कोई स्वीकृति नहीं ली जा रही है। कई कंपनियों द्वारा पॉलिसी में पहले से शामिल कवरेज को नया बताकर उसका प्रीमियम भी जोड़ा जा रहा है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने बीते वर्ष एक पॉलिसी साढ़े सात लाख रुपये के बीमा कवरेज के साथ 16,731 रुपये में बेची थी, जिसमें 2552.22 रुपये का जीएसटी था।

वैश्विक बाजारों में गिरावट से 10 टॉप अरबपतियों को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में मंगलवार को आई गिरावट का असर टॉप-10 अरबपतियों की संपत्ति पर पड़ा। एलन मस्क की संपत्ति को सबसे बड़ा झटका लगा, जो एक दिन में 17.5 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 460 अरब डॉलर पर सिमट गई।

मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर मंगलवार को 5 फीसदी से ज्यादा नीचे लुढ़क गए। लैरी एलिसन, जेफ बेजोस, लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन जैसे सैन फ्रांसिस्को के बड़े नामों ने भी अरबों डॉलर गंवाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लैरी एलिसन की संपत्ति में मंगलवार को 11 अरब डॉलर की गिरावट आई। दुनिया के दूसरे सबसे रईस इस शख्स के पास अब 308 अरब डॉलर की संपत्ति बची है। जेफ बेजोस की संपत्ति 4.11 अरब डॉलर घटकर 270 अरब डॉलर पर आ गई। लैरी पेज भी 4.85 अरब डॉलर गंवा दिए। इनका नेटवर्थ 241 अरब डॉलर रहा। सर्गेई ब्रिन ने भी 4.49 अरब डॉलर गंवाए। इनके पास अब 225 अरब डॉलर का नेटवर्थ बचा है। मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में 3.56 अरब डॉलर की कमी आई। जुकरबर्ग के नेटवर्थ में आई इस गिरावट की वजह मेटा के शेयरों में गिरावट आई। मेटा के शेयर मंगलवार को 1.63 फीसद टूटे। वहीं, एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग को 6.98 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

फ्रांस के लग्जरी ब्रांड के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट भी इस गिरावट से नहीं बच सके। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार में आई अस्थिरता और तकनीकी उद्योग के कुछ सेक्टर्स में दबाव के कारण यह संपत्ति में कमी आई। फिर भी इन अरबपतियों की सालाना बढ़ोतरी में अभी भी मजबूती बनी हुई है, जो यह दर्शाती है कि लंबी अवधि में टेक्नोलॉजी सेक्टर की पकड़ मजबूत है। निवेशकों के लिए यह एक चेतावनी के साथ-साथ अवसर भी लेकर आया है।

नुवामा ने दी एसबीआई शेयर खरीदने की सलाह, टारगेट भाव 1,150 रुपए रखा

▸▸ एसबीआई के पास करीब 7 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की मजबूत लिस्ट

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने सितंबर तिमाही में बहुत अच्छे नतीजे दिखाए। बैंक की कमाई और मुनाफा दोनों ही उम्मीद से ज्यादा रहे। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा है कि बड़े बैंकों में एसबीआई का प्रदर्शन शानदार रहा। बैंक की ब्याज से होने वाली आमदनी, चालू और बचत खाते और फीस से कमाई यह तीनों में अच्छी बढ़त हुई। एसबीआई का शुद्ध मुनाफा पिछले साल से 10फीसदी ज्यादा और पिछली तिमाही से 5फीसदी ज्यादा रहा। नुवामा ने एसबीआई के शेयर को खरीदने की सलाह दी है और इसका टारगेट भाव 1,150 रुपए रखा है। अभी एसबीआई का शेयर करीब 957 रुपए पर है यानी आगे चलकर इसमें करीब 20फीसदी की बढ़त हो सकती है।

एसबीआई की ब्याज से होने वाली कमाई यानी नेट इंटरेस्ट मार्जिन बढ़कर 2.97 फीसदी हो गया, जो बाजार की उम्मीद से बेहतर है। बैंक का कोर भी थोड़ा बढ़ा। इसमें 5 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई। बैंक के लोन यानी दिए गए कर्ज में भी अच्छी बढ़त हुई। यह तिमाही के हिसाब से 4फीसदी और सालभर में 13फीसदी बढ़े। इसके साथ ही, बैंक की फीस से होने वाली कमाई में भी इजाफा हुआ। यह तिमाही में 12फीसदी और सालाना 25फीसदी बढ़ी। सबसे खास बात यह रही कि बैंक के चालू खातों में 18फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई, जो बाकी बैंकों के मुकाबले सबसे ज्यादा थी। एसबीआई के कॉरपोरेट लोन यानी कंपनियों को दिए गए कर्ज में 7फीसदी सालाना और 3फीसदी तिमाही की बढ़ोतरी हुई है। बैंक के चेयरमैन ने बताया कि एसबीआई के पास करीब 7 लाख करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की मजबूत लिस्ट है, जिसमें से करीब आधे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिल चुकी है। रिटेल लोन यानी आम ग्राहकों को दिए गए कर्ज में भी अच्छी बढ़त रही। हाउसिंग लोन में 4फीसदी और गोल्ड लोन में 14फीसदी की बढ़ोतरी हुई। छोटे कारोबारों के लिए दिए गए एसएमई लोन में भी 19फीसदी सालाना की वृद्धि दर्ज की गई।

आरआईटीईएस शेयरधारकों को अगले हफ्ते करेगी अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा

पिछले साल 2024 में भी आरआईटीईएस ने तीन बार डिविडेंड दिया था

नई दिल्ली

रेल मंत्रालय के तहत आने वाली सरकारी कंपनी जल्द ही अपने शेयरधारकों को एक और अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा कर सकती हैं। कंपनी ने 31 अक्टूबर को दिए अपने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि निदेशक मंडल की अगली बैठक 11 नवंबर को होगी। इस बैठक में कंपनी सितंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों को मंजूरी देगी और साथ ही अंतरिम डिविडेंड देने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 11 नवंबर को होना है। इस बैठक में 30 सितंबर 2025 तक की तिमाही और आधे साल के बिना ऑडिट किए गए वित्तीय नतीजों पर चर्चा की जाएगी। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अगर मंजूरी मिली, तो इक्विटी शेयरों पर दूसरा अंतरिम डिविडेंड घोषित किया जाएगा।

आरआईटीईएस लिमिटेड अपने निवेशकों को लगातार मुनाफा देती रही हैं। कंपनी का डिविडेंड यील्ड 3.02फीसदी है, यानी हर साल कंपनी अपने शेयर की कीमत के हिसाब से करीब इतना फायदा निवेशकों को देती है। फिलहाल कंपनी का शेयर करीब 250 के आसपास है। साल 2025 में कंपनी ने अब तक तीन बार डिविडेंड दिया है। फरवरी में 1.90 प्रति शेयर, अगस्त में 1.20 प्रति शेयर और सितंबर में 2.65 प्रति शेयर है।

बता दें पिछले साल 2024 में भी आरआईटीईएस ने तीन बार डिविडेंड दिया था और इसके साथ 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर भी जारी किए थे। यानी हर एक शेयर के बदले निवेशकों को एक और शेयर मिला। उस समय फरवरी में 4.75 रुपए, अगस्त में 2.50 रुपए, और सितंबर में बोनस के बाद 5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड दिया गया था। इसके पहले 2023 और 2022 में कंपनी ने निवेशकों को क्रमशः 20.25 रुपए और 19.50 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। आरआईटीईएस लिमिटेड देश की बड़ी कंपनियों में शामिल है और यह बीएसई 500 इंडेक्स का हिस्सा है। बाजार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में करीब 10फीसदी की गिरावट आई है।

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगा 24फीसदी अतिरिक्त टैरिफ हटाया

अमेरिकी सोयाबीन पर अभी भी 13 फीसदी टैक्स रहेगा लागू

बीजिंग

चीन ने अमेरिकी सामानों पर लगाए गए 24फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को एक साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। यह फैसला 10 नवंबर से लागू होगा। चीन की स्टेट काउंसिल के टैरिफ कमीशन ने कहा कि 10फीसदी का जो टैरिफ ट्रम्प के लिबरेशन डे शुल्कों के जवाब में लगाया गया था, वह जारी रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमीशन ने बताया कि वह कुछ अमेरिकी कृषि उत्पादों पर लगे 15फीसदी तक के टैरिफ को पूरी तरह हटा देगा। ये वही उत्पाद हैं जिन पर चीन ने मार्च में टैक्स लगाने की घोषणा की थी।

इस फैसले के बाद चीन ने संकेत दिया है कि वह व्यापारिक तनाव को कम करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, हालांकि दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद पूरी तरह खत्म होने में अभी समय लग सकता है।

इन राहत के बावजूद अमेरिकी सोयाबीन पर अभी भी कुल 13फीसदी टैक्स लागू रहेगा, जिसमें पहले से मौजूद 3फीसदी बेस टैरिफ शामिल है। कारोबारियों का कहना है कि इससे अमेरिकी सोयाबीन अब भी महंगा होगा, खासकर जब ब्राजील से आने वाले सोयाबीन सस्ते हैं यानि अब कुल मिलाकर देखा जाए तो, ज्यादातर अमेरिकी सामानों पर चीन 10फीसदी टैरिफ लागू रखेगा। वहीं 24फीसदी वाला

एक्स्ट्रा टैरिफ फिलहाल निलंबित है, यानी लागू नहीं है। इस तरह चीन अभी औसतन 10फीसदी का टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लागू कर रहा है।

बिहार चुनावः धौरैया में राजनीतिक विरासत से टकराया विकास का दावा

तीर और लालटेन के बीच जंग

बांका। जिले की पांच विधानसभा सीटों में से धौरैया सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस सीट पर भले ही आठ उम्मीदवार मैदान में हों, लेकिन असली मुकाबला जदयू के मनीष कुमार और राजद के त्रिभुवन दास के बीच सिमट गया है। एक तरफ जहां त्रिभुवन दास अपने पिता स्वर्गीय नरेश दास की राजनीतिक विरासत को भुनाने में जुटे हैं, वहीं मनीष कुमार अपने दो विधायकी के कार्यकाल की उपलब्धियों के दम पर वोट मांग रहे हैं।

नरेश दास यहां से पांच बार के विधायक रहे हैं, इसलिए मुकाबला अब साफ तौर पर तीर बनाम लालटेन का बन चुका है। धौरैया विधानसभा क्षेत्र का गठन 1952 में हुआ था। यहां कांग्रेस और सीपीआई का दबदबा रहा। 1967 के बाद यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई। वर्ष 2000 के बाद यहां समता पार्टी के भूदेव चौधरी का पर्दापण हुआ। उनके जमुई से सांसद बनने के बाद मनीष कुमार ने राजनीतिक बागडोर संभाली। पिछले चुनाव में राजद के भूदेव चौधरी ने जदयू के मनीष कुमार को 2687 मतों से हराया था। इस बार राजद ने भूदेव चौधरी को टिकट से बेदखल कर दिया है, जिससे पार्टी में नाराजगी गहराई है। स्थानीय मतदाताओं का मानना है कि उनकी उपेक्षा राजद को नुकसान पहुंचा सकती है। दरअसल, धौरैया क्षेत्र कृषि प्रधान है, लेकिन आज तक यहां कोई औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं हो सकी है। कृषि आधारित उद्योगों की असीम संभावनाओं के बावजूद रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। यहां के दो प्रखंड धौरैया और रजौन मिलकर इस विधानसभा का गठन हुआ है।

दोनों में 38 पंचायतों की संख्या है। बेरोजगारी और पलायन यहां के सबसे बड़े मुद्दे हैं। यहां के गांवों में शायद ही कोई घर ऐसा हो, जहां से परिवार का कोई सदस्य रोजगार की तलाश में बाहर न गया हो। शुरूआती चुनावी दौर में यही मुद्दे छाए रहे, पर जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आई, गोलबंदी जातीय रेखाओं पर सिमटने लगी। इस क्षेत्र में लगभग 26 हजार हेक्टेयर में धान और रबी की खेती होती है, लेकिन अवैध बालू खनन ने नदियों के पेट को खोखला कर दिया है। चांदन, गेरुआ, गहिरा, मिरचिनी, कदवा और रकौली जैसी नदियां अब सिंचाई के लायक नहीं रह गई हैं। धौरैया के चांदनी चौक पर बैठे राजीव सिंह का कहना है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्य, बिजली और सड़क के क्षेत्र में जितना काम किया, उतना किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। वहीं मु. शेख का कहना है कि रोजगार और पलायन के मुद्दे पर सरकार का ध्यान नहीं गया। राजेश मंडल मानते हैं कि अगर जनसुराज के प्रशांत किशोर नहीं होते, तो आज रोजगार और शिक्षा पर चर्चा ही नहीं होती। रजौन के सीताराम मंदिर में बैठे पुजारी चन्द्रकिशोर झा कहते हैं कि भूदेव चौधरी का टिकट काटकर पार्टी ने गलती की है। इसी जगह बैठे अजय राव का कहना है कि मनीष कुमार ने क्षेत्र को पहला पालिटेक्निक कालेज दिया है, यह उनका बड़ा योगदान है। आगे कोतवाली चौक पर बैठे युवाओं के बीच चर्चा थी कि जनसुराज उम्मीदवार सुमन पासवान भी जिला पार्षद हैं। वह इसी क्षेत्र के हैं। वहीं अजय राव ने विश्वास जताया कि 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बनेंगे। रजौन स्कूल के पास महिला मतदाता सोनी देवी ने राज्य सरकार की दस हजार वाली योजना की सराहना की। जबकि कालेज छात्र उत्तम कुमार का कहना था कि तेजस्वी युवा हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। राधिका झा ने कहा कि आजादी के बाद अगर किसी ने महिलाओं को मजबूत किया है तो वो नीतीश कुमार हैं। वैसे सियासी मैदान में रोजगार, पलायन और सिंचाई जैसे जातीय समीकरणों के घेरे में सिमटता जा रहा है। अब देखना यह है कि धौरैया की जनता विरासत पर भरोसा जताती है या विकास पर विश्वास करती है।

हर बूथ पर सशस्त्र बल, सभी सीमाएं सील

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। सभी बूथों पर सशस्त्र बलों की तैनाती की गई है। चुनाव कार्य में करीब साढ़े चार लाख सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं, जिनमें 1500 कंपनी केंद्रीय बल शामिल है। इसके अलावा बिहार पुलिस, बिहार विशेष सशस्त्र बल, एसएसबी, होमगार्ड आदि की भी ड्यूटी लगाई गई है। चुनाव को देखते हुए नेपाल सहित सभी जिलों की सीमाएं सील कर दी गई हैं।

दियारा क्षेत्र में घुड़सवार दल को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों के अलावा बिहार पुलिस के 60 हजार कर्मियों को भी चुनावी ड्यूटी में लगाया गया है। इसके अलावा अन्य राज्यों से आई रिजर्व बटालियनों के करीब दो हजार जवान, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के तीस हजार जवान, बीस हजार से ज्यादा होमगार्ड और लगभग 19 हजार प्रशिक्षु सिपाहियों को भी चुनावी कार्य में लगाया गया है। ग्रामीण इलाकों में लगभग 1.5 लाख चौकीदार भी चुनाव ड्यूटी में लगाए गए हैं। विधानसभा चुनावों के दौरान वीवीआइपी लोगों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए प्रत्येक जिले में वीआइपी सुरक्षा पूल बनाया है। इस पूल के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) से प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मियों और जवानों को शामिल किया गया है। चुनाव के दौरान आपात स्थिति से निबटने के लिए बिहार पुलिस ने क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का भी गठन किया गया है।

मतदान के दिन क्या रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था?

डीएम ने जारी किया आदेश

पटना। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी कौशल कुमार ने आदेश जारी कर बताया कि जिला अन्तर्गत 10 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र कुशेश्वरस्थान (अजा), गौड़ाबौराम, बेनीपुर, अलीनगर, दरभंगा ग्रामीण, दरभंगा, हायाघाट, बहादुरपुर, केवटी एवं जाले में पहले चरण में छह नवम्बर को मतदान की तिथि निर्धारित है। मतदान कार्य सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक सम्पन्न होगा। निर्वाचन की तिथि घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी लागू है। पूर्व में ऐसा देखा जाता है कि मतदान के दिन चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के उद्देश्य से असामाजिक तत्व नाजायज मजमा बनाकर हथियार से लैस होकर निजी भाड़े पर वाहन लेकर मतदान कार्य बाधित करने का प्रयास करते हैं। लोक शांति को प्रभावित करते हैं। इससे मतदान की गोपनीयता भंग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। स्वच्छ,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने तथा लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि मतदान तिथि को असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों की गतिविधियों पर पूर्णतया रोक लगाई जाए, ताकि निर्वाचन के दौरान मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर कर सके। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन सभी प्रकार के वाहनों (दो पहिया वाहन सहित) का परिचालन पूर्णतया निषिद्ध रहेगा। आकस्मिक चिकित्सा के लिए मरीज के साथ एम्बुलेंस का परिचालन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं जैसे- विद्युत, दुग्ध वैन,पानी का टैंकर आदि का आवागमन होगा।

प्रेमी युगल ने मंदिर में की शादी

जमुई। एक प्रेमी युगल ने भागकर मंदिर में शादी कर ली। बुधवार को इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर अपनी शादी की जानकारी दी। प्रेमी टाउन थाना क्षेत्र के सोनपे गांव का निवासी बताया जा रहा है, जबकि प्रेमिका की पहचान जमुई नगर परिषद क्षेत्र के भछियार मोहल्ले की सिद्धि कुमारी के रूप में हुई है। वायरल वीडियो में सिद्धि कुमारी ने बताया कि वह सोनपे गांव के एक युवक से प्यार करती थी, जो उसके घर के पास साइबर कैफे चलाता था। उनके बीच पिछले छह सालों से संबंध था। उसने दावा किया कि वह अपनी मर्जी से आई है और उसे किसी ने भगाया नहीं है, बल्कि वह खुद युवक को लेकर भागी है और उससे शादी की है।

संक्षिप्त डायरी

बाल सुधार गृह में फिर बड़ा कांड; सुरक्षाकर्मी पर हमला कर 12 बच्चे भागे, 5 को फिर पकड़ा गया

दरभंगा। जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह में मंगलवार देर रात बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब 12 बाल बंदियों ने ड्यूटी पर तैनात रात्रि गार्ड पर हमला कर दीवार फांदकर फरार हो गए। इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के मुताबिक, गार्ड पर हमला करने के बाद सभी बाल कैदी सुधार गृह की दीवार कूदकर भाग निकले। इस दौरान बाहर मौजूद कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया, जिसमें सभी बच्चे दीवार फांदते हुए दिखाई दे रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया और 12 में से 5 बाल बंदियों को फिर से पकड़ लिया, जबकि 7 अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। दरभंगा के एसएसपी जगन्नाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बीती रात बाल सुधार गृह से 12 कैदी फरार हुए थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पांच को गिरफ्तार कर लिया है और बाकी सात की तलाश जारी है। सभी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में दरभंगा का यह बाल सुधार गृह कई विवादों में रहा है। पिछले तीन महीनों में यहां तीन बाल बंदियों ने आत्महत्या की थी, जो सुधार गृह में लाए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही हुई थी। इन सभी मामलों में पुलिस जांच की बात कहती रही है, लेकिन अब एक साथ 12 बाल कैदियों के फरार होने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मधुबनी में बड़ी कार्रवाई, इंडो-नेपाल सीमा पर 20 लाख नेपाली रुपए के साथ एक युवक गिरफ्तारे

मधुबनी। पुलिस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी सफलता मिली है। इंडो-नेपाल सीमा से सटे लदनिया थाना क्षेत्र में एसएसबी (सीमा सुरक्षा बल) और मधुबनी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 20 लाख नेपाली करेंसी के साथ एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। लदनिया थानाध्यक्ष अनुप कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव तक यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इंडो-नेपाल सीमा खुली होने के कारण अक्सर तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही जयनगर बॉर्डर पर भी एसएसबी और मधुबनी पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 20 लाख नेपाली करेंसी और लगभग 20 लाख भारतीय रुपए बरामद हुए थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान सीमा क्षेत्रों में सतर्कता और निगरानी और अधिक कड़ी कर दी गई है ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाई जा सके।

युवती से छेड़छाड़, विरोध पर परिजनों से मारपीट

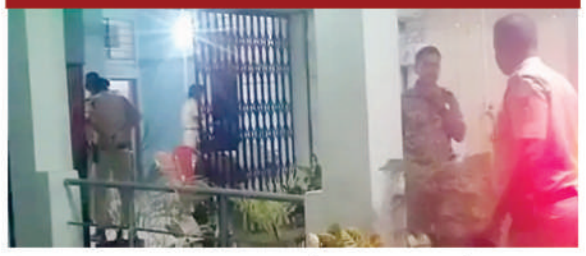

बेतिया। नगर के एक मोहल्ले में देर रात शौच के लिए घर से बाहर निकली एक युवती से छेड़छाड़ और विरोध करने पर उसके तथा उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाने की पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की लिखित शिकायत पर बसवरिया वार्ड नंबर एक निवासी राजेश राम, अखिलेश राम, दिनेश राम, सुरेश राम और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे हुई जब पीड़िता शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। इसी दौरान राजेश राम ने उसका रास्ता रोककर गलत व्यवहार करने का प्रयास किया। युवती की ओरसे विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे पकड़कर धक्का दिया और उसके कपड़े खींचने की कोशिश की।

पीड़िता के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद आरोपी और उसके सहयोगियों ने परिजनों के साथ भी मारपीट की, जिसमें दो लोग घायल हो गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने पुराने विवाद और रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है। आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

जहां अहिल्या का उद्धार हुआ, वहीं गंगा स्नान से मिलता है मोक्ष, गोदना-सेमरिया मेला बना आस्था का केंद्र

सारण। बिहार के सारण जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली धरती रिविलगंज इन दिनों धार्मिक उत्साह और भक्ति भावना से सराबोर है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम चंद्र की लीला भूमि, न्याय शास्त्र के प्रणेता महर्षि गौतम और श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली गौतम स्थान पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। मंगलवार की देर शाम से ही सरयू नदी के पावन तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी और बुधवार की सुबह से देशभर से आए हजारों भक्त सरयू में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने में जुट गए। महर्षि गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर, गोदना, अकराहा बाबा मठ, करियावा बाबा मंदिर, जहाज घाट, श्रीनाथ बाबा मंदिर घाट सहित रिविलगंज के दर्जनों मंदिरों और मठों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। प्रशासन ने मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम और अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की है। पूरा क्षेत्र भक्ति, आस्था और पौराणिक परंपरा के रंग में रंगा हुआ है। स्थानीय लोग ह्लअतिथि देवो भवह्व की भावना के साथ दूर-दराज से आए भक्तों का स्वागत कर रहे हैं।गौतम ऋषि की तपोभूमि सरयू तट धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, त्रेता युग में यहीं महर्षि श्रृंगी के पुत्रेष्टि यज्ञ के फलस्वरूप भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यही कारण है कि यह भूमि न केवल धार्मिक, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी विशेष महत्व रखती है। चार किलोमीटर में फैले इस क्षेत्र में मंदिरों की प्राचीन श्रृंखला इसकी ऐतिहासिकता को दर्शाती है। बाल्मीकि रामायण में भी इस स्थल का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यहां का गोदना-सेमरिया नहान मेला धार्मिक दृष्टि से सोनपुर के हरिहर क्षेत्र मेला और बलिया के ददरी मेले जितना ही महत्वपूर्ण है। भले ही व्यावसायिक प्रसिद्धि सोनपुर या ददरी को मिली हो, लेकिन आस्था और पौराणिकता में रिविलगंज का मेला किसी से कम नहीं है। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू नदी में स्नान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। तुलसीदास जी ने भी रामचरित मानस में सरयू स्नान की महिमा का उल्लेख करते हुए लिखा है, ह्लकोटि कल्प काशी बसे, मथुरा बसे हजार, एक निमित्त सरयू बसे, तुलसी न तुलसी दास ह्व कहा जाता है कि इस दिन सरयू में स्नान करने वाला भक्त वैकुंठ लोक को प्राप्त करता है। यही कारण है कि हर साल बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल से लाखों श्रद्धालु इस अवसर पर रिविलगंज पहुंचते हैं। गौतम स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां झूठ बोलने की मनाही है। मान्यता है कि महर्षि गौतम ने यहीं सत्य और असत्य का निर्णय किया था। जो भी व्यक्ति यहां झूठ बोलता है, उसे तत्काल दंड मिलता है। यही वह स्थान है जहां महर्षि गौतम ने अपनी पत्नी अहिल्या को श्राप दिया था और भगवान श्रीराम के चरण स्पर्श से उनका उद्धार हुआ था। गोदना स्थित गौतम-अहिल्या उद्धार मंदिर में भगवान श्रीराम के चरण चिन्ह आज भी मौजूद हैं। मान्यता है कि बक्सर में राक्षसी ताड़का का वध करने के बाद श्रीराम, लक्ष्मण और वशिष्ठ मुनि गंगा पार कर रिविलगंज पहुंचे थे और कार्तिक पूर्णिमा के दिन सरयू में स्नान के बाद यहीं विश्राम किया था। स्नान के बाद सतू और मूली खाने की परंपरा आज भी प्रतीक रूप में निभाई जाती है। इतिहासकारों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की विरासत है।

इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिएः चिराग

भागलपुर। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बुधवार को भागलपुर के पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र स्थित खवासपुर हाई स्कूल मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान के समर्थन में जनता से अपील की। इस दौरान उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार में एनडीए की सरकार बनना तय है। चिराग पासवान ने अपने संबोधन में कहा कि इस बार का चुनाव जात-पात से ऊपर उठकर विकास के लिए होना चाहिए, जिसका नारा "बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट" है। उन्होंने जोर दिया कि जनता अब केवल वादों में नहीं फंसेगी, बल्कि उस गठबंधन का साथ देगी जिसने देश और बिहार के विकास के लिए ठोस कार्य किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों की सराहना की। पासवान ने बताया कि एनडीए सरकार ने गरीबों के लिए घर, शौचालय, गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए मुरारी पासवान को विजयी बनाने का आह्वान किया। जनसभा में चिराग पासवान ने दोहराया कि बिहार में एनडीए की सरकार का गठन निश्चित है और जनता विकास की राजनीति पर भरोसा कर रही है। उन्होंने लोगों से "हर बूथ, हर वोट एनडीए के नाम" के संकल्प के साथ मतदान करने की अपील की, ताकि नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनें और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को और सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर सभा स्थल पर हजारों ग्रामीण उपस्थित थे। लोग चिराग पासवान का भाषण सुनने और उनके हेलिकॉप्टर को देखने के लिए मैदान में देर तक रुके रहे। मंच पर भाजपा प्रत्याशी मुरारी पासवान, स्थानीय भाजपा और जदयू नेताओं सहित कई एनडीए पदाधिकारी मौजूद थे।

बुलडोजर दिखाकर योगी बोलेः ये बिहार में चलने वाला है

जो राम का नहीं, किसी काम का नहीं, आरजेडी कितनी भी घोषणा करे विश्वास मत करना

गयाजी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गयाजी के वजीरगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा, पहले चरण में इन लोगों ने पशुओं का चारा खाया। दूसरे चरण में गरीबों का राशन हजम कर जाएंगे। अगर इन लोगों को अवसर दिया तो, मैं आपसे कहता हूं, फिर से जंगलराज आएगा। इसलिए NDA कैंडिडेट्स को वोट देकर जिताइए। RJD कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना। जो राम का नहीं हुआ, वो हमारे किसी काम का नहीं होगा। जो राम द्रोही है, वो हमारा भी द्रोही है। ये लोग जंगलराज ही लाएंगे। आगे भी यही करेंगे।' योगी ने सभा में खड़े 7 बुलडोजर दिखाते हुए कहा- 'देख लीजिए यही आपके बिहार में भी चलने वाले हैं। बस हमारी सरकार बनवाइए।' सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'RJD और कांग्रेस ने किसानों को लूटा। विकास का पैसा अपने परिवार के विकास में लगा दिया। उनके राज में सब चौपट था। नक्सलवाद फैलता गया। माफिया राज फैलता गया।

सत्ता के समानांतर माफिया की सरकार चलने लगी। जिस बिहार ने देश को बनाया। इन लोगों ने उस बिहार के लोगों के सामने पहचान का संकट पैदा किया। किसानों को खुदकुशी करने पर मजबूर किया। बहन और बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया। व्यापारी पलायन करने लगा। पूरा विकास बाधित कर दिया। बिहार में RJD और कांग्रेस का इलाज NDA है।' उन्होंने कहा, 'यूपी में RJD-कांग्रेस की पार्टनर है समाजवादी पार्टी। उनका एक शागिर्द है। उस माफिया ने

समाजवादी पार्टी के समय 4 किलेनुमा बंगले बना डाले। मेरी सरकार आई तो मैंने लोगों से पूरा ये किसके घर हैं। लोगों ने किसी माफिया का नाम बताया। मैंने कहा- ये तो माफिया है। लोगों ने कहा- हां। मैंने कहा फिर बुलडोजर चलाया जाए। उसका घर गिरवाकर आज गरीबों के घर बनवा दिए हैं। जातीय सेना खड़ी कर के इन लोगों ने बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। जब भी बंटेंगे तो कटेंगे।' योगी ने कहा, 'इन लोगों को परेशानी होती है कि शहरों के नाम क्यों बदलते हो। हम नाम इसलिए बदल देते हैं ताकि उसके अनुरुप काम हो सके। फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया। क्यों कि पहले उसका नाम अयोध्या ही था। भगवान राम का जन्म यहां हुआ था। गंगा-यमुना का जहां संगम होता है उसका नाम प्रयागराज था। मुगलकाल में इलाहबाद कर दिया। हमने फिर से पलटकर प्रयागराज कर दिया। यहां कांग्रेस को परेशानी होगी कि कहीं वीरेंद्र सिंह जी वजीरगंज का का नाम ना बदल दें। यूपी सीएम ने कहा, 'मोदी जी ने 11 साल में भारत का कायाकल्प कर दिया। 2005 के पहले बिहार में क्या था। पहचान का संकट था। बिहार और यूपी के नाम देश दुनिया में कोई सम्मान नहीं देता था। अकेले लालू जी के शासन में बिहार के अंदर 7 से ज्यादा नरसंहार हुए थे। 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। बिहार के डॉक्टर, इंजीनियर कोई सुरक्षित नहीं थे। उस वक्त जंगलराज था। मोदी जी ने पिछले 11 साल में विकास के काम किए। आज बिहार के अंदर सुशासन की सरकार है।

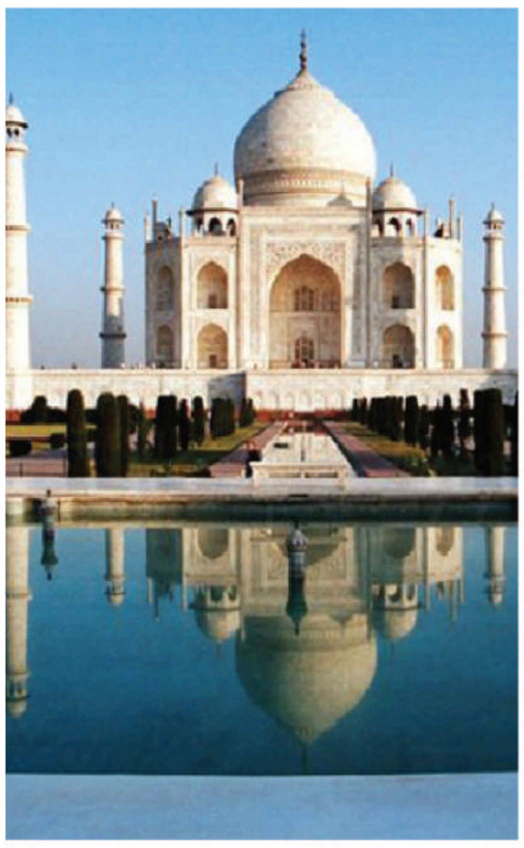

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते है। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 आज

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं।

पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर है।

वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये।

शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने के लिए रन बनाने होंगे।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी।

स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे।

दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

36 के हुए विराट कोहली को प्रशंसकों से मिली बधाई

-इन पारियों के कारण बने महान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली आज 36 साल के हो गए हैं। जन्मदिन के अवसर पर विराट को प्रशंसकों और साथ खिलाड़ियों ने ढेरों बधाईयां दी है। विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं क्योंकि टेस्ट और टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। 36 साल की उम्र में भी विराट फिट बने हुए हैं और 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। वर्तमान समय में भी वह केवल एक प्रारुप खेलने के बाद भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर में से एक हैं। विराट को यूं ही नहीं कहा जाता वर्तमान पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी पारियां खेली हैं।

साल 2012 में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये थे। तब भारतीय टीम सीरीज में पिछड़ रही थी. ऐसे में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी थी जिससे कि बोनस अंक हासिल किये जा सकें। 321 रनों के लक्ष्य को 40 ओवर में ही हासिल करना था, जो काफी मुश्किल काम था पर विराट ने पहले गौतम गंभीर और फिर सुरेश रैना के साथ मिलकर ऐसी बल्लेबाजी की कि भारतीय टीम ने 36.4 ओवर में ही 321 रन बनाकर मैच को जीत लिया और बोनस अंक हासिल किया ! इस मैच में विराट ने 154.65 के स्ट्राइक रेट से 86 गेंद में 16 चौके और 2 छक्के की मदद से 133 रन बनाए थे ! विराट की ये पारी उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक थी।

वहीं एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट ने 183 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाये थे पर इसके जवाब में विराट की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम 7 विकेट से जीत गयी। एकदिवसीय में ये विराट का अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम की ओर से एडिलेड टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली थी। विराट ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 517 रन बनाये थे। इसके जवाब में भारतीय टीम 444 रन ही बना पायी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को 73 रनों की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 290 रन बनाए और पारी को घोषित कर भारत के सामने एडिलेड की मुश्किल पिच पर चौथी पारी में 364 रनों का लक्ष्य रखा था। इसके बाद विराट कोहली ने मुरली विजय के साथ मिलकर जबरदस्त पारी खेली। मुरली 99 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट ने 175 गेंद में 145 रन बनाए। इन दोनों के आउट के होने बाद भारतीय टीम हालांकि 315 रन के स्कोर पर ही आउट हो गयी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मैच 48 रन से जीत लिया।

साल 2018 में इंग्लैंड दौरे पर बर्मिंघम टेस्ट में विराट कोहली की 149 रनों की पारी भी कौन भूल सकता है। विराट कोहली ने कठिन पिच पर शतक लगाकर भारतीय टीम को 31 रन से जीत दिलायी थी। विराट के लिए ये शतकीय पारी इसलिए भी अहम थी क्योंकि इससे पहले विराट इंग्लैंड में बुरी तरह से असफल रहे थे। बर्मिंघम में 149 रन बनाकर उन्होंने सबकी बोलती बंद कर दी।

ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की 82 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में पाकिस्तान के सामने टीम इंडिया ने 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर अपने 4 विकेट खो दिये। इस मैच में विराट कोहली ने हारिस रऊफ पर जबरदस्त छक्का लगाकर मैच में टीम इंडिया को जीत दिला दी।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नामेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमें इस प्रकार हैं।

टीम ए: विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बी: वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी: आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण पृथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी: चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों बाबर आजम, सैम अयूब, और सलमान आगा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। दूसरी ओर भारत के अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में पहले स्थान पर बने हुए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती टी20ढ्ढ गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। रैंकिंग में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के कई खिलाड़ियों ने भी शानदार सुधार किया है।

पाकिस्तान के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए हाल की टी20 सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यादगार रही। बाबर आज़म नौ पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सैम अयूब, जो अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, 10 पायदान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, सलमान आगा ने भी 10 पायदान की बढ़त के साथ 54वां स्थान हासिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जिससे टीम को टी20 फॉर्मेट में नई ऊर्जा मिली है।

भारतीय टीम की निरंतर सफलता

टीम इंडिया के लिए साल 2025 अब तक बेहद सफल रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पांच में से चार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाएँ जीती हैं, जिनमें सबसे ताज़ी जीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से मिली। अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हाल के महीनों में जबरदस्त फॉर्म दिखाया है, बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर कायम हैं। वहीं, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जिससे भारत की टी20 टीम को एक नई मजबूती मिली है।

अन्य देशों के खिलाड़ियों की बढ़त

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज़ तंजीद हसन ने 20 पायदान की बड़ी छलांग लगाई है और अब वह 17वें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज़ (15वां स्थान) और इब्राहिम ज़दरान (20वां स्थान) ने भी इस हफ्ते अच्छा सुधार किया है। इन सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने दिखाया है कि विश्व क्रिकेट में टी20 फॉर्मेट में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बड़े बदलाव

टी20आई गेंदबाजों की सूची में कई नामों ने इस हफ्ते शानदार उछाल मारी है। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के दम पर दो पायदान ऊपर बढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान 13 पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं, जबकि बांग्लादेश के महेदी हसन छह पायदान चढ़कर 17वें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर (23वें स्थान) और रोस्टन चेज़ (38वें स्थान) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, जिन्होंने हाल में लगातार विकेट चटकाए, 32 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के गेंदबाजों का योगदान

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेकर सबका ध्यान खींचा। उनकी इस सफलता ने उन्हें 15 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर पहुंचा दिया है। पाकिस्तान के सलमान मिर्जा (45वां स्थान) और फहीम अशरफ (51वां स्थान) ने भी अपनी गेंदबाजी से रैंकिंग में वापसी की है।

वनडे रैंकिंग में भी नए बदलाव

नवीनतम वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने इंग्लैंड के खिलाफ 'प्लेयर ऑफ द सीरीज़' बनकर दो पायदान ऊपर तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने 178 रन बनाए और केवल एक बार आउट हुए। उनके साथी रचिन रवींद्र चार पायदान ऊपर बढ़कर 14वें स्थान पर पहुंचे हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी तीन विकेट लेकर दो पायदान ऊपर चढ़े और अब अफगानिस्तान के राशिद खान के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

विश्वकप जीत से मंधाना, जेमिमा सहित महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू बढ़ी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत के बाद खिलाड़ियों की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अब इनकी कमाई भी पहले से कई गुना बढ़ जाएगी। विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स और स्मृति मंधाना की ब्रांड वैल्यू सबसे अधिक बढ़ी है। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रनों की पारी खेली थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेमिमा की एंडोर्समेंट फीस अब 75 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये तब पहुंच गयी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के बाद ही उनके पास 10 से 12 अलग-अलग कैटेगरी के ब्रांड्स से करार के प्रस्ताव आने लगे। वहीं मंधाना पहले से ही महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर हैं। वो इस समय हिंदुस्तान यूनिलीवर, नाइक , हुंडाई , हरबेलाइफ , एसबीआई, गल्फ आइल, और पीएबी मैटलाइफ जैसे 16 प्रमुख ब्रांड्स का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। विश्व कप जीत के बाद उनकी फीस भी 1.5 से 2 करोड़ रुपये प्रति ब्रांड तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विश्वकप जीत से भारतीय महिला क्रिकेट पूरी तरह से बदल जाएगा।

वैभव अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में नजर आयेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल और अंडर 19 क्रिकेट में धूम मचाने वाले 14 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज के लिए पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। आईपीएल के बाद वैभव ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी। अब वैभव के निशाने पर पाकिस्तान ए टीम रहेगी। का भारत ए टीम में आईपीएल के छह खिलाड़ियों को अवसर मिला है। इमर्जिंग स्टार्स टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर 2025 तक दोहा के वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें भारत के ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ ग्रुप बी में रखा गया है.

ये टूर्नामेंट कतर में खेला जाएगा और इसका आयोजन एशियाई क्रिकेट परिषद कर रही है। इसमें भारत ए की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा करेंगे। वहीं पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उप-कप्तान रहेंगे। आईपीएल 2025 के स्टार प्रियांश आर्य को भी पहली बार टीम में अवसर मिला है। जितेश अभी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम से खेल रहे हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 22 रनों की पारी खेलकर प्रभावित किया था। जितेश ने इस साल की शुरुआत में आरसीबी के विजयी अभियान के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और निचले क्रम में 176 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे.

राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत ए की टीम: प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नेहल वढेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर) रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजापनीत सिंह, विजय कुमार वैश्य, युद्धवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर) और सुयश शर्मा.

स्टैंड-बाय खिलाड़ीः गुरनूर सिंह बराड़, कुमार कुशाग्र, तनुश कोटियन, समीर रिजवी और शेख रशीद.

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी वाइल्ड कार्ड एंट्री

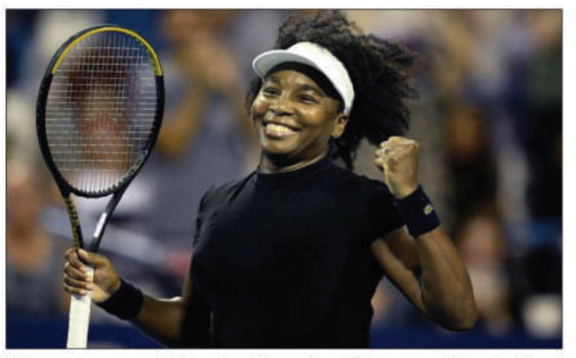

वॉशिंगटन । सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

राहुल और सुंदर आईपीएल 2026 में बदल नहीं पायेंगे टीमें

नई दिल्ली । पिछले कुछ समय से वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल के आईपीएल 2026 में नई टीमों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलने की चर्चाएं चल रही थीं। वहीं अब आई एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की ही टीमों ने इन्हें रिलीज करने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अब ये दोनों खिलाड़ी किसी नई फेंचाइज़ी से नहीं जुड़ सकते हैं। ये कहा जा रहा था कि सुंदर को सीएसके लेना चाहती है, जबकि राहुल को केकेआर पर पर करार संभव नहीं हो पाया। सीएसके दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की जगह पर सुंदर को चाहती थी और इसके लिए उसने प्रयास भी किया पर गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने सुंदर को देने से इंकार कर दिया। वहीं दूसरी ओर, केएल राहुल को लेकर खबर थी कि वे दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर वह केकेआर से खेल सकते हैं पर ये संभव नहीं हुआ। इसका कारण है कि केकेआर वरुण चक्रवर्ती और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों को ट्रेड में नहीं देना चाहती। ऐसे में कैपिटल्स भी राहुल को छोड़ने तैयार नहीं है।

साउथ अफ्रीका टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, पंत की वापसी, शमी को फिर नहीं मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। 14 नवंबर से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और ऋषभ पंत को उपकप्तान एवं विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। इस चयन के साथ ही टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं।जहां ऋषभ पंत की वापसी सबसे बड़ी खबर रही, वहीं तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को एक बार फिर टीम से बाहर रखा गया है।

घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन और चयन को लेकर हाल में हुई जुबानी जंग के बाद यह माना जा रहा था कि शमी की टेस्ट टीम में वापसी होगी, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका नहीं दिया। इससे क्रिकेट जगत में फिर से चर्चाएं तेज़ हो गई हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए कई मायनों में अहम होगी। एक ओर शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा होगी, तो दूसरी ओर ऋषभ पंत की वापसी टीम को नई ऊर्जा देगी। वहीं, मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी ने चयन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि युवा खिलाड़ियों से सजी यह टीम विदेशी धरती पर कितनी मजबूती से प्रदर्शन करती है।

टीम इंडिया का स्कॉड

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

ऋषभ पंत की शानदार वापसी

ऋषभ पंत की टीम में वापसी लंबे इंतजार के बाद हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हुई गंभीर चोट के बाद पंत लगभग एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे। साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ हालिया मुकाबलों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी फिटनेस और फॉर्म दोनों साबित कीं। चयनकर्ताओं ने इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें उपकप्तान की जम्मिेदारी सौंपी है। उनकी वापसी से भारत की बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों विभागों में मजबूती आएगी।

शुभमन गिल को मिला बड़ा अवसर

युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल को पहली बार टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। लगातार अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए बीसीसीआई ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय टीम के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है और गिल को अगले कप्तान के रूप में तैयार करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

आकाश दीप को मिला डेब्यू का मौका

युवा तेज गेंदबाज़ आकाश दीप को भी टीम में शामिल किया गया है। बंगाल के इस गेंदबाज़ ने घरेलू क्रिकेट और इंडिया 'ए' टीम में शानदार प्रदर्शन किया है। चयनकर्ताओं ने उन्हें आगामी सीरीज में डेब्यू करने का मौका देने का संकेत दिया है। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज नई गेंद के मोर्चे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि स्पिन विभाग में रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं।

सीरीज का शेड्यूल

दो मैचों की यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) का हिस्सा होगी। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहाटी में होगा।

भारत 'ए' वनडे टीम का भी ऐलान

बीसीसीआई ने भारत 'ए' वनडे टीम की भी घोषणा की है। टीम की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि रुतुराज गायकवाड़ उपकप्तान होंगे। इस टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा को शामिल नहीं किया गया है। टीम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

कोच ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच पुटिक विश्वकप तक ही रहेंगे अफगानिस्तान टीम के साथ

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और बल्लेबाजी कोच एंड्रयू पुटिक टी20 विश्व कप 2026 तक ही टीम के साथ रहेंगे। विश्वकप के बाद ये दोनो ही अपना कार्यकाल आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। ट्रॉट जुलाई 2022 में कोच बने थे। उन्होंने इस तीन साल में टीम को बदलकर रख दिया है। इसी कारण टीम आज सीमित ओवरों के प्रारुप टी20 में एक बेहतर टीम बनकर उभरी है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा, कोचिंग में बदलाव किसी भी टीम के विकास के लिए जरुरी होता है। यह बदलाव अफगानिस्तान टीम की लंबी अवधि की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी कोच पुटिक भी टीम से अलग हो रहे हैं।

पुटिक इसी साल जनवरी 2025 में टीम से जुड़े थे। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट के मार्गदर्शन में अफगानिस्तान टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। टीम पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट 2024 टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। इसके अलावा 2023 एकदिवसीय विश्व कप में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ जीत हासिल की थी। ट्रॉट ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, अफगानिस्तान टीम के साथ काम करना मेरे लिए काफी खुशी की बात रही है।

पश्चिम बंगाल के नदिया में पुलिस और बीएसएफ जवानों के बीच झड़प

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चापड़ा थाना क्षेत्र में हुई, जहाँ पुलिस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों के बीच झड़प हो गई। यह पूरी घटना कफ सिरप की तस्करी की एक बड़ी खेप से जुड़ी हुई थी। लगभग 11 पेटी कफ सिरप एक वाहन में करीमपुर क्षेत्र से चापड़ा की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली और उन्होंने शिमनगर में नाकाबंदी की। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए और कफ सिरप की पेटियां मौके पर छोड़ दीं। जब पुलिस जब्ती की कार्रवाई कर रही थी, तभी बीएसएफ के जवान मौके पर पहुँचे और सिरप की खेप को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की। बीएसएफ जवानों ने दावा किया कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में आता है और तस्करी सीमा से संबंधित है, इसलिए जब्ती का अधिकार उन्हें है। लेकिल पुलिस ने तर्क दिया कि सूचना उनके पास थी और कार्रवाई स्थानीय थाने की जिम्मेदारी है। इसी गलतफहमी और क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर मतभेद के चलते दोनों पक्षों में तीखी बहस शुरू हो गई, जो हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद एक बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। इसके बाद स्थिति को संभालने नदिया जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रित किया। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि मामले की जांच जारी है।

हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर शराब के नशे में पहुंचा शख्स... सेवादारों ने पकड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व के मौके एक व्यक्ति नशे की हालत में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर पहुंचा। जब मौके पर मौजूद लोगों और सेवादारों ने व्यक्ति से पूछा कि क्या शराब पी रखी है, तब बेझिझक जवाब दिया- हां, मैंने दारू पी है और मैं पीता हूं। वीडियो बना लो, गुरु मेरा राखा है। मैं किरपाण पहनकर पीता हूं। शख्स ने खुद को गुरसिख बताकर कहा कि वह हरियाणा के करनाल का रहने वाला है और पिछले तीन महीनों से अमृतसर में रह रहा है। लोगों का कहना है कि, व्यक्ति शराब के नशे में धुत होकर अनुचित व्यवहार करने लगा। मौके पर मौजूद सेवादारों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पकड़कर पवित्र परिसर से बाहर निकाल दिया। श्रद्धालुओं ने कहा कि समय पर रोक न लगाई जाती, तब वह अंदर जाकर कोई अनुचित हरकत कर सकता था। घटना से श्रद्धालुओं में रोष है और सभी ने कहा कि हरमंदिर साहिब की पवित्रता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना में हरमंदिर साहिब परिसर के बाहर एक व्यक्ति नशे की हालत में पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वह शराब के नशे में धुत होकर श्रद्धालुओं के बीच अनुचित व्यवहार करने लगा। आसपास मौजूद सेवादारों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कार्रवाई की और उसे पकड़ लिया, ताकि वह परिसर के अंदर प्रवेश न कर सके।

मदरसे से निकले लाखों के नकली नोट का मास्टरमांइड निकला डॉ प्रतीक

-पुलिस ने निलंबित डॉक्टर की संपत्ति को किया सीज

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मदरसे से निकले 20 लाख के नकली नोट के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने दावा किया है कि बुराहनपुर का निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे ही इस नकली नोट कांड का असली मास्टरमाइंड है। प्रतीक नवलखे की संपत्ति सीज कर दी गई है। महाराष्ट्र की मालेगांव पुलिस ने हरीरपुरा निवासी जुबेर अंसारी को 29 सितंबर को 10 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ पकड़ा था। मामला सामने आने के बाद खंडवा जिले के पेठिया जहां जुबेर एक मस्जिद में इमाम था, वहां के मुस्लिम लोगों ने पुलिस बुलाकर उसके कमरे की तलाशी करवाई। तलाशी में मदरसे से 19.87 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। अब इस मामले में बुरहानपुर के निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे का नाम सामने आया, जो इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। इसके बाद बुरहानपुर पुलिस ने इतवारा गेट स्थित निलंबित डॉक्टर प्रतीक नवलखे संपत्ति को सीज कर दिया है। बुरहानपुर के एएसपी ने बताया कि महाराष्ट्र में डॉक्टर प्रतीक के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही बुरहानपुर में उसके मकान को सीज कर दिया है। यह कार्रवाई जांच समिति को जांच में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए भीड़, देवरिया में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी

देवरिया(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर स्नान के लिए भीड़ उमड़ी है। देवरिया में सरयू नदी में 12 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। महिलाएं चिल्लाने लगी। श्रद्धालुओं को डूबता देख घाट पर मौजूद गोताखोर और नाविक नदी में कूद गए। जैसे-तैसे महिलाओं और डूब रहे श्रद्धालुओं को रस्सी के सहारे बचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरयू का बहाव तेज था। नाव भी ओवरलोड थी। तभी बीच धारा में पहुंचते ही नाव डगमगा गई और पलट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां हादसा हुआ वहां नदी की गहराई 20 फीट से ज्यादा थी। वहीं कार्तिक पूर्णिमा पर काशी और प्रयागराज में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं। अयोध्या में सरयू नदी के घाटों पर भी 5 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ रही। यहां हनुमान गढ़ी में दर्शन के लिए भक्तों की एक किमी लंबी लाइन लगी है। अमरोहा, हापुड़ और बरेली के घाटों पर भी स्नानार्थियों का सैलाब उमड़ा। अमरोहा-हापुड़ में 40-40 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। बदायूं में भक्त बैलगाड़ी से गंगा स्नान करने पहुंचे। उधर, काशी की देव दिवाली को देखने के लिए 40 से ज्यादा देशों के लोग पहुंचे हैं।

गोपालगंज में जेडीयू-कांग्रेस समर्थकों में झड़प, चाकूबाजी में एक घायल

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के बीच गोपालगंज जिले के गोपालपुर इलाके में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और कांग्रेस पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प हुई है। यह झड़प जदयू उम्मीदवार अमरेंद्र कुमार उर्फ पप्पू पांडेय और कांग्रेस उम्मीदवार हरिनारायण कुशवाहा के समर्थकों के बीच हुई। हिंसक झड़प में एक युवक, जो कांग्रेस समर्थक बताया जा रहा है, गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिहार में चुनाव... तमिलनाडु, पंजाब से लेकर तमाम कारखानों में काम पड़ गया सुस्त

इस बार मतदान करने बड़ी तादाद में बिहार लौटे मजदूर

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनावों की गूंज सैकड़ों किलोमीटर दूर दूसरे राज्यों में भी साफ सुनाई दे रही है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को चुनाव होने हैं, जिसमें 7.40 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता हैं। चुनाव बिहार में हो रहे हैं लेकिन तमिलनाडु के कपड़ा कारखानों से लेकर पंजाब के तमाम कारखानों तक कई राज्यों में कारोबार सुस्त पड़ गए हैं। इसका सीधा कारण बिहारी कामगार मजदूर हैं, इनके बल पर कई राज्यों में उद्योग और दूसरे धंधे चलते हैं। इन राज्यों में काम करने वाले 30 से 60 प्रतिशत बिहारी कामगार 25 अक्टूबर से शुरू हुए छठ पर्व के लिए अपने राज्य लौटे थे और 11 नवंबर को विधानसभा चुनाव में मतदान करने के बाद ही लौटने वाले है। उद्योग जगत के कई सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनावों या स्थानीय निकाय चुनावों में ऐसा नहीं होता था। लेकिन विधानसभा चुनावों के लिए बिहारी कामगारों के जत्थे के जत्थे लौट गए हैं, जिससे सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों में निर्माण, उत्पादन एवं परिवहन क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। उदाहरण के लिए तिरुपुर में बिहार के 2.5 लाख लोग काम करते हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टेमा) के अध्यक्ष एम मुत्तुरत्नम ने कहा, 'हमारे काम पर असर पड़ा है, क्योंकि 2.5 लाख लोगों में 50-60 प्रतिशत इस बार बिहार वापस चले गए हैं। कई लोगों को उनके रिश्तेदार और दूसरे लोगों ने टिकट भेजकर बुलाया है।' ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों के जो आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक काम की तलाश में दूसरे राज्यों का सबसे अधिक रुख उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के लोग ही करते हैं। इसमें बिहारी मजदूर करीब 3 करोड़ हो चुके हैं। तिरुपुर अकेला नहीं है, जहां औद्योगिक गतिविधियां रुक गई हैं।

दक्षिण भारत की एक बड़ी सीमेंट कंपनी के आला अधिकारी ने बताया कि बिहार में चुनाव के कारण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में निर्माण और दूसरी बुनियादी गतिविधियां ठंडी पड़ी हुई हैं। सीमेंट की मांग में भारी गिरावट दिख रही है। उद्योग जगत के दूसरे लोगों के मुताबिक इसकी वजह बिहार चुनाव के इस बार के मुद्दे हैं, जिसमें बेरोजगारी, गरीबी और पलायन की सबसे ज्यादा बात हो रही है। प्रवासियों के बीच काम करने वाले एनजीओ के मुताबिक इससे पहले कभी बिहारी कामगार चुनाव के दौरान इतनी बड़ी तादाद में नहीं गए थे। उनके जाने से निर्माण गतिविधियों और केरल में फुटवियर जैसे प्रमुख उद्योगों पर भी असर पड़ा है।'

तमिलनाडू में शिव मंदिर में जीर्णोद्धार के दौरान मिले 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के

तिरुवन्नामलाई (एजेंसी)। तमिलनाडु के एक मंदिर में कुछ ऐसा हुआ, इसके बाद पूरे इलाके में हलचल मच गई। दरअसल, तिरुवन्नामलाई में जाव्वदु पहाड़ियों के पास स्थित शिव मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य के दौरान 100 से ज्यादा पुराने सोने के सिक्के मिले हैं। पुलिस ने बताया कि मंदिर में निर्माण कार्य के दौरान जमीन के अंदर से अचानक खटखट की आवाज आई और जब मिट्टी हटाकर देखा गया, तब सोने के सिक्के थे। बात दें कि तिरुवन्नामलाई जिले में जाव्वदु पहाड़ियों के निकट बसे एक प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान पुरातात्विक खजाने का अनमोल नगीना मिला है। मिट्टी के एक घड़े से बरामद 103 सोने के प्राचीन सिक्के न केवल स्थानीय इतिहासकारों को उत्साहित कर रहे हैं, बल्कि चोल साम्राज्य की समृद्ध विरासत को फिर से जीवंत कर रहे हैं। पुलिस ने इस खोज की पुष्टि की, जो तमिलनाडु के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ रही है। दरअसल, कोविलूर में शिवन मंदिर में मुख्य देवता के गर्भगृह के जीर्णोद्धार कार्य के दौरान तीन नवंबर को मिट्टी के एक घड़े से सोने के 103 प्राचीन सिक्के बरामद हुए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'सोमवार को निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी के घड़े से लगभग 103 सोने के सिक्के मिले। उन्होंने कहा कि यह मंदिर कई सदियों पुराना है और माना जाता है कि चोल सम्राट राजराजा चोलन तृतीय के समय में बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग और हिंदू धार्मिक तथा धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्होंने सिक्कों को अपने अभिरक्षण में ले लिया।

क्यों नहीं मिल रहा जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा... गवर्नर खान ने बताया

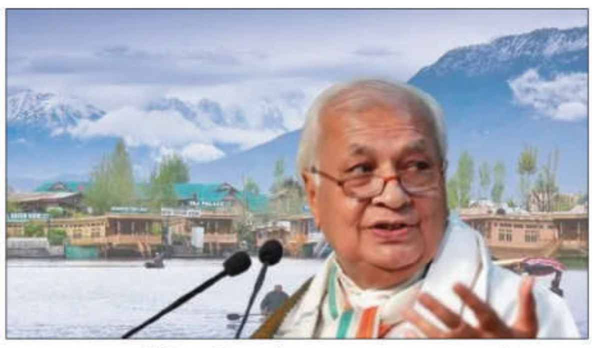

जम्मू (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इन दिनों जम्मू और कश्मीर में हैं। यहां उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के राज्य का दर्जा बहाली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि सब चाहते हैं कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले, लेकिन इसके लिए हालात सामान्य होना जरूरी है।

बिहार के गवर्नर खान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी इच्छा है कि जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। लेकिन, इसके लिए जरूरी है कि इस केंद्र शासित प्रदेश में हालात बिल्कुल सामान्य हो जाएं। उन्होंने श्रीनगर में कहा, हम सब फिक्रमंद हैं...हम सब चाहते हैं कि नॉर्मल हालात हों...सबकी ख्वाहिश ये है...पूरे हिंदुस्तान की ख्वाहिश ये है...प्रधानमंत्री की है कि कश्मीर राज्य की हैसियत से खुद अपना सबकुछ तय करे...लेकिन, ये हालात नॉर्मल करना होगा। ये आप और हमारा काम है कि हम वहां हालात पैदा कर सकें कि जिस तरह से नॉर्मल कानून सब जगह चल रहा है, उस तरह से कश्मीर में भी चले।

बता दें कि केंद्र का संसद से लेकर सार्वजनिक स्तर पर और अदालत तक में इस मुद्दे पर यही रुख रहा है कि समय आने पर जम्मू और कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी श्रीनगर में सार्वजनिक तौर पर यह भरोसा दे चुके हैं। लेकिन, इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। जबकि, प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस से लेकर अन्य राजनीतिक दल इस लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। 18 अक्टूबर, 2025 को पटना में एक प्रेस कांफ्रेंस में जब गृहमंत्री से जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के उस बयान की ओर इशारा किया गया कि उनकी सरकार बनने के एक साल बाद भी राज्य का दर्जा नहीं मिलने से जम्मू और कश्मीर और दिल्ली के बीच एक खाईबनी हुई है।

रक्षा क्षेत्र में मिल-जुलकर की गई खोज सबसे मजबूत सुरक्षा कवच : सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज दुनिया में कई तरह के खतरे हैं और ये तेजी से बदल रहे हैं। इसके बाद कोई भी देश अपने दम पर सुरक्षित नहीं रह सकता। अब सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में मिलजुलकर की गई खोज (इनोवेशन) ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है। जनरल द्विवेदी ने यह बात एक कार्यक्रम में कही। इस कार्यक्रम में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और उद्योग जगत के लोग शामिल हुए। इस दौरान सेना प्रमुख ने कहा कि सेना अब ड्रोन युद्ध, क्वांटम टेक्नोलॉजी, 6जी और स्पेस मिशन जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। हम इसतरह की तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो नागरिक और सैन्य दोनों जगह उपयोगी हों।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को आर्थिक मजबूती मिली है, अब सेना को काम करने में ज्यादा आजादी और लचीलापन मिल रहा है। इसका कारण नए हथियार और तकनीक को शामिल करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य में होने वाली लड़ाई में मशीनें और टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल होगा। सेना अब पूरी तरह ऑटोमेशन और मैन-अनमैन्डटीम्स की तरफ देख रही है। इससे सैनिकों की उतनी ही संख्या से हमें ज्यादा काम मिल सके। यह तभी हो पाएगा, जब उद्योग हमारे साथ मिलकर नई तकनीक दें। आने वाले समय में युद्ध किसी एक तरीके या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य की जंग इस बात पर निर्भर करेगी कि हम अपने विचारों को कितनी जल्दी असली ताकत और क्षमता में बदल पाते हैं। विचार से क्षमता तक पहुंचने का मतलब है कि निर्भरता से आत्मनिर्भरता और फिर आत्मनिर्भरता से शक्ति हासिल करना। भारत ने कई आधुनिक हथियार बनाए हैं, जैसे आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, एटीएजीएस तोप और जोरावर लाइट टैंक। ये उदाहरण बताते हैं कि भारत अब रक्षा के क्षेत्र में अपने दम पर मजबूत हो रहा है। अब बेशक लड़ने का तरीका बदल गया है और अब झगड़े सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहते। लेकिन चाहे युद्ध जैसा भी हो, अंत में जमीन ही जीत का असली पैमाना होती है, यही असली सफलता तय करती है।

इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं, 'भगवा-ए-हिंद' होगा, धीरेंद्र शास्त्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आध्यात्मिक गुरु और बागेश्वर धाम सरकार के प्रमुख आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कवि कुमार विश्वास के साथ बुधवार को उत्तरकाशी के बड़कोट में यमुना नदी के किनारे पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने नदी की शुद्धता पर चिंता जताते हुए एक बड़ी 'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' की घोषणा की।

मां यमुना की शुद्धता पर जताई चिंता : यमुना तट पर पूजा के बाद, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने नदी की शुद्धता देखकर हैरानी जताई और ब्रज क्षेत्र तथा दिल्ली (इंद्रप्रस्थ) में इसके प्रदूषित रूप पर दुख व्यक्त किया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'यहां, मां यमुना का पानी सोने जैसा एकदम शुद्ध है। मां यमुना का यह रूप देखकर, मुझे हैरानी हुई कि ऐसी पवित्रता ब्रज क्षेत्र और दिल्ली में क्यों नहीं मिलती। यह देखकर मेरा दिल बैठ गया।' उन्होंने यमुना को उसके मूल शुद्ध रूप में वापस लाने के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

'सनातन हिंदू एकता पदयात्रा' का ऐलान : आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू एकता के उद्देश्य से एक बड़ी पदयात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा 7 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक चलेगी, जिसका मार्ग दिल्ली से वृंदावन होगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एक साथ लाना और सनातनियों को एकजुट करना है। इस दौरान, शास्त्री ने दृढ़ता से कहा कि इस देश में कोई 'तनातनी' नहीं होगा, सिर्फ 'सनातनी' होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में राजनीतिक और धार्मिक रूप से तीखे बयान भी दिए, जिसमें उन्होंने कहा, 'इस देश में कोई 'गजवा-ए-हिंद' नहीं होगा, सिर्फ 'भगवा-ए-हिंद' होगा। राम का साथ देने वालों की जयकार होगी, राम का विरोध करने वालों की नहीं।'

जब सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट तो दलित रेजिमेंट क्यों नहीं?

-कांग्रेस नेता उदित ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना में जाति आधारित रेजिमेंट होने की वकालत की है। उनका कहना है कि जब राजपूत रेजिमेंट है, तो अन्य रेजिमेंट्स भी होना संभव हैं। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया है कि देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका में एक भी दलित प्रमुख नहीं है। मंगलवार को ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि भारतीय सेना देश की 10 फीसदी आबादी के नियंत्रण में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना में जाति की बात करने के सवाल पर राज ने कहा, क्या सेना में राजपूत, डोगरा या जाट रेजिमेंट नहीं है? चमार रेजिमेंट थी, लेकिन अंग्रेजों ने खत्म कर दी, क्योंकि ईमानदारी से लड़े थे। इसे बहाल क्यों नहीं किया गया। क्या बात है, वहां लड़ने की ही बात है और क्या है। उन्होंने कहा कि वहां एक तरह से ग्रुप बना रखा है। किस आधार पर प्रमोशन होता है, किस आधार पर? पहले तमाम रेजिमेंट थीं, महार रेजिमेंट था। खत्म कैसे हुआ। जब आपका राजपूत रेजिमेंट हो सकता है, तो दलित क्यों नहीं हो सकता।

इससे पहले कांग्रेस नेता ने कहा कि 48 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। एक भी दलित कुलपति नहीं है। यही स्थिति न्यायपालिका में और कॉर्पोरेट जगत में है...। एक फीसदी आबादी के पास दुनिया की आधी से ज्यादा संपत्ति है। भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है...।

वहीं बिहार के कुटुम्बा में रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आप करीब से देखेंगे, तो देश की 90 फीसदी आबादी दलित, महा दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा या अल्पसंख्यक समुदाय से है। 90 फीसदी लोग समाज के अति पिछड़ा और आदिवासी वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत की 500 बड़ी कंपनियों की लिस्ट निकालेंगे, तो आपको कोई भी पिछड़ा या दलित समुदाय से वहां नहीं मिलेगा। वह सभी शीर्ष 10 फीसदी से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हें मिलती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको कहीं भी 90 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा।

खजुराहो पहुंचे राकेश किशोर ने एएसआई पर लगाया, हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप

छतरपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले दिल्ली के वकील डॉ. राकेश किशोर कुमार दो दिन से खजुराहो में हैं। उन्होंने बुधवार सुबह करीब 10 बजे खजुराहो के जवारी मंदिर में प्रार्थना की। उन्होंने आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएआई) पर हिंदुओं के साथ दोगला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनके साथ राम राज मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ऋषि राजेंद्र सिंह नरूका, श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस मथुरा के मुख्य पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर और अन्य धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

एएसआई अधिकारी दीक्षांत चावरे ने पूजा के बाद सभी लोगों को मंदिर खाली करने के लिए कहा। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि खजुराहो के सभी स्मारक आम पर्यटकों के लिए खुले हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की पूजा, अर्चना, ध्यान या योग करना मना है। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर या उनके सहयोगियों ने इसके लिए कोई परमिशन नहीं ली थी और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खंडित प्रतिमा पर बयान: राकेश किशोर ने जवारी मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित प्रतिमा के सामने प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह मूर्ति की पुनर्स्थापना और अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही माल्यार्पण करुंगा। उनका कहना था कि मूर्ति खंडित नहीं होती, मानसिकता खंडित होती है। उन्होंने मांग की कि मूर्ति के शीश को जोड़कर और बगल में एक छोटी मूर्ति स्थापित करके पूजा योग्य बनाया जाए। उन्होंने भोजपुर मंदिर के शिवलिंग और संभल की मस्जिद का उदाहरण देकर एएसआई पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राकेश किशोर ने 1958 में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए एक्ट को बदलने की आवश्यकता बताकर कहा कि मूर्तियों की पुनर्स्थापना और पूजा पाठ पहले किया जाना चाहिए, उसके बाद कानून लागू होना चाहिए।

प्रकाश पर्व के बहाने सिखों और हिंदुओं में फूट डालने की कोशिश

-पाकिस्तान ने सिखों का किया स्वागत पर हिंदू श्रद्धालुओं को नही दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वो किसी न किसी बहाने भारत में फूट डालने के प्रयास करता रहा है। श्री गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर पाकिस्तान ने कुछ इसी तरह की हरकत की है। दरअसल,पर्व में शामिल होने के लिए भारत से पहला सिख जत्था पाकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों ने सिखों का तो फूलों से स्वागत किया, लेकिन हिंदू श्रद्धालुओं को सीमा पार करने की इजाजत नहीं दी। यह कदम भारत के लिए न केवल अभूतपूर्व माना जा रहा है, बल्कि इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हिन्दुओं और सिखों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, हिंदू श्रद्धालुओं ने वाघा बॉर्डर पर सभी इमिग्रेशन और यात्रा औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। वे ननकाना साहिब जाने वाली विशेष बस में सवार होने ही वाले थे कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अचानक उन्हें रोक दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली के श्रद्धालु अमरचंद ने बताया कि वह अपने सात परिजनों के साथ यात्रा पर थे। उन्होंने कहा, 'हमने अटारी बॉर्डर पर किया, वाघा पहुंचे, सारी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी की और टिकट भी ले ली। लेकिन बस में चढ़ने से ठीक पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा, 'आप हिंदू हैं, आप सिख जत्थे के साथ नहीं जा सकते।' इसी तरह लखनऊ से आए सात श्रद्धालुओं का समूह भी लौटने को मजबूर हुआ। भारतीय अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को 'चौंकाने वाला और निंदनीय' बताया है। उनका कहना है कि यह पहला मौका है जब धार्मिक यात्रियों को उनके धर्म के आधार पर अलग किया गया और रोक दिया गया।

उधर भारतीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की यह कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। एजेंसियों का कहना है कि यह रवैया गुरुद्वारा दरबार साहिब, करतारपुर साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ भी अपनाया जा सकता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से करतारपुर कॉरिडोर भी बंद है।

इस बार पाकिस्तान के उच्चायोग ने 2,100 से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया था, लेकिन केवल 1,796 सिख श्रद्धालु ही सीमा पार कर सके। करीब 300 श्रद्धालुओं को प्रोटोकॉल नियमों का पालन न करने पर रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने सीमा पर विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन बाद में उन्हें लौटना पड़ा। वहीं

पाकिस्तान पहुंचे सिख श्रद्धालुओं का लाहौर में पंजाब प्रांत के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा और पाकिस्तान इवैक्यू ट्रस्ट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान का यह रवैया न केवल धार्मिक यात्राओं की भावना के विपरीत है, बल्कि इससे भारत-पाक धार्मिक कूटनीति पर भी असर पड़ सकता है। भारतीय विदेश मंत्रालय से उम्मीद की जा रही है कि वह इस घटना को लेकर इस्लामाबाद से औपचारिक विरोध दर्ज कराएगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वर पब्लिकेशंस एलएलपी की ओर से शिवशाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, निवर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902